THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 81 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आषाढ कृ.6 2080 शुक्रवार, 9 जून 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

टीपू सुल्तान का स्टेट्स लगाने वालों को पुलिस ने दबोचा

सभी कॉलेज जाने वाले छात्र

कोल्हापुर, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में टीपू सुल्तान का महिमामंडन करते हुए कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने आपत्तिजनक स्टेटेस लगाए थे, इसके बाद इलाके में हिंसा भड़क गई थी और पुलिस के साथ झड़प में कुछ लोग घायल हो गए थे। वहीं इस मामले पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों हिरासत में लिया है।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि इस मामले में पांच लोगों को पकड़ा है जो नाबालिग हैं और कॉलेज जाते हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि उन्हें इस तरह के कृत्य में शामिल होने के लिए क्या या किसी ने प्रेरित किया था, कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित ने कहा कि आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर शहर में दो मुकदमे दर्ज किए गए थे और पांच युवकों को हिरासत में लिया गया है।

एसपी ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पांचों के फोन जब्त कर लिए गए हैं और उनका विश्लेषण किया जा रहा है। पांचों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने कंटेट की कॉपी की थी और स्टेटस पर लगाया था। वीडियो को इंटरनेट से डाउनलोड किया था। अधीक्षक महेंद्र पंडित ने बताया कि उन लड़कों को आभास था कि वह पकड़े जाएंगे इससे पहले उन्होंने सामग्री के साथ अपने अकाउंट को बंद कर दिया था।

साथ ही पुलिस ने बताया कि एप और डेटा को पुनः प्राप्त करने का प्रयास किए जा रहे हैं ताकि ये पता चल सके कि उन्हें वीडियो कहां से मिले। अभी तक, हम यह नहीं कह सकते कि क्या उन्हें उकसाया गया था। हम कुछ सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच कर रहे हैं। साथ ही ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन अकाउंट को कब बनाया गया। साथ ही इनसे जुड़े मोबाइल नंबरों का पता लगाया जा रहा है।

>14

गेमिंग एप से धर्म परिवर्तन मामले की जांच में पुलिस की मदद कर रही एनआईए

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ऑनलाइन गेमिंग के जरिए नाबालिगों के धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस की मदद कर रही है। एक अधिकारी ने यहां गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, यूपी पुलिस ने मामले में जांच एजेंसी की मदद का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, यूपी पुलिस करन शाहनवाज उर्फ बद्दो के विदेश भागने की आशंका के मद्देनजर उसके लिए लुकआउट सकरुलर (एलओसी) जारी करने की योजना बना रही है। पुलिस वर्तमान में उसकी तलाश में देश भर के कई राज्यों में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने इस मामले में एक मौलाना को गिरफ्तार किया है, जो गाजियाबाद की जामा मस्जिद का मौलाना है। वह मस्जिद की 15 सदस्यीय समिति के सदस्य भी हैं। कान शाहनवाज उसका सहयोगी है और फिलहाल फरार है। गाजियाबाद पुलिस को देश के अलग-अलग हिस्सों से चार नाबालिगों के धर्मांतरण की सूचना मिली थी। इनमें से एक फरीदाबाद, दूसरा चंडीगढ़ और बाकी दो गाजियाबाद के ही रहने वाले हैं। हालांकि यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है, क्योंकि गाजियाबाद पुलिस को कई अन्य राज्यों से लगातार ऐसे इनपुट मिल रहे हैं, जो इशारा कर रहे हैं कि कई जगहों पर बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुआ है। 30 मई को गाजियाबाद के राजनगर निवासी एक व्यक्ति ने धर्मांतरण के एक मामले को लेकर कविनगर थाने में प्राथमिकी (प्रथम सूचना रिपोर्ट) दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका बेटा शुरू में ऑनलाइन गेमिंग में शामिल था और बाद में उसका धर्म परिवर्तन हुआ। प्राथमिकी में संजय नगर सेक्टर-23 मस्जिद के मौलवी अब्दुल रहमान और मुंबई के बद्दो नाम के एक अन्य व्यक्ति का नाम शामिल है। दोनों पर हिंदू लड़कों का ब्रेनवॉश करने और उनसे नमाज पढ़ाने का आरोप है। इस मामले में पुलिस ने 4 जून को मस्जिद के मौलवी अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया था।

मानसून ने केरल में दी दस्तक

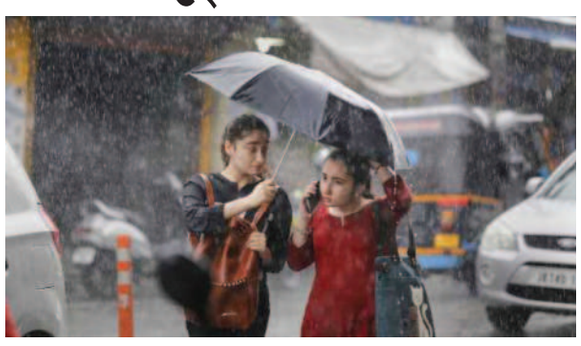

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी का सामना कर रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मानसून का भारत में एंट्री हो गई है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने इसकी घोषणा कर दी है। भारत में आमतौर पर मानसून 1 जून को पहुंच जाता है। इस बार वह करीब सप्ताह भर की देरी से आया है। केरल में मानसून के आने से जमकर बारिश को रही है। मई में आईएमडी ने कहा था कि मानसून केरल में चार जून के आसपास पहुंच सकता है। मौसम विज्ञानियों ने इससे पहले कहा था कि चक्रवात 'बिपरजोय' मानसून को प्रभावित कर रहा है और केरल में इसका शुरूआत मामूली होगी।

तेजी से बढ़ रहा है मानसून

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून दक्षिण अरब सागर की के कुछ हिस्सों और लक्षद्वीप के अलावा केरल के ज्यादातर हिस्से, दक्षिण तमिलनाडु के ज्यादातर हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के बाकी हिस्सों, मन्नार की खाड़ी और दक्षिण पश्चिम, मध्य और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। केरल में लगातार दो दिन से भारी बारिश हो रही है। मानसून तमिलनाडु और बंगाल की खाड़ी के भी कुछ हिस्सों में आया है। इसके अलावा मानसून की पुडुचेरी में भी एंट्री हो चुकी है।

दिल्ली में कब होगी एंट्री

दक्षिण पश्चिम मानसून आम तौर पर केरल में एक जून तक पहुंच जाता है और आम तौर पर एक जून से करीब सात दिन पहले या बाद में यह पहुंचता है। मौसम विभाग का कहना है दिल्ली एनसीआर में मानसून महीने के अंत तक पहुंच सकता है। इस बार मौसम विभाग की ओर से सामान्य बारिश की संभावना जताई गई है। पूर्व और उत्तर पूर्व, मध्य और दक्षिण प्रायद्वीप में इस दौरान औसत की 94 से 106 प्रतिशत सामान्य बारिश होने की उम्मीद है।

मनीष सिसोदिया 103 दिन बाद बीमार पत्नी से मिले

7 घंटे की जमानत मिली थी, पत्नी का आरोप- पुलिस हमारी बातें सुन रही थी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी पत्नी सीमा सिसोदिया से 103 दिन बाद मुलाकात की। सीमा मल्टीपल स्केलेरोसिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने सिसोदिया को पत्नी से मिलने के लिए 7 घंटे की जमानत दी थी। मुलाकात के बाद सीमा ने आरोप लगाया कि 7 घंटे की मुलाकात के दौरान पुलिस उनके बेडरूम के दरवाजे पर बैठी रही। पुलिस उन्हें लगातार देख रही थी और उनकी हर बात सुन रही थी। सीमा ने फेसबुक पर एक नोट शेयर कर कहा कि शायद इसीलिए कहते हैं कि राजनीति गंदी है। मनीष सिसोदिया को शराब नीति मामले में सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। वे दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। सीमा ने नोट में लिखा कि आम आदमी पार्टी के बनने के समय बहुत सारे शुभचिंतकों ने कहा था कि राजनीति के चक्कर में मत पड़ो। यहां पहले से बैठे लोग काम नहीं करने देंगे और फैमिली को अलग परेशान करेंगे। लेकिन मनीष की जिद थी।

नाबालिग पहलवान के बयान बदलने पर बवाल : विनेश बोली- डर के माहौल में क्या इंसाफ मिलेगा

पानीपत, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ नाबालिग पहलवान के बयान बदलने पर बवाल शुरू हो गया है। सबसे पहले विनेश फोगाट ने इस पर चुप्पी तोड़ी। विनेश ने कहा, डर और भय के माहौल में क्या बेटियों को इंसाफ मिल पाएगा? ये बेटियां एक-एक करके हिम्मत ना हार जाएं इंसाफ की इस लड़ाई में हो रही देरी के कारण? परमात्मा सबको हिम्मत दे।

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, पोक्सो एक्ट में केस वापस नहीं हो सकता, कोर्ट में बयानों में हेराफेरी की जा सकती है। 2 महीने से भारत सरकार इस मुद्दे में लगी रही, पूरी मीडिया लगी रही। लगातार पहलवानों को बदनाम करते रहे।

एक नाबालिग बच्ची क्या भारत सरकार का मुकाबला कर लेगी? इनको शर्म नहीं आई। अगर बृजभूषण पर उसी वक्त कार्रवाई हो जाती तो क्या पीड़िता अपने बयान बदलती? धीरे-धीरे पहलवानों को ही गलत साबित कर दिया जाएगा। बृजभूषण को पाक साफ करार दिया जाएगा।

नाबालिग पहलवान ने बृजभूषण पर लगाए यौन शोषण के आरोप वापस ले लिए हैं। अब सिर्फ भेदभाव की शिकायत रखी है। इससे बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को झटका लगा है। नाबालिग पहलवान के बयान बदलने से बृजभूषण के ऊपर लगा पोक्सो एक्ट हट जाएगा। ऐसे में अब कानूनन बृजभूषण की तुरंत गिरफ्तारी अनिवार्य नहीं होगी। बृजभूषण पर अब बालिग महिला पहलवानों के छेड़छाड़ के आरोप रह गए हैं, जिनमें कानूनी तौर पर तुरंत गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है।

>14

जिंदगी की जंग हारी बोरवेल में गिरी सृष्टि

सीहोर, 8 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीहोर के मुंगावली गांव में 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरी बच्ची जिंदगी की जंग हार गई। 3 साल की मासूम सृष्टि को करीब 52 घंटे बाद बोरवेल से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू टीम ने उसे रोबोटिक टेक्निक से बाहर खींचा। बच्ची कोई रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी। उसे एंबुलेंस से सीधे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। बच्ची 150 फीट की गहराई पर फंसी थी। रोबोट टीम के प्रभारी महेश आहीर ने बताया कि जब बच्ची को बाहर निकाला गया, तब वह बेहोश थी। वह किसी प्रकार से रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी। हमने रोबोट के डेटा के साथ सेना, एनडीआरएफ की मदद से पूरा रेस्क्यू किया है। बच्ची के बाहर आते ही डॉक्टर ने बच्ची को लिया और एंबुलेंस में लेकर उसे अस्पताल लेकर रवाना हो गए।

कंधा टकराना नाबालिग को नहीं हुआ सहन, पहले की पिटाई फिर चाकू मारकर किया घायल

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में अपराध का सिलसिला लगातार बढ़ता ही जा रहा है। उसमें भी चाकुओं से होने वाले हमले तो बेतहाशा रूप से सामने आ रहे हैं। लोगों के लिए दूसरों की जान की कोई कीमत ही नहीं रह गई है। जरा जरा सी बात पर लोग एक दूसरे की हत्या कर दे रहे हैं। लोगों की इस हिंसक व्यवहार पर कई मनोवैज्ञानिक गंभीर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। दिल्ली में पिछले दिनों हुए साक्षी हत्याकांड को कोई भुला नहीं है कि सीलमपुर इलाके में भी कुछ ऐसा ही घटित हो गया। यहां एक नाबालिग बच्चे ने दूसरे बच्चे पर चाकू से हमला सिर्फ इसलिए कर दिया क्योंकि रास्ते में उसका कंधा उससे टकरा गया। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे की है।

'यूपी पुलिस की हिरासत में 41 लोगों की मौत

कपिल सिब्बल ने केंद्र से फिर पूछ लिया

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के बाद अब उत्तर प्रदेश के लखनऊ कोर्ट परिसर में एक गैंगस्टर की हत्या से सियासी गलियारों में खलबली की स्थिति है। इसकी गूंज लखनऊ से दिल्ली तक सुनाई देने लगी हैं। लखनऊ में जीवा हत्याकांड के बाद उत्पन्न खौफ की स्थिति का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि राज्यसभा सांसद और देश के कद्दावर अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट कर सीधे केंद्र सरकार की नीयत पर ही सवाल उठा दिए हैं। जाने-माने अधिवक्ता सिब्बल ने गुरुवार की सुबह एक ट्वीट कर केंद्र से सवाल पूछा है कि इस तरह की हत्याएं क्या सरकार को बिचलित नहीं करतीं? कपिल सिब्बल ने अपने ट्वीट में लिखा है कि साल 2017 से लेकर 2022 के दौरान यूपी में 41 लोगों की हत्या पुलिस कस्टडी में हत्याएं हुई हैं। यह सिलसिला आज भी जारी है। एक दिन पहले लखनऊ कोर्ट परिसर में अज्ञात हमलावरों ने पुलिस कस्टडी में गैंगस्टर जीवा की गोली मारकर हत्या कर दी। यूपी पुलिस हिरासत में अतीक और अशरफ की भी गोली मारकर हत्या हो चुकी है। हाल ही में दिल्ली के तिहाड़ जेल में टुल्लू ताजपुरिया की गोली मारकर हत्या हुई थी। सिलसिलेवार पुलिस कस्टडी में लोगों की हत्याएं चिंता को बढ़ाने वाली हैं। क्या केंद्र को भी इसकी चिंता है।

जीवा की हत्या के बाद वकीलों का जोरदार प्रदर्शन

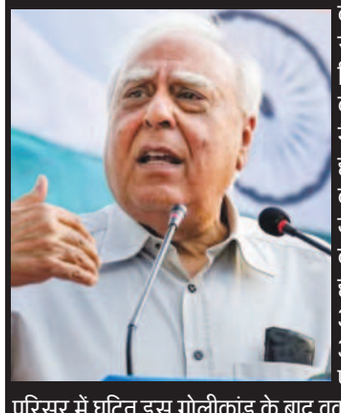

बता दें कि यूपी योगी आदित्यनाथ का राज लोगों के बीच कानून के इकबाल के लिए लोकप्रिय है। इसके बावजूद 7 मई को लखनऊ कोर्ट परिसर में कुख्यात गैंगस्टर संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या से सियासी गलियारों में खबबली की स्थिति है। चिंता की बात यह है कि जीवा की गोली मारकर की हत्या वकीलों की ड्रेस में हमलावरों ने की। हमलावरों की फायरिंग में एक बच्ची और सिपाही भी घायल हुआ है। एक आरोपी को घायल हालत में पुलिस पकड़कर ले गई। लखनऊ में कोर्ट परिसर में घटित इस गोलीकांड के बाद वकीलों ने जोरदार प्रदर्शन किया। वकीलों ने कोर्ट की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए हैं। यहां इस बात का भी जिक्र कर दें कि लखनऊ कोर्ट परिसर में जिस गैंगस्टर जीवा की हत्या हुई है वो यूपी के दो विधायकों के हत्या का आरोपी है। दोनों बीजेपी विधायक थे।

लगातार बढ़ेगा तापमान, छह दिन चलेगी तेज हवा

लू के आसार नहीं; अगले सप्ताह से ऐसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। मई में गर्मी से मिली राहत जून के पहले सप्ताह में भी जारी है। अब राजधानी में तेज हवा चलेगी और तापमान भी बढ़ता जाएगा। राहत की बात यह है कि अभी मौसम विभाग ने लू के संकेत नहीं दिए हैं। नौ जून से अधिकतम तापमान 41 डिग्री के पार रहने की संभावना है। इसके बाद 12 व 13 जून को तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 38.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हालांकि, कई इलाकों में गर्मी ने अपने तेवर कड़े रखे। आसमान साफ रहने से धूप की तपिश का ज्यादा अहसास हुआ। कई इलाकों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ। सर्वाधिक अधिकतम तापमान पीतमपुरा में 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि नजफगढ़ में 40.4, पूसा में 40.3, व स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से 20 से 35 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना है।

जम्मू में मां वैष्णों देवी के साथ अब तिरुपति बालाजी के भी होंगे दर्शन

गृहमंत्री अमित शाह भी पहुंचे

जम्मू, 8 जून (एजेंसियां)। देश भर के श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब जम्मू में माता वैष्णो देवी के दर्शन के साथ-साथ भगवान तिरुपति बालाजी के भी दर्शन किए जा सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को जम्मू के नगरोटा में जम्मू कटरा नेशनल हाईवे से सटे मजीन इलाके में तिरुपति बालाजी के मंदिर का उद्घाटन किया। जम्मू के नगरोटा के मजीन इलाके में शिवालिक फॉरेस्ट रेंज में करीब 62 एकड़ की भूमि पर 30 करोड़ रुपए की लागत से बने तिरुपति बालाजी मंदिर का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को किया। यह मंदिर जम्मू से करीब 10 किलोमीटर और कटरा से करीब 40 किलोमीटर दूर है।

बढ़ावा देने के मकसद से मानी जा रही है अहम भूमिका

जम्मू में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से इस मंदिर की अहम भूमिका मानी जा रही है। यह मंदिर देशभर से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालु के साथ-साथ अमरनाथ यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं के साथ जम्मू घूमने आ रहे पर्यटकों के लिए आकर्षण का एक बड़ा केंद्र रहेगा। गौरतलब है कि जम्मू में तिरुपति बालाजी का यह मंदिर देश में छठा ऐसा मंदिर है जो तिरुपति बालाजी की तर्ज पर बनाया गया है। इससे पहले तिरुमला तिरुपति देवस्थानम भारत में हैदराबाद, चेन्नई, कन्याकुमारी, दिल्ली और भुवनेश्वर में ऐसे मंदिर बना चुका है।

एमपी में हुआ सड़क हादसा 4 लोगों की दर्दनाक मौत

गुना, 8 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश से एक भीषण सड़क दुर्घटना की घटना सामने आ रही है, इस हादसे में 4 व्यक्तियों की मौत हो गई। दरअसल, 2 मोटरसाइकिल की आमने-सामने से टक्कर हो गई। यह गुना जिले के चाचौड़ा थाना इलाके के कोन्याकला गांव की घटना है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दो मोटरसाइकिल पर कुल 6 लोग सवार थे। भीषण हादसे में 2 व्यक्तियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं एक की मौत चिकित्सालय जाते समय हो गई। चौथे व्यक्ति की मौत उपचार के चलते हो गई। वहीं इस दुर्घटना में 2 लोग गंभीर तौर पर चोटिल हो गए हैं। बता दें कि दोनों मोटरसाइकिल पर कुल 6 लोग सवार थे जिनमें से 4 की मौत हो गई। वहीं दोनों चोटिल को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। वही इससे पहले मध्य प्रदेश के भोपाल शहर से एक घटना सामने आई थी जिसमे अरेरा हिल्स क्षेत्र में बिड़ला मंदिर के समीप एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में 2 लोग सवार थे, जिन्होंने किसी प्रकार कूदकर अपनी जान बचाई।

चंदा कोचर पर चलेगा मुकदमा, आईसीआईसीआई बोर्ड ने दी मंजूरी

3250 करोड़ रुपये के लोन फ्रॉड का है मामला

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 3,250 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंदा कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी मिल गई है। बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को। यह मामला बैंक द्वारा वीडियोकॉन ग्रुप ऑफ कंपनीज को स्वीकृत कर्ज में कथित तौर पर धोखाधड़ी और अनियमितता से जुड़ा हुआ है। विशेष लोक अभियोजक ए लिमोसिन द्वारा प्रस्तुत जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि आईसीआईसीआई बैंक के बोर्ड ने इस साल 22 अप्रैल को पारित एक प्रस्ताव में कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को पिछले वर्ष दिसंबर में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत को भी गिरफ्तार किया था।

कोर्ट ने सीबीआई को लगाई थी फटकार

बंबई हाई कोर्ट ने बाद में चंदा कोचर और उनके पति को अंतरिम जमानत दे दी थी। कोर्ट ने सीबीआई को दिमाग का इस्तेमाल किए बगैर और अनौपचारिक व यांत्रिक तरीके से दोनों को गिरफ्तार करने के लिए फटकार भी लगाई थी। सीबीआई ने कोचर दंपती और धूत के साथ ही दीपक कोचर द्वारा संचालित नूपावर रिन्यूएबल्स, सुप्रीम एनर्जी, वीडियोकान इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और वीडियोकान इंडस्ट्रीज लिमिटेड समेत कुल नौ कंपिनयों व्यक्तियों को नामजद किया था।

9 कंपनियों के खिलाफ दर्ज किया था मामला

सीबीआई ने दीपक कोचर, सुप्रीम एनर्जी, वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा प्रबंधित कंपनियों नूपावर रिन्यूएबल्स (एनआरएल) के साथ कोचर दंपति और धूत को आरोपी बनाया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि आईसीआईसीआई बैंक ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, आरबीआई के दिशानिर्देशों और बैंक की क्रेडिट नीति का उल्लंघन करते हुए धूत द्वारा प्रवर्तित वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को 3,250 करोड़ रुपये की ऋण सुविधाएं मंजूर की थीं।

चंदा कोचर को पद से देना पड़ा था इस्तीफा

बता दें कि इस लोन को बाद में बैंक ने एक नान परफार्मिंग एसेट (एनपीए) घोषित कर दिया था। घोटाले के आरोप में चंदा कोचर को साल 2018 में अपने पद से इस्तीफा भी देना पड़ा था। इस फ्राड केस के मामले में कोचर दंपती को 23 दिसंबर को सीबीआई द्वारा गिरफ्तार भी कर लिया गया था। इसके बाद बॉम्बे हाई कोर्ट से बाद में दंपती को जनवरी, 2023 में जमानत मिली थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि वर्तमान मामले में गिरफ्तारी का आधार केवल सहयोग नहीं करना और पूर्ण एवं सही राज नहीं बताना बताया गया है।

पंजाब में लोकसभा चुनावों की तैयारी में जुटी बीजेपी

होशियारपुर से नड्डा तो गुरदासपुर से गृह मंत्री शाह भरेंगे हुंकार

होशियारपुर, 8 जून (एजेंसियां)। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों की तैयारी में जुटी हुई नजर आ रही है। जिसका आगाज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की रैलियों से होने वाला है। 14 जून को होशियारपुर में जेपी नड्डा और 18 जून को शाह गुरदासपुर में रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। होशियारपुर और गुरदासपुर की रैलियां काफी अहम मानी जा रही हैं। प्रदेश बीजेपी इन रैलियों को सफल बनाने में जुटी हुई है। इस बहाने से पार्टी के हर कार्यकर्त्ता के घर तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। ताकि लोकसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत किया जा सके। इसके लिए बीजेपी पूरी रणनीति बनाकर चल रही है। इसके अलावा अन्य केंद्रीय मंत्रियों की विभिन्न संसदीय सीटों पर ड्यूटी लगाई गई हैं। इन मंत्रियों द्वारा मोदी सरकार की 9 साल की उपलब्धियों को गिनवाया जाएगा।

क्या अकाली दल का मिलेगा साथ?

पंजाब के राजनीतिक गलियारों में अक्सर इस बात की चर्चा रहती है कि क्या फिर बीजेपी अकाली दल को अपने साथ लेकर चलेगी? दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन में शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के शामिल होने के बाद संकेत मिले थे कि फिर से उसका बीजेपी से गठबंधन हो सकता है। लेकिन जो गठजोड़ होगा अब वो पुरानी सीटों पर नहीं होगा, बल्कि बीजेपी अपना हिस्सा बढ़ाना चाहेगी। हालांकि इस पर अभी तस्वीर साफ नहीं हो पाई है।

निकाय चुनाव की तैयारियां भी जारी

लोकसभा चुनाव के साथ-साथ बीजेपी निकाय चुनावों की तैयारी में भी जुटी हुई है। जालंधर उपचुनाव के बाद पहली बार चंडीगढ़ पहुंचे पंजाब बीजेपी प्रभारी और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आगामी लोकसभा और निकाय चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। रूपाणी ने प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और कार्यकर्त्ताओं से मोदी सरकार की 9 साल की नौ साल की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने की बात कही।

किनारे खड़ी जीप से टकराया तेज रफ्तार बल्कर 7 लोगों की हुई मौत

सीधी, 8 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले से एक बड़ी घटना सामने आ रही है यहाँ बृहस्पतिवार की सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में 7 व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई। इस दुर्घटना में जीप और बल्कर में जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें 7 व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना लगभग 10:15 बजे सिटी कोतवाली थाना इलाके की है। जिला मुख्यालय सहित आसपास के तीन थानों की पुलिस एवं प्रशासन घटनास्थल पर पहुंच गया है। चोटिल व्यक्तियों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए ले जाया गया है। प्राप्त खबर के मुताबिक, गड्ढे में फंसने से बेकाबू बल्कर जीप के ऊपर गिर गया। जिसके कारण वाहन में सवार 2 बच्चे समेत कुल 7 व्यक्तियों की मौके पर मौत हो गई। दो लोगों की हालत गम्भीर बताई जा रही है। कुन्दौर गाँव से वापस सिरसी गाँव जा रहे थे तभी सीधी टिकरी मार्ग के डोल में सड़क दुर्घटना हो गई। फिलहाल खबर लगते ही मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई है।

लिव-इन पार्टनर के शव के टुकड़े कुकर में उबालने वाले शख्स के खिलाफ गुस्सा

एनसीपी सांसद ने की ये मांग

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। मुंबई से दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड जैसा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक सनकी आशिक ने अपनी लिव-इन पार्टनर की बेरहमी से हत्या कर दी। शख्स ने मशीन से गर्लफ्रेंड के पहले कई टुकड़े किए और उसके बाद उसे कुकर में उबाल दिया। इस मामले को लेकर अब विपक्ष ने सरकार से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि मीरा रोड में महिला की हत्या मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाना चाहिए और आरोपी को मौत की सजा दिलाने की कोशिश करनी चाहिए।

क्या है पूरा मामला

दरअसल मुंबई के मीरा रोड इलाके में एक 56 साल का शख्स अपने से करीब 20 साल छोटी महिला सरस्वती वैद्य के साथ लिव-इन में रहता था। इस शख्स ने तीन-चार दिन पहले अपनी पार्टनर की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने के लिए उसने एक पेड़ काटने वाली मशीन खरीदी थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने शव के टुकड़े करने के बाद उन्हें प्रेशर कुकर में उबाला और बाद में उन्हें ठिकाने लगाने के लिए प्लास्टिक की थैलियों में भर दिया। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से महिला के शरीर के 12-13 टुकड़े बरामद किए गए हैं। पड़ोसियों को बदबू आने के बाद उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मंजर देखकर हैरान रह गई। आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

अपराधियों को कानून का नहीं डर- सुप्रिया सुले

मुंबई के सेट मीरा रोड इलाके में रहने वाले एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी, बाद में उसके शरीर को कुकर में पकाकर और मिक्सर में पीसकर उसके शरीर को ठिकाने लगाया गया। एनसीपी नेता ने कहा कि ये घटना बहुत ही वीभत्स, अमानवीय और निंदनीय है। यह वह स्थिति है जहां इस राज्य में अपराधियों को कानून का कोई भय नहीं है, महिलाओं के खिलाफ अपराध खतरनाक तरीके से बढ़ रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस से की अपील

सुप्रिया सुले ने राज्य के गृहमंत्री और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से अपील करते हुए कहा कि इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है, जांच एजेंसियों को इस मामले में आरोपी के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाने और उसे मौत की सजा देने की कोशिश करनी चाहिए। सुप्रिया सुले ने ये सब बातें ट्विटर पर लिखीं, जिसमें देवेंद्र फडणवीस और सीएम ऑफिस को टैग किया गया था।

अरविंद केजरीवाल के भाषण के दौरान लगे मोदी-मोदी के नारे

आप मुखिया हाथ जोड़कर बोले- 'बाद में कर लेना'

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएसआईपीयू) के ईस्ट दिल्ली कैंपस का उद्घाटन एलजी विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक साथ किया। लेकिन जैसे ही मंच से सीएम केजरीवाल ने बोलना शुरू किया, तभी सामने बैठे लोगों में से एक समूह से जुड़े लोग मोदी-मोदी के नारे लगाने लगे। इस घटना से अचंभित सीएम अरविंद केजरीवाल ने नारा लगाने वालों से हाथ जोड़कर अपील की कि थोड़ा रुक जाओ बाद में नारे लगा लेना। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि अगर आप

लोग ऐसे डिस्टर्ब करेंगे तो हम बात ही नहीं कर पाएंगे। अगर आइडिया पसंद न आये तो ठीक है। नहीं तो हमें पांच मिनट में अपनी बात कंप्लीट कर लेने दीजिए। उसके बाद आप लोग टिप्पणी कर लीजिएगा। बीच में टोकाटाकी करने से मैं बात नहीं कर सकता। देश के अंदर जनतंत्र है। अपनी बात कहने का सबको अधिकार है। मैं गाली गलौज नहीं कर रहा हूं। जो बोल रहा हूं वो ठीक है। आपको पसंद आए तो ठीक है, नहीं पसंद आये तो कोई बात नहीं। हालांकि, इसके बाद भी लोग शोरशराबा करते रहे। यूनिवर्सिटी प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद शोर कुछ शांत हुआ।

देश का बेस्ट कैंपस

कार्यक्रम के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज आईपी यूनिवर्सिटी ईस्ट दिल्ली कैंपस कैंपस देश को समर्पित के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह शानदार और सभी सुविधाओं से भरपूर है। यह कैंपस खूबसूरत है। यह कहना गलत नहीं होगा कि कैंपस आर्किटेक्चरल और सुविधा के लिहाज से देश को बेस्ट कैंपस है। इसके मैं पूरे देश को बधाई देता हूं क्योंकि देशभर से बच्चे यहां पढ़ने आएंगे। दिल्ली और खासकर ईस्ट दिल्ली के लोगों को बधाई देता हूं कि इस तरह के कैंपस ईस्ट दिल्ली में अभी तक नहीं थे।

श्रीनगर: हिजाब पहने छात्राओं को नहीं मिली स्कूल में एंट्री

छात्राएं बोलीं- ये अल्लाह ताला का फरमान, नहीं हटाएंगे

श्रीनगर, 8 जून (एजेंसियां)। श्रीनगर में एक प्राइवेट निजी हायर सेकेंडरी स्कूल प्रशासन ने अबाया पहनकर आने वाली महिला छात्रों को घुसने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। एक छात्रा ने कहा कि क्यों निकालूं मैं अबाया? अल्लाह ताला से ज्यादा प्यार नहीं है मुझे यहां से। मैं यहां पर अबाया (एक तरह का हिजाब होता है जोकि सिर से पेट तक का होता है। इसमें चेहरा बस ओपन होता है) नहीं निकालूंगी। छात्रा ने कहा कि वहां पर इतने सारे लड़के हैं। वो होती कौन है अबाया निकालने वाली। हमारे अल्लाह का फरमान है। हमारे हुजूर का फरमान है। हम नहीं निकालेंगे। स्कूल आने वाली कई लड़कियों ने स्कूल प्रशासन के इस आदेश का विरोध किया है। कर्नाटक हिजाब मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। यहां तक की इस मुद्दे पर राजनीति तक हो गई थी। अब जम्मू कश्मीर से मामला सामने आया है। यहां पर एक प्राइवेट हायर सेकंडरी स्कूल के प्रशासन ने अबाया पहनकर आने में रोक लगाई है। स्कूल छात्राएं जब अबाया पहनकर स्कूल आईं तो इनको प्रवेश नहीं दिया गया। एक छात्रा जिसका नाम नौशिया मुश्ताद है। वो इसी स्कूल में 12 की छात्रा है। छात्रा ने कहा कि दो-तीन दिन पहले से कहा जा रहा है कि अबाया पहनकर स्कूल नहीं आना। ये यहां पर अलाउ नहीं है। इसके बाद छात्राएं प्रिंसिपल के पास गए।

छात्राओं ने लगाए स्कूल पर आरोप

उनको बताया गया कि हम लोग अबाया के बगैर नहीं आ सकते। हम लोग बिना अबाया के कंफर्टेबल नहीं है। लड़की ने कहा कि प्रिंसिपल ने कहा कि हमको इससे कोई मतलब नहीं है। अगर इतनी ही समस्या है तो फिर कहीं और अपना एडमिशन करा लीजिए। यहां पर हम इसकी परमिशन नहीं देंगे। छात्रा ने कहा कि हमने प्रिंसिपल को बताया कि यहां पर लड़के बैठे होते हैं। वो लोग स्मोकिंग करते हैं। हम लोग उनके सामने कंफर्ट महसूस नहीं करते। छात्रा ने कहा कि हमारी कोई बात नहीं सुनी गई। दरअसल, जानकारी के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने पहले भी कई बार अबाया पहनकर आने को मना किया था। स्कूल प्रशासन का इसके पीछे तर्क ये है कि इससे स्कूल ड्रेस कोड का उल्लंघन हो रहा है।

पाकिस्तानी ड्रोन ने फिर की घुसपैठ की कोशिश, बीएसएफ ने मार गिराया

चंडीगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानी ड्रोन ने एक बार फिर सीमा पर से घुसपैठ की कोशिश की जिसे बीएसएफ के जवानों ने नाकाम कर दिया।अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन को भारतीय क्षेत्र में घुसने के बाद बीएसएफ ने मार गिराया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि एक अलग घटना में सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तरन तारन जिले में एक अन्य पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई दो किलोग्राम से अधिक हेरोइन (मादक पदार्थ) जब्त की। प्रवक्ता के मुताबिक, बुधवार रात नौ बजे बीएसएफ के जवानों ने अमृतसर में भैनी राजपुताना गांव के पास ड्रोन जैसी कुछ आवाज सुनी, जिसके बाद उन्होंने गालियां चलाईं। उन्होंने बताया कि बीएसएफ और पंजाब पुलिस द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान, उन्हें गांव के बाहरी इलाके में राजताल-भारोपाल-डोके तिराहा से सटे एक खेत में ड्रोन क्षतिग्रस्त हालत में मिला। प्रवक्ता के अनुसार, बरामद ड्रोन डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके श्रृंखला का एक 'क्वाडकॉप्टर' है। उन्होंने बताया कि ठीक उसी समय बीएसएफ जवानों ने तरन तारन में पाकिस्तान की ओर से एक ड्रोन को वान गांव के पास आते देखा और उसे रोकने की कोशिश की। प्रवक्ता के मुताबिक, कुछ देर बाद जवानों ने वान की ओर से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को देखा और उसे रुकने का इशारा किया। हालांकि, मोटरसाइकिल सवार मारी कंबोके गांव की ओर भाग गया। प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने मोटरसाइकिल का पीछा किया, लेकिन यह बाद में गांव में लावारिस मिली। प्रवक्ता ने बताया कि गांव की घेराबंदी की गई और तलाशी अभियान के दौरान एक पैकेट मिला, जिसमें से दो किलोग्राम से अधिक हेरोइन की खेप बरामद की गई। आशंका जताई जा रही है कि ड्रोन से गिराए जाने के बाद इस पैकेट को मोटरसाइकिल सवार को आपूर्ति के लिए ले जाना था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

दिल के सच्चे लोग भले ही जीवन में अकेले रह जाते हैं लेकिन ऐसे लोगों का साथ भगवान ज़रूर देते हैं

सीएस ने तेलंगाना रन को सफल बनाने के लिए किया आग्रह

12 तारीख को होने वाले रन के संदर्भ में की गई बैठक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने 10वें तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के तहत इस महीने की 12 तारीख को तेलंगाना रन आयोजित करने और इसे सफल बनाने का अनुरोध किया है। तेलंगाना रन के प्रबंधन को लेकर आज सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई।

समीक्षा बैठक में डीजीपी अंजनी कुमार समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस मौके पर सीएस शांति कुमारी ने कहा कि 2के और 4के रन मुख्य रूप से अंबेडकर प्रतिमा के पास मैदान से आयोजित किए जाएंगे और इस दौड़ में कम से कम चार हजार धावक भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि शहर के युवा, कॉलेज के छात्र, छात्र, कर्मचारी, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और पुलिस भाग लेंगे। सीएस को बड़े पैमाने पर इन रन में भाग लेना चाहिए और तेलंगाना राज्य की भावना को दर्शाने के लिए उन्हें सफल बनाना चाहिए। बैठक में जीएडी सचिव शेषाद्री, एससी विकास सचिव राहुल बोज्जा, वित्त सचिव रोनाल्ड रोज, अतिरिक्त डीजी संजय कुमार जैन, आईजी रमेश रेड्डी, अतिरिक्त सीपी विक्रम सिंह मान, सुधीर बाबू और अन्य शामिल हुए।

प्रदर्शनी मैदान में मछली प्रसादम आज से, तैयारी पूरी

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यहां नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान में सुबह 8 बजे से शुरू होने वाले मछली प्रसादम के वितरण के लिए सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। मत्स्य पालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार राज्य प्रशासन ने मछली प्रसादम के परेशानी मुक्त वितरण के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग ने मछली प्रसादम तैयार करने के लिए बत्तिनी परिवार को पर्याप्त मछलियां उपलब्ध कराई हैं, जिसके बारे में माना जाता है कि इससे अस्थमा ठीक हो जाता है।

मंत्री ने कहा कि मछली प्रसादम के त्वरित वितरण के लिए बच्चों, वृद्धों और शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष काउंटर स्थापित किए गए हैं।

शहर का बत्तिनी परिवार कई दशकों से हर साल मछली का प्रसाद बांटता आ रहा है। देश के अन्य राज्यों सहित लाखों लोग मछली प्रसादम लेने के लिए शहर आते हैं।

मछली प्रसादम के तहत यातायात में फेर-बदल

प्रदर्शनी मैदान, नामपल्ली में मछली प्रसादम के संबंध में, 8 जून को सायं 6 बजे से 10 जून को रात्रि 12 बजे तक, प्रदर्शनी मैदान के आसपास की सड़कों पर मध्यम यातायात भीड़ की उम्मीद है। यात्रियों की सुरक्षा और निर्बाध यात्रा को ध्यान में रखते हुए, मोटर चालकों को परेशानी मुक्त आवागमन सुनिश्चित करने के लिए कुछ ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। नीचे दिए गए डायवर्जन को प्रदर्शनी ग्राउंड, नामपल्ली और आसपास के जंक्शनों के आसपास जरूरत के आधार पर लागू किया जाएगा।

स्थानीय स्थिति के अनुसार एमजे मार्केट से एक्जीबिशन ग्राउंड्स की ओर आने वाले वाहनों को जरूरत के आधार पर जीपीओ एबिड्स, नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। एमजे ब्रिज और बेगम बाजार छतरी से नामपल्ली की ओर आने वाले ट्रैफिक को जरूरत के आधार पर अलास्का से दारुस्सलाम, एक मीनार की ओर मोड़ा जाएगा। पीसीआर जंक्शन से नामपल्ली की ओर आने वाले ट्रैफिक को जरूरत के आधार पर एआर पेट्रोल पंप से बीजेआर स्टेच्यू की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

नामपल्ली की तरफ से चार पहिया वाहनों से आने वाले लोगों को अपना वाहन गृहकल्प, गगन विहार और चंद्र विहार में पार्क करना चाहिए और मछली प्रसादम के लिए अजंता गेट / गेट नंबर 2 प्रदर्शनी मैदान की ओर पैदल ही जाना चाहिए, जबकि एमजे मार्केट से एम.ए.एम. गर्ल्स जूनियर कॉलेज, बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन, नामपल्ली के अलावा चार पहिया वाहनों पर आने वाले लोगों को अपने वाहन पार्क करने चाहिए।

एमजे मार्केट से बसों/वैनों में आने वाले लोगों को गांधी भवन बस स्टॉप पर उतरना चाहिए और नामपल्ली से आने वाली बसें/वैनें गृह कल्पा बस स्टॉप पर उतरेंगी और मछली प्रसादम के लिए अजंता गेट/गेट नंबर 2 प्रदर्शनी मैदान की ओर पैदल आगे बढ़ेंगी। बसों/वैनों से उतरते समय उन्हें अपना वाहन गोशामहल पुलिस स्टेडियम में खड़ा करना चाहिए।

एमजे मार्केट से दुपहिया वाहनों पर आने वाले लोगों को भीमराव बाड़ा पार्किंग एरिया में अपने वाहन पार्क करने होंगे। नामपल्ली से आने वाले दुपहिया वाहन गृह कल्पा से भाजपा कार्यालय के बीच दुपहिया वाहनों के लिए निर्धारित मुख्य सड़क के बायीं ओर पार्क करें।

एमजे मार्केट से गांधी भवन की ओर आने वाले सभी वीआईपी कार पास धारकों को प्रदर्शनी मैदान के गेट नंबर 1 की ओर बाएं मुड़ना चाहिए और सीडब्ल्यूसी गेट से वीआईपी प्रवेश द्वार की ओर जाना चाहिए और नामपल्ली से आने वाले वीआईपी कार पास धारक गांधी भवन में "यू" मोड़ लेंगे और प्रदर्शनी मैदान के गेट नंबर 1 की ओर और वीआईपी एंट्री गेट यानी सीडब्ल्यूसी गेट की ओर बाएं मुड़ें। वीआईपी वाहनों को सीडब्ल्यूसी गोदामों में वीआईपी पार्किंग क्षेत्र में पार्क किया जाएगा।

मछली प्रसादम लेने के बाद वीआईपी कारें वीआईपी गेट, सीडब्ल्यूसी गेट, आदाब होटल से बाहर निकलेंगी और बाएं मुड़कर नामपल्ली की ओर बढ़ेंगी। मछली प्रसादम के लिए आने वाले लोगों के लिए ऑटो से उतरने की व्यवस्था की गई है।

शेजान होटल के सामने, भवानी वाइन/पुराना किशोर न्यायालय और आबकारी कार्यालय। सड़क के बाईं ओर, ऑटो के लिए पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किया गया है।

सरकारी वाहन भीम राव बाड़ा, नामपल्ली, हैदराबाद में खड़े किए जाएंगे। एचएमडब्ल्यूएस के पानी के टैंकर और मछली पकड़ने वाले विभाग के वाहनों को प्रदर्शनी मैदान में मछली लाने की अनुमति अजंता गेट / गेट नंबर 2 से दी जाएगी। वैध पास के साथ खाद्य सामग्री ले जाने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं के वाहनों को अजंता गेट/गेट नंबर 2 से जाने की अनुमति होगी.

सभी नागरिकों से अनुरोध है कि उपरोक्त डायवर्जन पर ध्यान दें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाएं। किसी भी आपातकालीन कॉल के मामले में किसी भी यात्रा सहायता के लिए 9010203626 (ट्रैफिक हेल्पलाइन) पर कॉल करें।

ओरुरा चेरुवुला पंडुगा पूरे तेलंगाना में मनाया गया

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 21 दिवसीय स्थापना दिवस समारोह के तहत गुरुवार को पूरे तेलंगाना राज्य में 'ऊरूरा चेरुवला पांडुगा' मनाया गया। मंत्रियों, विधायकों, एमएलसी, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्सवों को चिह्नित करने के लिए गांव के तालाबों और अन्य जल निकायों के किनारों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। मंत्री येर्राबेल्ली दयाकर राव ने ग्रामीणों के साथ पलकुर्थी विधानसभा क्षेत्र के गंला कुंटा गांव में स्थानीय टैंक में जाल का उपयोग कर मछलियां पकड़ी।

कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने वनपर्ती जिला मुख्यालय में तीन दिवसीय मछली भोजन उत्सव का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में 20 से 30 प्रकार के मछली व्यंजन प्रदर्शित किए जाते हैं। सरकार तेलंगाना गठन दिवस समारोह के दशवार्षिक समारोह के हिस्से के रूप में 8 से 10 जून तक सभी जिला मुख्यालयों में तीन दिवसीय मछली खाद्य महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस बीच, निजामाबाद जिले के बोधन विधानसभा क्षेत्र के एडापल्ली गांव में, एमएलसी कलवाकुंतला कविता ने ओरुरा चेरुवला पांडुगा समारोह में भाग लिया।

वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने एक ट्वीट में कहा कि राज्य सरकार का प्रतिष्ठित मिशन काकतीय कार्यक्रम देश के लिए एक रोल मॉडल बन गया है और केंद्र सरकार ने भी इस योजना की नकल की और इसे अमृत सरोवर के नाम से लागू कर रही है। इस बीच, महिलाओं को बोनालू को गांव के तालाबों तक ले जाते हुए देखा गया और उन्होंने देवी गंगाम्मा की पूजा की। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए राज्य भर में गांव के तालाबों के किनारे समारोह आयोजित किए गए थे।

एल्लम्मा अम्मावारी कल्याण महोत्सव के लिए व्यापक व्यवस्था : तलसानी

मंत्री ने किया तैयारी का निरीक्षण

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन, डेयरी विकास एवं छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि इस महीने की 20 तारीख को बलकमपेट एल्लम्मा अम्मावारी कल्याण महोत्सव के आयोजन के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था की जा रही है। बलकमपेटा एल्लाम्मा मंदिर में, मंत्री ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ इस महीने की 20 तारीख को होने वाली बलकमपेटा एल्लम्मा अम्मावारी केल्याणोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। सबसे पहले नवनिर्मित मंदिर पर श्रद्धालुओं की नई कतार लगनी शुरू हुई। बाद में मंदिर में रुद्राक्ष मंडपम का निर्माण कार्य शुरू हुआ। बाद में उन्होंने देवी के दर्शन किए और विशेष पूजा की। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद सरकार हर साल मुख्यमंत्री केसीआर के आदेशानुसार अम्मावारी कल्याण के लिए तमाम इंतजाम करती रही है। बताया जा रहा है कि विभिन्न स्थानों से आने वाले लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के विभिन्न विभागों के समन्वय से व्यवस्था कर रहे हैं। पिछले साल 8 लाख भक्तों ने अम्मावारी कल्याण के दर्शन किए और इस साल यह और भी बढ़ने की उम्मीद है। इसे ध्यान में रखते हुए चाहे कितने भी करोड़ खर्च किए जाएं, मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार बिना किसी परेशानी के सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार हमारी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि 20 को अम्मावरी कल्याण और 21 को रथोत्सव में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए मजबूत बेरिकेड्स लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह मंदिर के आसपास सड़क निर्माण का काम भी किया गया है। उन्होंने कहा कि मंदिर के आसपास कहीं भी बिना लीकेज के एहतियात बरते जाएंगे. उन्होंने कहा कि जलापूर्ति में किसी तरह की दिक्कत न हो इसके इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दर्शन के लिए कतार में लगे श्रद्धालुओं को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएंगे। बताया जाता है कि अम्मा की शादी के लाइव प्रसारण की व्यवस्था की जा रही है ताकि विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु भी इसे देख सकें। उन्होंने कहा कि देवी के विवाह समारोह को देखने के लिए मंदिर के आसपास 5 एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। मंदिर के सामने दानदाताओं के सहयोग से वर्षों से नारियल, फूल और पूजा सामग्री बेचने का छोटा-मोटा धंधा चलाने वालों के लिए 34 दुकानें बनाकर बिना किसी किराए के आवंटित की गई हैं।

सर्जन बनकर ठग ने लूटा महिला का आभूषण व मोबाइल फोन

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक प्रमुख अस्पताल में काम करने वाले सर्जन के रूप में काम करने वाले एक शख्स ने गुरुवार को यहां एक महिला से उसकी सोने की चेन और मोबाइल फोन लूट लिया।

पुलिस के अनुसार, महिला सुजाता एक ट्रेन में यात्रा कर रही थी, तभी एक व्यक्ति ने उससे संपर्क किया, जिसने खुद को पंजागुट्टा में स्थित एक प्रमुख अस्पताल से जुड़े सर्जन के रूप में पेश किया।

पीड़िता ने उनकी बात पर विश्वास करते हुए उनसे अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी साझा की। कथित ठग ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद महिला को गोपालपुरम के एक लॉज में मेडिकल जांच के लिए मिलने के लिए राजी किया और बताया कि स्वास्थ्य समस्या से निपटा जा सकता है।

गोपालपुरम पुलिस ने कहा कि उस व्यक्ति की सलाह पर सुजाता सिकंदराबाद में विनायक लॉज गई जहां उसने एक कमरा बुक किया। कमरे में घुसने के बाद उसने पीड़ित महिला से अपना मोबाइल फोन और सोने की चेन अलग रखने को कहा। फिर उसने एक तोला वजन की उसकी सोने की चेन और मोबाइल फोन छीन लिया और वहां से फरार हो गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध की पहचान के लिए क्लोज सर्किट कैमरों की फीड की जांच कर रही है।

सीएम केसीआर आज मंचेरियल में करेंगे कई परियोजनाओं का शुभारंभ

मंचेरियल, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव शुक्रवार को मंडल केंद्र में औपचारिक रूप से एकीकृत जिला अधिकारी परिसर (आईडीओसी), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यालयों, चेन्नूर लिफ्ट सिंचाई योजना (सीएलआईएस) और नासपुर में मंचेरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखेंगे। मुख्यमंत्री उसी दिन विभिन्न पिछड़े समुदायों के कारीगरों और शिल्पकारों के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की योजना, भेड़ वितरण वितरण के दूसरे संस्करण और गृहलक्ष्मी योजना का भी शुभारंभ करेंगे। उनका शाम साढ़े सात बजे एक जनसभा को संबोधित करने का भी कार्यक्रम है।

नरसापुर मंडल केंद्र में आईडीओसी 55.20 करोड़ रुपये की लागत से 26.24 एकड़ भूमि पर बना है।

परिसर की दो मंजिला मुख्य इमारत 1.39 लाख वर्ग गज में बनी है। कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर के कक्ष, प्रतीक्षालय एवं सम्मेलन कक्ष भूतल पर स्थित हैं, जबकि प्रथम तल पर राज्य कक्ष एवं एक स्टाफ कक्ष है।

नकली बीज बेचने वाले दो अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ा गया

15 आरोपी गिरफ्तार, 2.11 करोड़ रुपये के बीज जब्त

वारंगल, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक बड़े ऑपरेशन में टास्कफोर्स, मडिकोंडा और एनुमामुला पुलिस ने कृषि अधिकारियों के साथ मिलकर नकली बीजों के उत्पादन और वितरण में शामिल दो कुख्यात गिरोहों से जुड़े 15 लोगों को पकड़ा है तथा तीन और आरोपी फरार हैं। पुलिस ने 2.11 करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य के नकली बीज जब्त किए हैं। वरंगल के पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अधिकारियों ने गुरुवार को सात टन अतिरिक्त बीज, नकली बीज के 9,765 पैकेट, एक मिनी लॉरी, एक कार और 21 लाख रुपये नकद सहित एक व्यापक सबूत भी जब्त किया है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान कुर्नूल, आंध्र प्रदेश के दसारी श्रीनिवास, हैदराबाद के चेदाम पांडु, मंचेरियल से कोप्पुला राजेश, चंद्रपुर, महाराष्ट्र से वडीचरला सुरेंद्र रेड्डी, बल्हारशाह से एंगुडे दिलीप,महाराष्ट्र, बोगे सत्यम, शेख अंजद, इंदुर्थी वेंकटेश, मंचेरियल से पुट्टा राजेश, हैदराबाद से चेदम वेंकटरमण, महबूबनगर से चेदम नागराजू, बापटला से सुंदर शेट्टी फणींदर, नगर कुनूल जिले से कलवा श्रीधर, कुर्नूल से ताप्ते हनुमंतु और हैदराबाद से वेमुला अरविंद रेड्डी शामिल हैं।

आयुक्त ने कहा कि मामले में तीन और आरोपियों- शिवा रेड्डी, भास्कर रेड्डी और गम्पा सदाशी- को नकली बीजों के वितरण से संबंधित अवैध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पकड़ने के लिए हमारी टीमें काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी, दसारी श्रीनिवास और भास्कर रेड्डी, किसानों से काफी कम कीमतों पर बीज खरीदते थे, और उन्हें कर्नाटक में संचालित बीज कंपनियों को भेजते थे। कपास की प्रतिबंधित किस्मों (बीजी 3 और एचटी) को विशेष रूप से शाकनाशियों के प्रतिरोध और निराई की न्यूनतम आवश्यकता के लिए चुना गया था। उन्होंने कहा कि गिरोह प्रसिद्ध बीज कंपनियों के ब्रांड नाम के तहत इन बीजों को धोखे से पैकेज करते और बेचते थे, जो उन किसानों को आकर्षित करते थे जो अधिक कीमत देने को तैयार थे।

क्यूआर कोड, बीज तैयार करने की जानकारी, समाप्ति तिथि और मूल नर्मदासागर कंपनी के समान सीरियल नंबर के साथ नकली बीज पैकेट, आरोपी व्यक्तियों के सहयोग से तेलंगाना के विभिन्न जिलों में वितरित किए गए थे। चेदम पांडु, एक गिरोह का मुख्य संदिग्ध, सरकार द्वारा स्वीकृत ऋषि और श्री गणेश बीज प्रसंस्करण कंपनी से जुड़ा है। पुलिस ने कहा कि इस संबद्धता के माध्यम से, उसने गुजरात से नर्मदासागर कंपनी के बीजों का अधिग्रहण किया और उन्हें तेलंगाना के विभिन्न जिलों में उप-बिक्री लाइसेंसधारी के रूप में पुनर्वितरित किया।

सफल ऑपरेशन दो टीमों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है, जिसमें टास्कफोर्स, मडिकोंडा, एनुमामुला पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारी शामिल थे। टास्कफोर्स एसीपी डॉ. एम. जितेंद्र रेड्डी, इंस्पेक्टर श्रीनिवास राव, के. जनार्दन रेड्डी, अल्लम रामबाबू, एस श्रीनिवास, वेणु, महेंद्र और अन्य कर्मचारियों को सीपी ने बधाई दी।

एसीबी ने थोरूर के सहायक श्रम अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

महबूबाबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। थोरूर के एक सहायक श्रम अधिकारी, पोलम सुमति, (57) को गुरुवार को वरंगल के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने रिश्वत लेते हुए पकड़ा। एसीबी के एक प्रेस नोट में कहा गया है कि बाबोजी थांडा के धर्मसोत वेंकन्ना की शिकायत के बाद थोरूर शहर में सहायक श्रम अधिकारी के कार्यालय में गिरफ्तारी हुई। सुमति ने लेबर कार्ड जारी करने में तेजी लाने और वेंकन्ना के मृत बेटे धर्मसोत नरेश के लिए एक लाख रुपये की राशि के मृत्यु लाभ की मंजूरी की सुविधा के लिए वेंकन्ना से 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग और स्वीकार की थी। गिरफ्तारी के दौरान एसीबी अधिकारियों ने सुमति से रिश्वत की रकम बरामद की। उसे हैदराबाद में एसपीई और एसीबी मामलों के पहले अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

विभागीय टेस्ट परीक्षाएं 15 से 24 जून तक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग ने उम्मीदवारों को सूचित किया है कि मई 2023 सत्र की विभागीय परीक्षा परीक्षाएं 15 से 24 जून तक सीबीटी मोड पर सर्वेक्षण और भाषा परीक्षा को छोड़कर वस्तुनिष्ठ परीक्षा के लिए निर्धारित हैं, जो कि नौ जिला प्रमुखों में आयोजित की जाने वाली वर्णनात्मक परीक्षा है। हैदराबाद सहित राज्य के तिमाहियों को एचएमडीए अधिकार क्षेत्र के तहत रंगा रेड्डी के साथ जोड़ा गया।

उम्मीदवार 9 जून को शाम 5 बजे से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट 'www.tspsc.gov.in' से हॉल टिकट डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी गई कि वे भविष्य की जरूरत के लिए हॉल टिकट को सावधानी से संभाल कर रखें क्योंकि डुप्लीकेट हॉल टिकट जारी नहीं किया जाएगा। हॉल टिकट डाउनलोड करने में कठिनाई का सामना करने वाले उम्मीदवार हेल्प डेस्क (040-22445566) पर संपर्क कर सकते हैं।

नगरद्वय में 345 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे हैं टैंक : मंत्री

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार ने 345 करोड़ रुपये की लागत से जुड़वां शहरों में स्थित टैंकों के विकास का काम शुरू किया है।

गुरुवार को यहां लोटस पॉन्ड टैंक, जुबली हिल्स में राज्य स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में "ओरूरा चेरुवुला पांडुगा" कार्यक्रम शुरू करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जीएचएमसी, एचएमडीए, सिंचाई और राजस्व विभागों के सहयोग से प्रयास किए जा रहे हैं। जुड़वां शहरों में सभी जल निकायों की रक्षा के लिए बनाया गया था और सभी सुविधाएं प्रदान करके टैंक विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, राज्य सरकार ने पूरे राज्य में अव्यवहृत जल निकायों और तालाबों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से एक प्रतिष्ठित मिशन काकतीय कार्यक्रम शुरू किया है और इस कार्यक्रम ने तेलंगाना में जीवन में नया परिवर्तन लाया है।

उन्होंने कहा कि 345.81 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ, राज्य सरकार ने जुड़वा शहरों में पानी की टंकियों के पुनरुद्धार और विकास के लिए 355 कार्य किए हैं, जिनमें से 191 कार्य पूरे हो चुके हैं और 144 कार्य अब विभिन्न चरणों में हैं। इस अवसर पर खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र, जीएचएमसी की मेयर गदवाला विजया लक्ष्मी और अन्य नेता उपस्थित थे।

इंटर छात्रा ने जीवन लीला समाप्त कर ली

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कुलसुमपुरा में बुधवार रात एक इंटरमीडिएट की छात्रा ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार कुलसुमपुरा थाना क्षेत्र के भरतनगर निवासी किशोरी नव्या (17) अपने माता-पिता के साथ रहती थी। बुधवार की रात किशोरी ने घर के एक कमरे में जाकर फांसी लगा ली। कुलसुमपुरा इंस्पेक्टर, टी. अशोक कुमार ने कहा कि नव्या के माता-पिता ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह कुछ मानसिक समस्याओं का सामना कर रही थी और हो सकता है कि उसने अपना जीवन समाप्त कर लिया हो। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया जहां पोस्टमार्टम किया गया और शव परिवार के सदस्यों को वापस सौंप दिया गया।

गायों को रखना, परिवहन करना अपराध नहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 8 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य में गायों को रखना और उनका परिवहन उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम, 1955 के तहत अपराध नहीं है। यह टिप्पणी करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम डी। चौहान ने कुशीनगर जिले के कुंदन यादव को जमानत दे दी। अदालत यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्हें एक वाहन में छह गायों के साथ गिरफ्तार किया गया था और लगभग तीन महीने तक जेल में रखा गया था। यादव पर यूपी गोहत्या अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। कुंदन यादव की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए, अदालत ने कहा, केवल जीवित गाय/बैल को रखना गौहत्या अधिनियम के तहत अपराध करने के समान नहीं हो सकता है। इसके अलावा प्रदेश के भीतर गाय को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना उक्त अधिनियम के तहत अपराध नहीं है। एक वाहन से छह गाय बरामद होने के बाद प्रार्थी कुंदन यादव के खिलाफ कुशीनगर के पाथेरदेवा थाने में उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

युवती का नहाते समय अश्लील वीडियो बनाया ब्लैकमेल कर किया दुष्कर्म, दो पर केस दर्ज

फिरोजाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। जनपद में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि उसके परिचित रिश्तेदार युवक ने उसका नहाते समय अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी। साथ ही ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।घटना सिरसागंज थाना क्षेत्र एक गांव की है। पीड़िता के परिजनों द्वारा सिरसागंज कोतवाली में दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, संजय नामक एक युवक जोकि उनका रिश्तेदार लगता है, उसका घर आना-जाना है। इस युवक ने धोखे से एक युवती का नहाते समय वीडियो बना लिया और उस वीडियो के जरिए युवती को ब्लैकमेल कर उसके साथ शारीरक संबंध बनाकर दुष्कर्म किया। यही नहीं संजय इटावा में रहने वाले अपने रिश्तेदार सचिन नामक युवक को लेकर पीड़िता के घर आया और पीड़िता पर उसके साथ भी संबंध बनाने का दवाब डाला। पीड़िता ने परिजनों को मामले की जानकारी दी।

51 पुड़िया हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार, दूसरा तस्कर फरार

कैमूर, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर में 51 पुड़िया हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार हुआ है। मोहनिया शहर के वार्ड 6 से उसके पकड़ा गया है। हालांकि इस दौरान दूसरा तस्कर भागने में सफल रहा। डीएसपी फैज अहमद खान ने बताया कि यह कार्रवाई मोहनिया शहर के वार्ड 6 में गुप्त सूचना के आधार पर की गई। इस दौरान पुलिस ने छापेमारी कर 51 पुड़िया हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार हो गया।

मनेर में पूर्व पंचायत समिति सदस्य की गोली मारकर हत्या, समर्थकों में आक्रोश

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार में बेखौफ अपराधी आए दिन हत्या, लूट और डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देने में जुटे हुए हैं। इस तरह से वो पुलिस को खुली चुनौती देते दिखाई दे रहे हैं। इस बार भी राजधानी पटना से सटे मनेर थाना इलाके में एक बार फिर बदमाशों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए पूर्व पंचायत समिति सदस्य को गोलियों से भून डाला। इस घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मनेर थानाक्षेत्र के ब्रह्मचारी गांव के पास देर रात बाइक सवार अपराधियों ने पूर्व पंचायत समिति सदस्य अरुण कुमार यादव पर हमला किया। बताया जा रहा है कि ब्रह्मचारी के पकड़ा निवासी और पूर्व पंचायत समिति सदस्य अरुण कुमार यादव ब्रह्मचारी मोड़ के पास किसी काम से खड़े थे। इसी बीच बाइक पर सवार दो की संख्या में आए अपराधियों ने अरुण पर लागातार फायरिंग कर दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

महागठबंधन में सीट के लिए तकरार, इधर बीजेपी का भी बढ़ रहा कुनबा

कुशवाहा-मांझी-सहनी साथ आए तो क्या होगा शीट शेयरिंग फार्मूला

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारी राजनीतिक दलों ने शुरू कर दी है। बिहार में तो इसको लेकर बीजेपी विरोधी दलों का सबसे बड़ा महाजुटान होने वाला है। इधर, बीजेपी भी बिहार में एक्टिव प्लस मोड में है। बीजेपी जहां खुलकर हिन्दुत्व का कार्ड खेल रही है तो वहीं महागठबंधन के जातीय कार्ड का जवाब देने के लिए भी तैयार है। बीजेपी चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा को पहले ही पाले में ला चुकी है। अब उसकी नजर मुकेश सहनी और जीतन राम मांझी पर है। दरअसल, जीतन राम मांझी ने महागठबंधन में पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। मांझी ने मांग नहीं माने जाने पर और भी राजनीतिक विकल्प हैं, ये भी इशारों में बता दिया है। पिछले दिनों जीतन राम मांझी ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी। इसके बाद से मांझी के सुर बदल गए हैं। नीतीश का साथ नहीं छोड़ने की कसम खाने वाले मांझी ने कहा कि राजनीतिक वादे तोड़े भी जा सकते हैं।

चुनाव से पहले बढ़ सकता है बीजेपी का कुनबा

जीतन राम मांझी के ऐलान के बाद महागठबंधन में हल-चल है। हल-चल भले ही न सही, लेकिन इधर बिहार एनडीए में भी सीट शेयरिंग को लेकर सुगबुगाहट है। बिहार एनडीए में अभी घोषित रूप से पशुपति पारस गुट की एलजेपी ही है, लेकिन चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा का आना भी तय माना जा रहा है। मुकेश सहनी ने भी बीजेपी के साथ आने के संकेत दिए हैं। मांझी को पाले में लाने की भी तैयारी हो रही है। ये सभी पार्टी अगर साथ आती हैं तो बिहार में बीजेपी का भी कुनबा बड़ा हो जाएगा, तब बीजेपी सीटों की शेयरिंग कैसे करेगी?। कहा जा रहा है कि बीजेपी बिहार में 30 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। नाम नहीं बताने की शर्त पर बीजेपी के एक नेता ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 40 सीटों के शेयरिंग का गणित भी बताया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी 30 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती। बाकी 10 सीट वह सहयोगियों के साथ शेयर करेगी। इसमें एलजेपी के दोनों गुट को चार सीट, दो सीट मुकेश सहनी और दो सीट उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को दी जा सकती है। जीतन राम मांझी एनडीए के साथ आते हैं तो उनकी पार्टी को भी दो सीट दी जा सकती है। मांझी के साथ नहीं आने की सूरत में वो दो सीट एलजेपी के खाते में जाएगी।

4 सीट देकर एलजेपी को साधना मुश्किल

इस गणित में अगर जरा भी सच्चाई है, तब सवाल उठता है कि पिछले चुनाव में छह सीटों पर चुनाव लड़कर सभी सीटें जीतने वाली एलजेपी चार सीट पर राजी क्यों होगी? वो भी तब जब चाचा-भतीजा आमने-सामने हैं। महागठबंधन में पांच की डिमांड कर रहे मांझी दो पर मान जाएंगे। बिहार के वरिष्ठ पत्रकार डॉ संजय कुमार कहते हैं कि बीजेपी बिहार में जिस महागठबंधन से लड़ाई लड़ रही है, उसका असर पश्चिम बंगाल, झारखंड और यूपी पर भी पड़ेगा। इसलिए ये कहना कि बीजेपी इतने ही सीटों पर चुनाव लड़ेगी और इतनी ही सीट सहयोगियों के लिए छोड़ेगी, यह थोड़ी जल्दबाजी होगी।

सीट से ज्यादा सहयोगी अहम

बीजेपी का जोड़ इस बात पर होगा कि महागठबंधन को शिकस्त देने के लिए सहयोगी साथ रहें, ताकि जातीय आधार पर मजबूत नजर आ रहे महागठबंधन को टक्कर दी जा सके। इसलिए बीजेपी 10 नहीं 10 से ज्यादा सीट भी सहयोगियों के लिए छोड़ सकती है। पार्टी सुरक्षित सीट चिराग, पारस और मांझी अगर साथ आते हैं तो उन्हें बाटकर इन सीटों पर दलित चेहरे को आगे बढ़ाएगी। सहनी और कुशवाहा के साथ सम्मानजनक समझौता कर उन्हें साथ रखना चाहेगी। इसलिए जरूरी नहीं है कि बीजेपी 30 सीट पर चुनाव लड़े, वह भी तब उसका कुनबा बड़ा हो रहा है।

पार हुई हैवानियत की हदें

8 लड़कों ने नाबालिग से की दरिंदगी, बचाने आए रिश्तेदार को भी कर दिया लहूलुहान

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार के बगहा से एक शर्मनाक घटना सामने आई है यहाँ एक नाबालिग लड़की के साथ 8 युवकों ने सामूहिक बलात्कार की वारदात को अंजाम दिया। कहा जा रहा है कि नाबालिग रात के वक़्त अपने रिश्तेदार के साथ शादी कार्यक्रम के साथ लौट रही थी। इस के चलते रिश्तेदार नहर के पास शौच करने चला गया। तभी अचानक कुछ लड़के वहां आ गए तथा लड़की के साथ जोर जबरदस्ती करने लगे। वही लड़की के चीखने की आवाज सुनकर रिश्तेदार आया तथा उन युवकों से भिड़ गया। सभी ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। गंभीर हालत में चोटिल रिश्तेदार गांव लोगों को बुलाने पहुंचा। तब तक अपराधियों ने नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार कर डाला। घटना की खबर प्राप्त होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तहकीकात आरम्भ की। वही इस मामले पर एसडीपीओ नंद प्रसाद ने बताया कि लौकरियां थाना के थानाध्यक्ष को सामूहिक बलात्कार मामले की खबर प्राप्त हुई थी। उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी 8 अपराधियों को गिरफ्त में ले लिया। मामले की तहकीकात की जा रही है। सभी अपराधी शख्स गांव के ही रहने वाले हैं। पीड़िता को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अपराधियों के नाम चंदन महतो, जीवन शर्मा, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, सरदार महतो, कांतिलाल महतो, मुन्ना महतो एवं रवींद्र महतो हैं। इन सबकी आयु 19-24 साल के बीच है। रामनगर एसडीपीओ नंदजी प्रसाद एवं लौकरिया थानाध्यक्ष अभय कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की पड़ताल की। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

ट्रॉमा सेंटर में बच्ची से मिले मुख्यमंत्री योगी फायरिंग के दौरान हो गई थी घायल

लखनऊ, 8 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने फायरिंग के दौरान घायल हुई बच्ची से मुलाकात की।। डेढ़ साल की बच्ची एससी-एसटी कोर्ट रूम में हुए हत्याकांड के दौरान घायल हो गई थी। हमले में पुलिसकर्मी कमलेश व लाल मोहम्मद भी घायल हो गए थे। दोनों के पैर में गोली लगी थी। मुख्यमंत्री उनसे भी मुलाकात करेंगे। बुधवार शाम को पुलिस हिरासत में लखनऊ के एससी-एसटी कोर्ट रूम में कुख्यात अपराधी संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की हत्या कर दी गई थी। हमलावर वकील के लिबास में पहुंचा था। उसने कोर्ट रूम में ही रिवॉल्वर से ताबड़तोड़ छह राउंड फायरिंग की थी। फायरिंग के दौरान डेढ़ साल की बच्ची और उसकी मां को भी गोली लगी थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट: जीवा को लगीं छह गोलियां

डॉक्टरों के पैनल ने देर रात जीवा का पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट के मुताबिकत उसके शरीर में छह गोलियां लगीं। सभी गोलियां पीठ पर बाईं तरफ से मारी गईं। सभी आसपास ही लगीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है है कि विजय खतरनाक शार्प शूटर है। आशंका यह भी है कि जब गोलियां मारी गई तो जीवा ने अपना दायां हाथ पीठ की तरफ कर दिया था। इसलिए उस हाथ की अंगुलियों को गोली छूते हुए निकली। इसके अलावा जो गोलियां बच्ची, उसकी मां व दो पुलिसकर्मियों को लगी, आशंका है कि जीवा को आरपास होने के बाद लगीं।

पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत का विवादित बयान, कहा

'नाथूराम देश भक्त थे, उनकी देशभक्ति पर संदेह नहीं

बलिया, 8 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत बीते कुछ दिनों से यूपी के दौरे पर हैं। इस दौरान पूर्व सीएम और बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य बलिया पहुंचे। बलिया में पूर्व मुख्यमंत्री ने एक विवादित बयान दिया है। उनके इस बयान के बाद राज्य में फिर से सियासी पारा हाई हो सकता है। यूपी के बलिया में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य त्रिवेंद्र सिंह रावत ने यहां मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री से सवाल किया गया कि राहुल गांधी विदेश में जाकर कहते है कि हमारी कांग्रेस पार्टी गांधीवादी नीति पर चलती है, लेकिन बीजेपी गोडसे वाली राजनीति अपना कर चलती है? इसपर त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जवाब देते हुओ कहा, 'नाथूराम गोडसे देशभक्त थे, उनकी देशभक्ति पर संदेह नहीं किया जा सकता है।' पूर्व सीएम ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर जमकर जुबानी हमला बोला। इसके बाद कहा, नाथूराम देश भक्त थे, उनकी देशभक्ति पर संदेह नहीं किया जा सकता है। लेकिन राहुल गांधी कौन सा गांधीवाद पर चल रहे हैं? गांधी जी ने तो स्वदेशी की बात करी। लेकिन ये कौन सी स्वदेशी की बात कर रहे हैं? ये जनेऊ कोट के बाहर लटका कर गांधीवादी बनना चाहते हैं तो उसको जनता समझती है।

ओवरब्रिज के पिलर और स्लैब के बीच फंसा बच्चा

ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर पहुंची एसडीआरएफ टीम, रेस्क्यू जारी

रोहतास, 8 जून (एजेंसियां)। सोन नदी के ऊपर बने नसरीगंज-दाऊदनगर पुल के एक नंबर पिलर और स्लैब के बीच फंसे 11 वर्षीय बच्चे को 24 घंटे बाद भी नहीं निकाला जा सका है। गैप से बच्चे का हाथ दिख रहा है और रुक-रुक कर रोने की आवाज भी सुनाई दे रही है। शाम से शुरू हुआ बचाव कार्य से बच्चे को नहीं निकाला जा सका है। गुरुवार सुबह फिर से बच्चे को रेस्क्यू करने की कोशिश की जा रही है। एसडीआरएफ की टीम ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ मौके पर पहुंची है। पुल को ऊपर से तोड़कर बच्चे तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस घटना के बाद नासरीगंज इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।

क्या है मामला

घटना के संबंध में थानाध्यक्ष सुधीर कुमार का कहना है कि बच्चा दो दिन से लापता था। परिजनों के द्वारा बच्चे की खोजबीन की जा रही थी, तभी रास्ते से गुजर रही एक महिला ने बच्चे के रोने की आवाज सुन लोगों को सूचना दी गई। जिसके बाद घटनास्थल पर टीम पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। फिलहाल बच्चे को नहीं निकाला जा सका है।

सकुशल बाहर निकलने की राह देख रहे है बच्चा के पिता

जिंदगी और मौत से लड़ रहे 11 वर्षीय बच्चा खिरिआवं गांव निवासी शत्रुध्न प्रसाद उर्फ भोला का पुत्र रंजन कुमार है। वह पिछले दो दिन से लापता था। बच्चा मानसिक रूप से कमजोर है। परिजन लगातार इधर-उधर उसकी तलाश कर रहे थे। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने रस्सी और सीढ़ी के सहारे बच्चे तक पहुंचने की कोशिश की लेकिन वेलोग असफल रहे।

रेस्क्यू टीम के साथ पदाधिकारी और पुलिसबल हैं मौजूद

घटनास्थल पर नसरीगंज बीडीओ मो। जफ़र इमाम, सीओ अमित कुमार, थानाध्यक्ष सुधीर कुमार, समेत भारी संख्या में पुलिस बल व ग्रामीण उपस्थित है। एसडीएम उपेंद्र पाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और अधिकारियों को शीघ्र रेस्क्यू करने का निर्देश दिया है। पुल के पाया के अंदर 24 घण्टे से फंसे बालक को कुछ भी होने की आशंका जताई जा रही है।

मुंगेरीलाल के सपने देखना बंद करे विपक्ष

मंत्री नितिन अग्रवाल का विपक्षी दलों पर जुबानी हमला

हरदोई, 8 जून (एजेंसियां)। हरदोई के कछौना पहुंचे आबकारी राज्य मंत्री नितिन अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी और विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष मुंगेरीलाल के सपने देखना बंद करे और भूल जाए कि सत्ता मिलनेवाली है। प्रदेश की जनता का भरोसा मोदी और योगी पर है। नितिन अग्रवाल एसएमडी पटेल महाविद्यालय में मिश्रिख लोकसभा के व्यापारी वर्ग सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। नितिन अग्रवाल ने कहा कि व्यापारी सरकार को टैक्स देते हैं। अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी व्यापारी हैं। व्यापारी सरकार से सुरक्षा और संरक्षण चाहते हैं।

'बीजेपी शासन में व्यापारी रंगबाजी के साथ कर रहे व्यापार'

मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में व्यापारी सुरक्षित और संरक्षित हैं। समाजवादी पार्टी और अन्य दलों की सरकारों में व्यापारियों से रंगदारी वसूली जाती थी। मुकदमे दर्ज कर व्यापारियों को जेल भेजा जाता था। लेकिन बीजेपी की सुशासन वाली सरकार में अब व्यापारी रंगबाजी के साथ व्यापार कर रहा है। अखिलेश यादव के बयान पर भी उन्होंने पलटवार किया। मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि संविधान समझने की जरूरत अखिलेश से नहीं है। उन्होंने असंवैधानिक तरीके से सरकार चलाई है। जनता जानती है कि बीजेपी की सरकार कल्याणकारी योजनाओं के साथ चल रही है। जनता की सेवा के लिए सरकार काम कर रही है। बीजेपी सरकार ने कानून व्यवस्था को मजबूत किया।

अरविंद केजरीवाल- अखिलेश यादव की मुलाकात पर तंज

जनता का भरोसा मोदी और योगी ने जीता है। बता दें कि अखिलेश यादव ने कहा था कि सरकार संविधान और कानून से नहीं चल रही है। 2014 में बीजेपी की सरकार बनाने में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका थी और 2024 में उत्तर प्रदेश की जनता बीजेपी सरकार को सत्ता से बेदखल करेगी। अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव की मुलाकात पर भी नितिन अग्रवाल ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि विपक्ष मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखना छोड़ दे। विपक्ष सत्ता में आने के सपने को भूल जाए। लूट के तंत्र को प्रदेश की जनता ने देखा है। आज विपक्ष एकजुट हो रहा है। रीजनल पार्टी एकजुट हो रही हैं। मोदी के डर से विपक्ष एकजुट हो रहा है। एक होकर मोदी को विपक्ष हटाना चाह रहा है। सम्मेलन को सांसद अशोक रावत, एमएलसी अशोक अग्रवाल और विधायक रामपाल वर्मा ने भी संबोधित किया।

सिख धर्म में मूर्ति पूजा नहीं

पटना के मॉल में गुरु गोबिंद सिंह की प्रतिमा पर एसजीपीसी ने जताया विरोध, मांगी जांच रिपोर्ट

पटना, 8 जून (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना के एक मॉल में सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह की प्रतिमा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। देश में सिखों की बड़ी संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने इसे लेकर विरोध जताया। एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने इसकी निंदा करते हुए इसे सिख पंथ के सिद्धांतों के खिलाफ बताया। फिलहाल, विवाद के बाद अब प्रतिमा को मॉल से हटा लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मॉल में गुरु की मूर्ति लगाए जाने की जानकारी मिलने के बाद पटना साहिब प्रबंधक कमेटी के सदस्य मॉल में पहुंचे और मूर्ति हटाने को कहा। इसके बाद मॉल प्रबंधन ने माफी मांगते हुए प्रतिमा को हटा दिया। प्रतिमा को पटना साहिब गुरुद्वारा भेज दिया गया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने भी इस मामले में एतराज जताया है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, हरजिंदर सिंह धामी ने एक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि पटना साहिब के अंबुजा मॉल में सिख गुरु दशम सिख गुरु श्री गोबिंद सिंह की प्रतिमा स्थापित करना सिख सिद्धांतों के खिलाफ है। सिख धर्म में मूर्ति पूजा का कोई स्थान नहीं है। हरजिंदर सिंह धामी ने कहा है कि दशम सिख गुरु की मूर्ति लगाने से सिखों की भावना को ठेस पहुंची है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में जांच रिपोर्ट मांगी जाएगी। धामी ने कहा, सिख सिद्धांतों के खिलाफ काम करके किसी को भी सिखों की धार्मिक भावना को आहत करने का अधिकार नहीं है। एसजीपीसी अध्यक्ष ने कहा, तख्त श्री हरमंदर जी पटना साहिब को पूरे मामले की जांच करनी चाहिए और इसकी रिपोर्ट एसजीपीसी को भेजें ताकि ऐसा करने वालों से जवाब मांगा जा सके। यह मामला शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल के ट्वीट के बाद सुर्खियों में आया था, जिसमें उन्होंने प्रतिमा के लेकर नाराजगी जताई थी और कहा कि महान गुरुओं ने सर्वोच्च सत्ता की निरंकार प्रवृत्ति की बात की है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का दावा- 'अखिलेश यादव को माफ नहीं करेंगे राम भक्त'

बांदा, 8 जून (एजेंसियां)। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के नैमिषारण्य में प्रशिक्षण शिविर को लेकर हमला किया है। बांदा में बीजेपी के प्रबुद्ध सम्मेलन में पाठक ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा, सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, जिन्होंने राम भक्तों पर गोली चलाने का काम किया है उन्हें राम भक्त और भगवान कभी माफ नहीं करेंगे। ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि गांधी जी ने आजाद भारत की परिकल्पना की थी, कांग्रेस ने उनका नाम तो लिया, लेकिन उनके उसूलों को लागू नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। 2024 में भी मोदी के नेतृत्व में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी।

समाजवादी पार्टी पर कसा तंज

बांदा में मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने विरोधी दलों पर जमकर हमला किया। उनके निशाने पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी रहीं। पाठक ने अखिलेश यादव के नैमिषारण्य दौरे पर चुटकी लेते हुए कहा, 'सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, जब सपा की सरकार थी तब अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चला कर रक्त बहाने का काम सपा ने किया था, आप नैमिषारण्य ही नहीं, कहीं भी चले जाइए आपको राम भक्त और भगवान राम कभी माफ नहीं करेंगे। हत्यारों को पनाह देने का काम हमारी संस्कृति नहीं करती।'

कांग्रेस पर भी साधा निशाना

ब्रजेश पाठक ने कहा, इन 9 वर्षों में देश और दुनिया में भारत तेजी के साथ बदला है। 2014 से पहले भारत की छवि दुनिया के पैमाने में भ्रष्टाचार करने वाले देश की सूची में बहुत तेजी के साथ ऊपर जा रही थी। भारत माता का दामन दागदार करने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के तमाम राष्ट्रों का दौरा किया और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जो अधूरे काम थे उनको पूरा करने के साथ ही गरीब कल्याण के लिए तमाम योजनाएं देश में चलाई। डिप्टी सीएम ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी योजना जल जीवन मिशन की शुरुआत की।

जिसके माध्यम से हर घर तक शुद्ध जल लोगों को पहुंच रहा है, इसमें खासकर बुंदेलखंड के लोगों को प्रधानमंत्री जी ने प्राथमिकता दी है। कांग्रेस पार्टी के नेता कहते थे कि हम 1 रुपये भेजते हैं तो नीचे जाकर 15 पैसे पहुंचते हैं, लेकिन मोदी सरकार में सीधे किसानों के खातों में पूरा पैसा पहुंच रहा है। उन्होंने कहा सपा की सरकार के समय माफियाओं के हौसले बुलंद थे, लेकिन हमारी सरकार ने ऑर्गेनाइज क्रिमिनल के नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम किया है। आज प्रदेश में एक भी माफिया गिरोह सक्रिय नहीं है या तो वह जेल में है या फिर प्रदेश के बाहर है।

आजम खान हेट स्पीच मामले में गवाही पूरी, 22 जून को दोनों पक्षों में फाइनल बहस

कानपुर, 8 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के बड़े नेता आजम खान से संबंधित हेट स्पीच मामले में अब 22 जून को फाइन बहस होनी है। इस मामले में सफाई साक्ष्य के तहत गवाहों की गवाही पूरी हो गए हैं। अब 22 जून को कोर्ट में दोनों पक्षों की ओर से फाइनल बहस की जाएगी। ये मामला साल 2019 का है जब लोकसभा चुनाव के दौरान शहजाद नगर थाना क्षेत्र के धमोरा में आजम खान पर हेट स्पीच देने का आरोप लगा था। दरअसल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान सपा नेता आजम खान द्वारा रामपुर के थाना शहजाद नगर क्षेत्र के धमोरा में हुई जनसभा में हेट स्पीच देने का आरोप है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री को कातिल बताते हुए और तत्कालीन जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों के विरुद्ध बयान दिया था। इस मामले में बुधवार को रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट में आजम खान की तरफ से सफाई साक्ष्य के तहत अंतिम गवाह केतकी गंगवार की गवाही होनी थी, लेकिन उनके अधिवक्ता द्वारा गवाह को पेश न करने का प्रार्थना पत्र कोर्ट ने स्वीकार किया। इस मामले में फाइनल बहस के लिए 22 जून की तारीख मुकर्रर कर दी है।

आप सांसद राघव चड्ढा को कोर्ट से राहत, सरकारी बंगले का आवंटन रद्द होने पर लगी रोक

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को अपने सरकारी बंगले के आवंटन को रद्द किए जाने के फैसले के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट पहुंचे। अदालत से उन्हें फौरन राहत मिल गई है। दरअसल, राघव चड्ढा ने सरकारी बंगले के आवंटन को रद्द करने के फैसले को पटियाला हाउस कोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार द्वेष भावना से कार्रवाई कर रही है। बीजेपी ने द्वेष भावना के तहत बंगाल के आवंटन को रद्द करने का फैसला किया। राघव चड्ढा के बंगले के आवंटन को रद्द करने का नोटिस राज्यसभा सचिवालय की तरफ से जारी किया गया था। फिलहाल पटियाला हाउस कोर्ट ने राज्यसभा सचिवालय को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में कहा गया है कि वह अपने नोटिस पर रोक लगाए। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक आप सांसद के बंगला खाली करने के नोटिस पर रोक लगा दी है। राघव चड्ढा को जो बंगला आवंटित किया गया

था, वह पंडारा रोड पर मौजूद है, जिसका नंबर एबी5 है। पटियाला हाउस कोर्ट ने कहा कि राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी अपने आदेश पर तब तक कोई कार्रवाई नहीं करे, जब तक इस मामले पर अगली सुनवाई नहीं हो जाती है।

आप सांसद ने अदालत से क्या कहा?

एक जून को राघव चड्ढा ने अदालत में जवाब दायर किया। इसमें उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि उन्हें राज्यसभा अध्यक्ष द्वारा प्रक्रिया के अनुसार वैध रूप से बंगला आवंटित किया गया था। वह नवीनीकरण के बाद टाइप 7 बंगले में चले गए थे और आवंटन पत्र में ही परिस्थितियों को शामिल किया गया था। आप सांसद ने आवंटन रद्द करने वाले पत्र को मनमाना बताया है। पटियाला हाउस कोर्ट में 10 जून को मामले की अगली सुनवाई होनी है।

ऊपरी अदालत में दी जाएगी फैसले को चुनौती

वहीं, राज्यसभा सचिवालय ने पटियाला हाउस कोर्ट के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने का फैसला किया है। राज्यसभा की आवास समिति के अध्यक्ष सीएम रमेश ने कहा कि राघव चड्ढा को जो घर मिला है, उसके लिए वह योग्य नहीं हैं। उन्हें टाइप-वी आवास दिया जाना था, लेकिन उन्हें टाइप-वीआईआई आवास मिला। इस वजह से उन्हें आवास खाली करने का नोटिस दिया गया। सीएम रमेश का कहना है कि बिना आवास समिति या राज्यसभा सचिवालय का पक्ष जाने नोटिस पर रोक लगाई गई है। इसलिए निर्णय लिया गया है कि इसे ऊपरी अदालत में चुनौती दी जाएगी। रमेश के अनुसार सिर्फ राघव चड्ढा ही नहीं, बल्कि बीजेपी के सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल का आवास भी बदला गया है।

मनमाने ढंग से रद्द किया गया बंगला

दरअसल, राघव चड्ढा को सबसे पहले टाइप-वीआईआई का बंगला आवंटित हुआ था। टाइप-वीआईआई बंगला आमतौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल या मुख्यमंत्री को दिया जाता है। हालांकि, इसे रद्द कर दिया गया और फिर उन्हें टाइप-वीआई का बंगला आवंटित किया गया। फिर टाइप-वीआई के बंगले के आवंटन को भी रद्द कर दिया गया था। राघव चड्ढा ने दलील देते हुए कहा है कि वह उनको आवंटित आवास की श्रेणी के हकदार हैं। सांसद ने याचिका में तर्क दिया कि उनको आवंटित आवास को मनमाने ढंग से रद्द कर दिया गया। इस संबंधित अथॉरिटी ने बिना कोई कारण और औचित्य बताए आवास का आवंटन रद्द किया।

जिन हाथों में पत्नी के नाम की मेहंदी रचाई उन्हीं से कत्ल 17 दिन पहले हुई थी शादी

इंदौर, 8 जून (एजेंसियां)। 21 मई 2023 को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के धार नाका में रहने वाले विक्रम (विक्की) और अंजलि की शादी हुई थी। दोनों की शादी को हुए 17 दिन ही बीते थे। 7 जून को विक्की ने अंजलि की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। जिन हाथों में विक्की ने अंजलि के नाम की मेहंदी रचाई थी, उन्हीं हाथों को अंजलि के खून से रंग लिया। आरोपी को भी हाथ में जख्म हुआ है, उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरअसल, इंदौर के पास धारा नाका महू में रहने वाले विक्की ने पत्नी अंजलि की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। उसने अंजलि के शरीर को 10 बार चाकू से गोदा। गले से लेकर शरीर कई हिस्सों पर चाकू से वार किए। विक्की के परिवार वालों ने जब अंजलि की चीखने की आवाज सुनी तो वह लोग उसके कमरे की ओर दौड़े। देखा तो खून से लथपथ अंजलि फर्श पर पड़ी हुई थी। साथ ही विक्की भी घायल अवस्था में था। दोनों को तत्काल ही इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। वहां पर अंजलि को मरा हुआ घोषित कर दिया गया। जानकारी मिलने पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने परिजनों से पूरी जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं, विक्की को इलाज के लिए इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि 21 मई 2023 को दोनों की शादी बड़े ही धूमधाम के साथ हुई थी। विक्की पीथमपुर में मौजूद एक फैक्ट्री में काम करता है। सामने आया है कि शादी उसकी मर्जी से नहीं हुई थी। वह अंजलि से शादी करना नहीं चाहता था। एसपी ग्रामीण हितिका वासल का कहना है कि पति ने अपनी नवविवाहित पत्नी की हत्या की है और खुद को भी चाकू से घायल किया है। आरोपी का इलाज कराया जा रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ अब तक 208 लोगों से सवाल-जवाब, एक बार फिर गोंडा जा सकती है एसआईटी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर लगे यौन शोषण के आरोपों को लेकर दिल्ली पुलिस की एसआईटी ने अपनी जांच तेज कर दी है. एसआईटी अपनी जांच रिपोर्ट अगले सप्ताह तक कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है. एसआईटी के सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में करीब 208 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं. जांच टीम ने बृजभूषण के दिल्ली आवास के साथ ही उनके गोंडा स्थित घर पर भी जाकर पूछताछ की है. एसआईटी ने बृजभूषण के पूर्व सहकर्मियों, रिश्तेदारों और सहयोगियों के रिश्तेदारों के भी बयान दर्ज किए हैं, जिसमें उनके साथ बृजभूषण के बर्ताव के बारे में पूछा गया. बृजभूषण अपने करीबियों के साथ किस तरह से पेश आते थे, ये सब भी पता किया गया है. दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के दिल्ली आवास की भी जांच की थी क्योंकि एक शिकायतकर्ता महिला पहलवान ने इसी आवास पर अपने साथ छेड़खानी किए जाने का आरोप लगाया था. पुलिस ने 2016-17 के दौरान का सीसीटीवी फुटेज भी निकालने की कोशिश की है लेकिन पुरानी फुटेज का बैकअप नहीं मिल पाया है. इसके साथ ही एफआईआर में दर्ज टाइमलाइन को समझने के लिए एसआईटी गोंडा स्थित बृजभूषण शरण सिंह के घर पर भी जा चुकी है.

साजिशकर्ताओं को बचाने के लिए नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल

कोल्हापुर की घटना पर एजेंसियों का दावा

कोल्हापुर, 8 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुई हिंसा के बाद पुलिस लगातार एक्शन में है। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि बीते कुछ दिनों में जिन सोशल मीडिया हैंडल पर औरंगजेब का स्टेटस रखा गया था वे सब नाबालिग थे। जांच एजेंसियों को शक है कि ये एक सोची समझी साजिश हो सकती है जिसके तहत नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल किया गया। कोल्हापुर में हुई घटना में एजेंसियों को इस नए मॉडस ऑपरेंडी का पता चला है। इसके साथ ही एजेंसियां इस जांच में भी जुट गई हैं कि वो पता लगा सके कि इन बच्चों के पीछे कौन सी बड़ी ताकतें शामिल हैं। वहीं पूरी घटना के बाद पुलिस एक्शन में है और अब तक 36 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

क्या है पूरा मामला?

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में मंगलवार (6 जून) को कुछ युवकों ने सोशल मीडिया पर औरंगजेब के समर्थन में पोस्ट किया। जिसके बाद दूसरे दिन कुछ स्थानीय लोगों ने टीपू सुल्तान की तस्वीर के साथ कथित तौर पर आपत्तिजनक ऑडियो संदेश को सोशल मीडिया स्टेटस में लगाया था। इसके बाद आस-पास के इलाकों के राजनीतिक और सामाजिक संगठन बुधवार को प्रदर्शन करने के लिए उतर आए।

इस प्रदर्शन के दौरान किसी ने भीड़ पर पथराव कर दिया और इस पथराव के बाद स्थिति बिगड़ गई और इलाके में हिंसा फैल गई। इसके साथ ही कोल्हापुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर औरंगजेब का स्टेटस रखने के मामले में 2 एफआईआर दर्ज की थी। इन दोनों एफआईआर में कुल 5 नाबालिगों को गिरफ़्तार किया गया और उनको जुविनायल कोर्ट में पेश कर बालसुधार गृह भेज दिया गया। हाल की हुई घटना को लेकर कोई अफवाह नहीं फैल पाए इसके लिए प्रशासन ने इलाके में इंटरनेट बैन कर दिया है और धारा 144 भी लागू कर दी गई है।

बेटी के पास जाने के लिए नहीं थे पैसे तो 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने चलाई 180 किलोमीटर तक ट्राई साइकिल

अशोकनगर, 8 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में एक वृद्ध दिव्यांग महिला ने अपनी बेटी से मिलने के लिए 180 किलोमीटर तक की यात्रा ट्राई साइकिल से कर डाली। दरअसल, वृद्ध महिला ने बेटी से मिलने के लिए कुछ दिन तक पैसे जोड़े, मगर जितने की आवश्यकता थी, उतने पैसे नहीं हो पाए। वृद्ध दिव्यांग महिला के पास किराया नहीं था, तो बस वालों ने उसे नहीं बैठाया। तत्पश्चात, महिला ट्राई साइकिल से निकल पड़ी तथा 180 किलोमीटर की यात्रा कर डाली। वृद्ध महिला अपनी 3 पहिये की ट्राई साइकिल पर कुछ खाने-पीने का सामान रखा तथा निकल पड़ी। मार्ग में बहुत जद्दोजहद करनी पड़ी। महिला की आयु तकरीबन 90 वर्ष है। जिस उम्र में लोग ठीक से चल नहीं पाते, उस आयु में महिला ने भीषण गर्मी में ट्राई साइकिल से बेटी के यहां जाने के लिए 180 किलोमीटर तक सफर किया।

दिल्ली में खुदाई के दौरान मिली खिलजी वंश की सुरंग, एएसआई अधिकारियों ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में कई इमारतें ऐसी हैं, जिनका खास इतिहास रहा है। इन हैरिटेज साइट्स को देखने के लिए रोजाना सैकड़ों लोग पहुंचते हैं। इसी दिल्ली में अब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया यानी एएसआई को एक ऐतिहासिक सुरंग का पता लगा है, जो खिलजी वंश के जमाने की है। दिल्ली के सीरी फोर्ट चिल्ड्रेन म्यूजियम के पास खुदाई के दौरान मिलने वाली इस सुरंग का निर्माण 13वीं या 14वीं शताब्दी में किया गया था। अब म्यूजियम घूमने आने वाले लोग इस सुरंग को भी देख सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीरी फोर्ट चिल्ड्रेन म्यूजियम के पास घूमने आने वाले लोगों के लिए एक रास्ता तैयार किया जा रहा था, जिसके लिए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया खुदाई का काम कर रहा था। इसी खुदाई के दौरान 13वीं शताब्दी की ये सुरंग नजर आई। सुरंग दिखने के बाद इसके मुंह को पूरी तरह से खोल दिया गया और वहीं पर खुदाई रोक दी गई। एएसआई अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल आगे इस सुरंग की खुदाई नहीं होगी, इसे ऐसा ही रखा जाएगा। एएसआई के दिल्ली सर्कल के सुपरिटेंडेंट आर्कियोलॉजिस्ट प्रवीण सिंह ने इसे लेकर कहा, हम सामने के गेट से मुख्य सड़क तक चार मीटर चौड़ा रास्ता बना रहे थे, जिसके दौरान यह मेहराब जैसी संरचना दिखाई दी। अधिकारी के मुताबिक सीरी फोर्ट के आसपास की सभी संरचनाएं खिलजी वंश के समय की हैं, जिन्होंने 13वीं और 14वीं शताब्दी में दिल्ली पर शासन किया था। अब यहां करीब 6 फीट की एक संरचना मिली है, जिसे बच्चों को दिखाने के लिए ऐसे ही रखा जाएगा। बच्चों को ये समझाया जाएगा कि खुदाई के दौरान कैसे सैकड़ों साल पुरानी संरचनाओं को खोजा जाता है। हालांकि अधिकारियों की तरफ से इस बात के संकेत दिए गए हैं कि आगे इस सुरंग की खुदाई हो सकती है, उन्होंने कहा कि फिलहाल काम रोका गया है और इसकी जानकारी सीनियर अधिकारियों को दी गई है। इस बात की जानकारी नहीं है कि ये सुरंग कहां तक जा रही है। अगर उच्च अधिकारियों से निर्देश मिलते हैं तो ही इसकी आगे खुदाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक सुरंग जैसी संरचना एक टीले पर है जो जमीन से करीब एक मीटर ऊपर है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है जब इस जगह से कुछ मिला हो, इससे पहले म्यूजियम के निर्माण के दौरान, उसी जगह पर मिट्टी के बर्तनों के कई टुकड़े पाए गए, जो खिलजी वंश काल के हैं।

जालसाज पति-पत्नी ने युवक को सरकारी इंजीनियर के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगा

भोपाल, 8 जून (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में जालसाज पति पत्नी द्वारा सरकारी नौकरी के नाम पर एक युवक को ठगने का मामला सामने आया है। जहां कोहेफिजा थाना पुलिस ने एक दंपत्ति के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपियों ने एक बेरोजगार युवक को मध्य प्रदेश ग्रामीण विकास प्राधिकरण में इंजीनियर के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर डेढ़ लाख रुपए ऐंठ लिए। इतना ही नहीं आरोपियों ने भारत सरकार के अंडर सेक्रेटरी के नाम से एक नियुक्ति पत्र भी जारी कर युवक को थमा दिया। एएसआई राम प्रकाश सिंह ने बताया कि गोविंतिका परिसर जवाहर चौक के रहने वाले सुधीर त्रिपाठी पुत्र प्रभात चंद्र त्रिपाठी (30) ग्रेजुएशन करने के बाद नौकरी की तलाश कर रहा था। साल 2020 में उसकी जान पहचान निलेश सिंह गौर से हुई थी। शुरुआती बातचीत में सुधीर ने निलय सिंह को बताया कि वह सरकारी नौकरी की तलाश कर रहा है।

मणिपुर में कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान बरामद हुए भारी हथियार, बम-गोला बारूद के साथ खतरनाक रायफल्स

इंफाल, 8 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में हालात सामान्य होने की तरफ आगे बढ़ रहा है लेकिन इसी बीच रह रहकर हिंसा की भी खबरें आ रही हैं। एक सप्ताह पहले गृहमंत्री अमित शाह खुद मणिपुर में तीन दिन मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने ताबड़तोड़ बैठकें कीं। कुकी और मैतेई दोनों समुदायों के नेताओं से मिले। सुरक्षाबलों के साथ बैठक कर हालातों का जायजा लिया। शाह ने अपील की थी कि जिसके पास भी हथियार हों वो सरेंडर कर दे। पुलिस कॉम्बिंग के दौरान अगर किसी के पास हथियार मिलेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उनकी अपील का असर भी हुआ। लेकिन अभी भी यहां भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद मिला है। मणिपुर में हिंसा प्रभावित इलाकों पर पुलिस लगातार कॉम्बिंग कर रही है। इस दौरान 57 हथियार और 323 गोला बारूद बरामद हुए हैं। राज्य सराकर के सुरक्षा एडवाइजर ने बताया कि सुरक्षाबल हर मोर्चे पर तैयार हैं। कॉम्बिंग की जा रही है। इस दौरान लोगों से हथियार जमा कराने को भी कहा जा रहा है। अब तक 868 हथियार और 11,518 गोला-बारूद बरामद हुए हैं। धीरे-धीरे स्थिति को सामान्य किया जा रहा है। जल्द ही लोग अपने घरों को भी लौटेंगे। घाटी के 5 जिलो में 12 घंटे और पहाड़ी जिलों में 8 से 10 घंटे कर्फ्यू में ढील दी गई है। ताकि हालात ठीक होने की तरफ लौटें। शाह के मणिपुर दौरे के बाद काफी शांति देखने को मिली हैं। उन्होंने कई बड़े फैसले लिए। दोनों तरफ के लोगों ने शांति की अपील की है। शाह ने यहां भी कहा कि कोर्ट ने जल्दबाजी में एक फैसला सुना दिया।

इसकी वजह से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और हिंसा हो गई। उन्होंने एसओओ एग्रीमेंट की याद दिलाते हुए कहा कि हर हाल में इसका पालन होना चाहिए। अगर किसी ने भी इस समझौते को नहीं माना तो इसको उल्लंघन की तौर पर देखा जाएगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नेशनल हाइवे नंबर 37 पर जरूरत के सामान लाने ले जाने वाले वाहनों का आवागमन शुरू हो गया है। दुकानें खुल रही हैं। पेट्रोल पंप भी खुल जा रहे हैं। लेकिन अभी भी भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं।

दूसरी शादी वाले बयान में अब सिद्धू की पत्नी की एंट्री, सीएम मान पर कसा जोरदार तंज

चंडीगढ़, 8 जून (एजेंसियां)। पंजाब में सीएम भगवंत मान और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू के बीच दूसरी शादी को लेकर चल रही जुबानी जंग अब और बढ़ती जा रही है. नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी की भी अब इस मामले में एंट्री हो गई है. नवजोत कौर सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा- सीएम भगवंत मान जी मुझे नहीं लगता कि नवजोत ने आपके निजी जीवन के बारे में गंभीरता से टिप्पणी की है क्योंकि हमें इसके बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है. लेकिन आपके पास कुछ तथ्य गलत हैं. नवजोत सिद्धू के पिता, (एडवोकेट जनरल पंजाब) श्री भगवंत सिंह सिद्धू ने केवल एक ही शादी की थी।

सीएम मान ने सिद्धू के पिता को लेकर की थी टिप्पणी

आपको बता दें कि खरड़ में एक जनसभा के दौरान सीएम भगवंत मान ने नवजोत सिद्धू और पूरे विपक्ष को निशाने पर लिया था. सीएम मान ने उनके दूसरी शादी को लेकर उंगुली उठाने वालों पर निशाना साधा था. उन्होंने सिद्धू को लेकर कहा था कि उनके पिता ने भी दो-दो शादियां की थीं. सीएम मान ने तो सिद्धू को ये तक कह दिया था कि अगर उनके पिता ने दूसरी शादी नहीं की होती तो वो दुनिया में ना आए होते.

भगवंत मान सरकार पर साधा था निशाना

जालंधर में विपक्षी दलों ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ बैठक की थी. बैठक में कहा गया था कि पता नहीं कौन सा मैटीरियल आ गया, जो गांव के सरपंच नहीं बन सकते थे वो विधायक बन गए. इनकी नेताओं की तो महीने-दो-महीने बाद शादियां हो रही हैं.

विपक्षी दलों की बैठक को लेकर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा था कि पंजाब की तरक्की को देखकर सारे विपक्षी दल एक मंच पर इकट्ठा हो गए है. जब जंगल के सारे जानवर नदी के एक किनारे खड़े हों, तो कल्पना कीजिए कि एक शेर दूसरी तरफ खड़ा है.

रक्षा क्षेत्र में बड़ी कामयाबी, नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। रक्षा के क्षेत्र में देश को बड़ी सफलता मिली है। नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का डीआरडीओ ने सफलता पूर्व परीक्षण किया है। यह परीक्षण 07 जून ओडिशा के तट पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। शाम 7.30 बजे किया गया यह परीक्षण सफल रहा। मिसाइल अपने सभी मानकों पर खरा उतरा। इस टेस्ट के दौरान मिसाइल ने निर्धारित सभी मानकों और उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। अग्नि प्राइम मिसाइल के तीन सफल विकासात्मक परीक्षणों के बाद यह पहला प्री-इंडक्शन नाइट लॉन्च था। यह इससिस्टम की सटीकता और विश्वसनीयता को मापने के लिए किया गया था। इस मिसाइल के पूरे ट्रैजेक्टरी को कवर करने और उड़ान डेटा को कैप्चर करने के लिए टर्मिनल बिंदु पर दो डाउनरेंज जहाजों को लगाया गया था। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंटेशन तैनात किए गए थे। डीआरडीओ और स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमान के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस सफल उड़ान परीक्षण को देखा इससे पहले एक जून को भारत ने अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया था। इस टेस्ट के दौरान रणनीतिक हथियार के सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सत्यापित किया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने ओडिशा में ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वीप से मिसाइल का प्रक्षेपण किया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'एक जून, 2023 को ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वीप, ओडिशा से सामरिक बल कमान द्वारा एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-1 का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रक्षेपण किया गया।'' यह सिद्ध हो चुका है कि यह मिसाइल बहुत ऊंचाई से लक्ष्य को भेदने में सक्षम हैं। इस प्रक्षेपण के जरिये मिसाइल के सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया गया।

ऐ गरीबी देख तेरा गुरूर टूट गया', लालटेन की रोशनी में पढ़ने वाला बना 'शिक्षा का बादशाह

सुरेश गोसावी को पुणे विश्विद्यालय की कमान

पुणे, 8 जून (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र): जहां समूचा भारत पढ़ने पुणे आता है, जहां एक से बढ़कर एक धुरंधरों ने पढ़ाई की है और उसी पुणे के विश्वविद्यालय का कुलपति एक अत्यंत साधारण घर का बेटा केवल विद्या के बल पर विद्या के काशी कहलाने वाले विद्यापीठ का कुलपति बनता हो और एक इतिहास रचता हो तो चर्चा लाजमी हो जाती है। उन तमाम गरीब स्टूडेंट्स के लिए ये खबर अंधेरे में दिए की रोशनी का काम करती है। अत्यंत गरीबी में हुई उनकी पढ़ाई के बावजूद इस मुकाम पर पहुंचने की वजह से गोसावी पर उनके माता-पिता को गर्व है। झोपड़ीनुमा छप्पर के घर में जन्म, मां अशिक्षित और अत्यंत ग्रामीण भाग का बेटा सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय का कुलपति बना हैं। जलगांव के प्रोफेसर डॉ। सुरेश वामनगीर गोसावी ने सारे रिकॉर्ड तोड़कर एक ऐसा मुकाम पाया जो केवल विद्या के दम से ही पाया जा

सकता है इस बात को साबित किया जिसके लिए उन्हें कड़ी मेहनत से गुजरना पड़ा। जलगांव के बेटे सुरेश गोसावी के सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के नए कुलपति बनने से उनके पुश्तैनी गांव में एक खुशी की लहर छा हई है। सुरेश गोसावी जलगांव तहसील के धामनगांव के मूल निवासी हैं। इनके पिता वामनगीर गोसावी सेवानिवृत्त टीचर रहे हैं लेकिन मां अनपढ़ हैं और आज भी खेती का काम करती हैं। उनके बड़े भाई अशोक गोसावी जिला शल्य चिकित्सक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। डॉ। गोसावी ने अपनी प्राइमरी से लेकर ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई जलगांव जिले में ही की है। बाद में उन्होंने नासिक, पुणे में पोस्ट-ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने 1992 में एसपी कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में पढ़ाना शुरू किया। 1996 में उन्होंने पीएचडी पूरी की। 1998 से 2000 के बीच उन्होंने अमेरिका में पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप भी की। उन्होंने 2004 से भौतिकी विभाग में अपनी सेवा शुरू की थी। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्विद्यालय कुलपति सुरेश गोसावी ने कहा, पुणे के सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त होने पर खुशी हुई। पुणे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक परिसर और संबद्ध कॉलेजों में नई शैक्षणिक नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए ठोस प्रयास करेगा। विशेष रूप से प्रथम वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम की नीति के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा, पुणे विश्वविद्यालय नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में शैक्षणिक गुणवत्ता में गिरावट को सुधारने का प्रयास करेंगे। मेरा ध्यान पुणे विश्विद्यालय की रैंकिंग को बहाल करने पर होगा।

समीर वानखेड़े को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत दो हफ्तों तक गिरफ्तार नहीं कर सकेगी सीबीआई

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने समीर वानखेड़े के सीबीआई अरेस्ट पर दो हफ्तों की रोक लगा दी है। अब इसके बाद सीबीआई दो हफ़्तों तक वानखेड़े को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। वहीं कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई केलिए 23 जून की तारीख तय की है। बता दें कि सीबीआई आर्यन खान केस में वसूली के मामले में समीर वानखेड़े के खिलाफ जांच कर रही है।

मुंबई पुलिस कमिश्नर से मांगी सुरक्षा

इससे पहले समीर वानखेड़े ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को एक चिट्ठी देकर सुरक्षा की मांग की थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें और उनकी पत्नी को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। वानखेड़े ने एक प्रतिनिधि के माध्यम से दक्षिण मुंबई में पुलिस कमिश्नरेट को यह चिट्ठी भेजी। सीबीआई ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन को कॉर्डेलिया क्रूज 'मादक पदार्थ' मामले में नहीं फंसाने के लिए बॉलीवुड अभिनेता से कथित रूप से 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में वानखेड़े और चार अन्य के खिलाफ 11 मई को मामला दर्ज किया था।

सोशल मीडिया पर मिल रही जान से मारने की धमकी

वानखेड़े के खिलाफ कथित आपराधिक साजिश और जबरन वसूली की धमकी के साथ ही भ्रष्टाचार-निरोधक अधिनियम के तहत रिश्वत से संबंधित प्रावधानों के लिए मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने वानखेड़े से शनिवार और रविवार को मामले के सिलसिले में पूछताछ की थी। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी वानखेड़े ने दावा किया कि उन्हें और उनकी पत्नी क्रांति रेडकर को पिछले चार दिन से सोशल मीडिया पर जान से मार डालने की धमकियां मिल रही हैं और आपत्तिजनक संदेश भी मिल रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 9 जून- 2023

अलगाववादी फिर सक्रिय?

एक दौर था जब पृथक खालिस्तान की मांग ने ऐसा जोर पकडा कि लोग पंजाब की ओर जाने तक से डरने लगे थे। उस दौर में पंजाब ने अलगाववादी आंदोलन में व्यापक हिंसा, अराजकता और आतंक को खूब सहा और भोगा है। इसे काबू पाने के लिए कितने जतन और कुर्बानियां दी गई उसकी अब तो किसी को संख्या तक याद नहीं होगी। लेकिन उस दौर के डर को पूरे देश ने महसूस किया था। किसी तरह से उन कथित आंदोलनों में लगे लोगों या समूहों को कुचला गया उसका इतिहास आज भी लोगों के जहन में है। उन्हें दरकिनार करने के लिए पंजाब के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी सख्ती से काम लेने के बाद ही कामयाबी मिली थी। बहरहाल, जब आम लोगों को ऐसे समूहों की गतिविधियों की हकीकत और अंजाम का पता चला तो उन्होंने भी नए सिरे से उनके बारे सोचना शुरू किया और शांति और सद्भाव को प्राथमिकता देने लगे। लोगों की समझ में आ गया है कि उनकी भावुकता का फायदा उठा कर कुछ लोग ऐसे आंदोलनों से लोगों के उद्वेलित कर कर अपना उल्लू सीधा करते हैं। आमजन भी समझ गए कि इस तरह के आंदोलनों का हल अलगाववाद में नहीं, बल्कि सद्भावपूर्ण माहौल में है, जो देश की एकता को सुनिश्चित करने से ही संभव है। कई साल शांति से बीत जाने के बाद अब एक बार फिर ऐसा लगने लगा है कि देश में एक बहुत छोटे समूह के रूप में ही सही, लेकिन अलगाववादी तत्त्वों ने सिर उठाना शुरू कर दिया है। अमृतसर में 'आपरेशन ब्लूस्टार' के उनतालीस साल पूरे होने पर मंगलवार को कट्टरपंथी सिख संगठनों के कुछ सदस्यों ने स्वर्ण मंदिर परिसर में खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए। नारेबाज अपने हाथों में भिंडरावाले की तस्वीरों वाली तख्तियां भी लेकर चल रहे थे। हालाकि स्वर्ण मंदिर में ऐसे प्रदर्शन को नियंत्रित रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था। उस कार्यक्रम में आम लोगों ने भी अपनी कोई भागीदारी नहीं निभाई थी। इसके बावजूद यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं है कि आने वाले वक्त में खालिस्तान के नाम पर चलाए जाने वाले अभियान का असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। अक्सर देखा गया है कि कोई भी राजनीतिक गतिविधि अगर अपनी निरंतरता में चलती रहती है तो धीरे-धीरे साधारण और मासूम लोग उस विचार के असर में आने ही लगते हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो स्वर्ण मंदिर परिसर में खालिस्तान के पक्ष में जिस तरह के नारे लगाए गए, अगर उन्हें वक्त पर रोका नहीं गया तो कभी भी उनकी हरकतों का दायरा फैल सकता है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि एक समय पंजाब में खालिस्तान की मांग के सवाल पर उभरे आंदोलन के बाद देश और खुद पंजाब को उससे छुटकारा पाने के लिए बडी कीमत चुकानी पड़ी थी। इसलिए खालिस्तान के मुद्दे को हवा देते हुए ऐसे सार्वजनिक प्रदर्शन को लेकर सरकार ने समय करते नहीं चेता तो उसका दुष्परिणाम देश को फिर भुगतना पड सकता है। पृथक खालिस्तान के मुद्दे पर ही पंजाब ने अलगाववादी आंदोलन में व्यापक हिंसा, अराजकता और आतंक का दौर देखा है। उसमें सरकार के सामने संप्रभुता का खयाल रखने की चुनौती थी, तो इसी आधार पर हुई कार्रवाई के दौरान उस आंदोलन की वजह से पंजाब के लोगों को व्यापक त्रासदी का सामना करना पड़ा था। जब खालिस्तान आंदोलन अपने चरम पर था तो उस पर काबू पाने के लिए ही 'आपरेशन ब्लू स्टार' चलाया गया था। जिसके बाद कई बेहद दुखद घटनाओं का गवाह समूचा देश बना था। कई कुर्बानियों के बाद अलगाववाद की हवा को काबू में किया गया था और पंजाब के लोगों को फिर से सामान्य जीवनयापन के लिए बहुत जतन करना पड़ा था। अब जब वहां के आम लोग भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय हिस्सेदार हो चुके हैं, तब ऐसे में दोबारा खालिस्तान का स्वर उठना चिंताजनक है। सरकार को इस पर कडी निगरानी रखने की जरूरत है। इसकी भी खोजबीन होनी चाहिए कि खालिस्तान के लिए हो रही सुगबुगाहट के पीछे कहीं कोई बाहरी हाथ तो नहीं है। वक्त का तकाजा है कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से हर स्तर पर कार्रवाई के साथ-साथ आम जनता के हक में और उन्हें अपना लगने वाले कदम उठाए जाएं, ताकि खालिस्तान के सवाल को जोर पकड़ने से पहले ही कुचला जा सके।

चीन और अमेरिका का टकराव क्या तबाही लेकर आएगा

संजीव ठाकुर

ड्रैगन की दादागिरी अब बढ़ते जा रही है हिंद महासागर में उसने 2 युद्धपोत उतार दिए हैं। इसी तरह लद्दाख और भारतीय सीमा के आसपास कई सामरिक गांव भी बसा लिए हैं चीन की सैन्य हरकतें बहुत तेजी से आगे बढ़ने लगी। चीन की इन हरकतों से भारत तो चिंतित है ही इसके अलावा अमेरिका, जर्मनी,कनाडा, फ्रांस ,जापान तथा अन्य देश भी काफी परेशान है इन परिस्थितियों को देखते हुए सिंगापुर में शंगरी डायलॉग में चीन,अमेरिका, कनाडा ,ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के बीच हिन्द प्रशांत क्षेत्र को लेकर काफी तीखी झड़प सामने आई है। अमेरिका के नेतृत्व में फ्रांस ऑस्ट्रेलिया कनाडा ब्रिटेन और अन्य देश के साथ पश्चिमी देशों ने साफ-साफ बयान दिया है कि वे सब भारत के साथ मिलकर हिंद महासागर में चीन की दादागिरी किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं करेंगे। दूसरी तरफ इसी परिचर्चा में चीन के रक्षा मंत्री ली सॉन्ग फू ने खुलेआम चेतावनी दे दी है कि अमेरिका और चीन के बीच टकराव दुनिया भर में ऐसी तबाही लेकर आएगा जो अभूतपूर्व होगी और इसे विश्व बर्दाश्त नहीं कर सकेगा।

सिंगापुर में एशिया सुरक्षा सम्मेलन के इस परिचर्चा में चीन के रक्षा मंत्री ने कहा चीन और अमेरिका का साथ आगे बढ़े इसके लिए दुनिया को चिंता करनी चाहिए और इसकी काफी संभावना भी है पर अमेरिका की पश्चिमी देशों के साथ चीन के खिलाफ किसी भी तरह की दादागिरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सम्मेलन में भाग ले रहे अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन ने चीन के रक्षा मंत्री की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए कहा की चीन की धमकी चमकी को अमेरिका और सहयोगी देश मूकदर्शक बने नहीं रह सकते इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। चीन के रक्षा मंत्री जो सैन्य वर्दी में सम्मेलन में शामिल हुए थे ने स्पष्ट रूप से चेताया चीन और अमेरिका के बीच एक टकराव दुनिया के लिए रसायनिक आपदा हो सकती है। कनाडा की रक्षा मंत्री अनीता आनंद ने स्पष्ट कहा है ताइवान समेत खाड़ी देशों जहां भी अंतरराष्ट्रीय कानून अनुमति देता है वहां हमारे युद्धपोत गस्त करते रहेंगे और संबंधित देशों को जिम्मेदार आचरण करना होगा।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने कहा चीन को इस तरह की धमकी चमकी वाली भाषा का इस्तेमाल ना करते हैं परस्पर सहयोग की भावना रखनी चाहिए, चीन शीत युद्ध की मानसिकता वैश्विक सुरक्षा जोखिमों को खतरनाक तरीके से आगे बढ़ा रही है जो वैश्विक शांति के लिए खतरा बन सकती है।

दूसरी तरफ जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने स्पष्ट शब्दों में कहा है की अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और प्रमुख समुद्री मार्गों की सुरक्षा के लिए सभी पश्चिमी देशों को चीन के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने की आवश्यकता है उन्होंने आगे कहा यह तो तय है की सभी पश्चिमी देश 2024 में हिंद महासागर में युद्धपोत आवश्यक रूप से हर हाल में भेजेंगे ही और यह विश्व शांति के लिए अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि हिंद महासागर तथा चीन सागर के आसपास चीन युद्ध पोतों की आवाजाही बहुत बढ़ गई है।

गहलोत और पायलट की सियासी जंग के आगे ढीले पड़ते रंधावा

रामस्वरूप रावतसरे

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल सियासी जंग को शांत कराने के कई प्रयास हुए। दोनों नेताओं में तालमेल बैठाने के लिए आलाकमान ने पार्टी के बड़े नेताओं को जिम्मेदारियां दी, लेकिन अब तक कोई भी नेता इनके प्रकरण को नहीं सुलझा सका। गहलोत और पायलट की अदावत कांग्रेस के सत्ता में आने के समय से ही चल रही है। सत्ता और संगठन में तालमेल बैठाने के लिए पहले अविनाश पांडे को प्रभारी बनाकर भेजा। बाद में अजय माकन को। दोनों नेता गहलोत और पायलट के बीच तालमेल बैठाने में फेल साबित हुए। गत वर्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी भेजा लेकिन वे भी कामयाब साबित नहीं हुए। दिसंबर 2022 में पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिन्दर सिंह रंधावा को जिम्मेदारी दी। अब तक रंधावा भी कामयाब साबित नहीं हुए। फिलहाल रंधावा राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी हैं और गहलोत और पायलट के बीच सुलह कराने में उनकी अग्नि परीक्षा जारी है। वर्ष 2019 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अविनाश पांडे को राजस्थान का प्रदेश प्रभारी बनाकर भेजा था। कहा जाता है कि पांडे ने काफी प्रयास किए लेकिन वे गहलोत और पायलट के बीच तालमेल नहीं बैठा पाए। दोनों में अंदरूनी खींचतान चलती रही और जुलाई 2020 में सचिन पायलट ने बगावती तेवर अपना लिए थे। पायलट के साथ कांग्रेस के 18 विधायक राजस्थान छोड़कर मानेसर चले गए। इनकी एक ही मांग थी कि राजस्थान में सरकार का नेतृत्व परिवर्तन हो यानी अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाया जाए। हालांकि सचिन पायलट अपने इस दांव में कामयाब नहीं हुए और करीब एक महीने बाद कांग्रेस आलाकमान ने जैसे तैसे सचिन पायलट को मना लिया लेकिन अविनाश पांडे को प्रभारी पद से हटना पड़ा। जुलाई 2020 में कांग्रेस में बवाल के बाद अजय माकन को राजस्थान का नया प्रभारी बनाकर भेजा गया। ऐसा माना जा रहा था कि अजय माकन गहलोत और पायलट को एक पटरी पर ले आएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गहलोत और पायलट के बीच सियासी खींचतान बढती गई। उनके समर्थक भी एक दूसरे के खिलाफ खुलकर बयानबाजी करते रहे। सितंबर 2022 में कांग्रेस आलाकमान प्रदेश के भावी मुख्यमंत्री का फैसला करने का अधिकार अपने पास लेना चाहते थे लेकिन उन दिनों गहलोत समर्थकों ने बगावत कर दी। सोनिया गांधी के आदेश पर बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया गया और 80 से ज्यादा कांग्रेसी विधायकों ने आधी रात को विधानसभा अध्यक्ष के निवास पर जाकर इस्तीफे सौंप दिए। इस बवाल के बाद अजय माकन को भी प्रदेश प्रभारी का पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद 25 दिसंबर को तत्कालीन प्रदेश प्रभारी अजय माकन के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे भी ऑब्जर्वर बनकर, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का प्रस्ताव लेकर जयपुर पहुंचे थे। लेकिन गहलोत समर्थन के विधायकों ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर दिया। मुख्यमंत्री निवास पर सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी अजय माकन, मल्लिकार्जुन खड़गे और कुछ विधायक इंतजार करते रहे। गहलोत समर्थक विधायकों ने शांति धारीवाल के आवास पर समानान्तर बैठक बुला ली। गहलोत समर्थक 80 से ज्यादा विधायक बैठक में नहीं पहुंचे। जोरदार बयानबाजी हुई। सचिन पायलट के लिए गद्दार जैसे शब्दों का इस्तेमाल हुआ। बाद में अजय माकन और मल्लिकार्जुन खरगे को वापस दिल्ली लौटना पड़ा। माकन और खरगे सोनिया गांधी का प्रस्ताव लेकर आए लेकिन गहलोत समर्थक विधायकों ने पास नहीं होने दिया। गहलोत समर्थक विधायकों ने अजय माकन पर सीधे आरोप लगाए थे कि माकन सचिन पायलट के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद अजय माकन को भी इस्तीफा देना पड़ा। दिसंबर 2022 में पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिन्दर सिंह रंधावा को प्रदेश प्रभारी बनाकर भेजा। दावा किया गया कि रंधावा गहलोत और पायलट के बीच की दूरियों को मिटा पाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पिछले 6 महीने में रंधावा के हर प्रयास फेल हुए। रंधावा के आने के बाद गहलोत और पायलट ने एक दूसरे के खिलाफ खूब बयान दिए। रंधावा से बिना पूछे सचिन पायलट ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ अनशन किया और बाद में जन संघर्ष यात्रा भी निकाली। रंधावा ने पायलट के इन फैसलों का विरोध भी किया लेकिन वे कुछ नहीं कर पाए। जिस प्रकार रंधावा इन दोनों को लेकर सुलह का ब्यान दे रहे है। ऐसा कहीं दिखाई नहीं देता। जानकार लोगों का कहना है कि पायलट 11 जून की तैयारी में है उस दिन उनके द्वारा किसी बड़े धमाके के बारे में कहा जा रहा है। रंधावा का प्रयास है कि किसी प्रकार 11 जून की तारीख बिना किसी बड़ी घटना के निकल जाय। इसीलिए वे दावा कर रहे हैं कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहे विवाद को सुलझा लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि 90 फीसदी मसले सुलझ गए हैं अब 10 परसेंट कोई मसला नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान के साथ हुई बैठक में गहलोत और पायलट दोनों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने की बातों पर सहमति दे दी है। ऐसे में अब इनके बारे में चल रही अनबन की खबरों का कोई आधार नहीं है। सचिन पायलट के तेवर और मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक पायलट अब जल्द ही नई राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान करने वाले हैं। आगामी 11 जून को सचिन पायलट की ओर से कोई न कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है, क्योंकि 11 जून का दिन उनके लिए खास मायने रखता है। 11 जून को सचिन पायलट के पिता स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि है। ऐसे राजनीति में रुची रखने वाले हर व्यक्ति को 11 जून का इंतजार है। अगर सचिन पायलट नए राजनीतिक दल का गठन करके चुनावी मैदान में उतरते हैं तो राजस्थान विधानसभा की करीब 40 सीटें ऐसी हैं, जहां पायलट का अच्छा प्रभाव बताया जा रहा है। इन सीटों पर कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ सकता है। राजस्थान के सवाई माधोपुर, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमंद, करौली, दौसा, कोटा, टोक, बूंदी, झालावाड, चितौड़गढ़, अलवर, भरतपुर और झुंझुनूं जिलों में करीब 40 सीटें ऐसी हैं जहां गुर्जर मतदाता काफी संख्या में हैं। इस सीटों पर गुर्जर समाज बड़ी ताकत रखता है और प्रत्याशियों को जीताने हराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सचिन पायलट गुर्जर समाज से है और समाज में उन्हें एक आदर्श नेता के रूप में मानता है। अगर सचिन पायलट नई पार्टी की घोषणा करते हैं तो कांग्रेस को बड़ा नुकसान होना तय माना जा रहा है। जानकार लोगों के अनुसार इसी बात का डर कांग्रेस को सता रहा है। इसी डर के कारण रंधावा बार बार यह कह रहे है कि सचिन पायलट पार्टी और संगठन से किसी भी रूप में अलग नहीं है। कांग्रेस ने राजस्थान विधान सभा का आगामी चुनाव बिना किसी सीएम फेस के लड़ने का एलान किया है। जिससे पार्टी एवं संगठन में किसी प्रकार की टूटन नहीं हो। खैर प्रदेष को लेकर आलाकमान चिंतित है कि किसी प्रकार सरकार पुनः आये तो उनकी स्थिति मजबूत हो ,अषोक गहलोत भी चाहते है कि उन्होंने जो काम किये है उसका लाभ उन्हें ही मिले, उधर सचिन पायलट चार साल के सियासी बनवास से छुटकारा पाना चाहते है। अब इनमें से कौन कितना सफल होगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन फिलहाल सभी अपने अपने बयानों के साथ मीडिया में बने हुए है।

क्यों पनप रही है किशोरों में हिंसक मनोवृत्ति?

मनोज कुमार अग्रवाल

अल्पायु किशोर बहिन भाई में छोटी छोटी बातों पर तकरार होना कोई नयी बात नहीं है आम तौर पर ऐसा लगभग हर घर में हम उम्र अथवा बड़ा छोटे भाई बहिन के बीच होता है लेकिन यह भाई बहन की तकरार सिर्फ मीठी नोकझोंक जैसी ही होती है लेकिन इसी नोकझोंक में बात अगर एक दूसरे की जान लेने पर पहुंच जाए तो निश्चित तौर पर यह समाज में बच्चों के बीच पनप रहे हिंसक व्यवहार का हवाला देता है। खून के रिश्तों में इतनी क्रूरता कहां से आ रही है यह बेहद चिंतित करने वाली बात है। हरियाणा के फरीदाबाद में नाबालिग लड़की की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बड़ी बहन ने छोटे भाई को मोबाइल छोड़कर पढ़ाई करने को कहा। इस पर गुस्साए भाई ने गला दबाकर बहन की हत्या कर दी। वही दूसरी घटना में हरियाणा के फरीदाबाद में ही एक 15 साल की बहन ने अपने ही 12 साल के भाई की गला दबाकर हत्या कर दी।

पुलिस से पूछताछ में लड़की ने बताया कि छोटा भाई उसे खेलने के लिए मोबाइल नहीं दे रहा था इसी लिए मैंने उसे मार डाला। आरोपी लड़की ने अपने भाई का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और उसके शव को चादर से ढंक दिया। यह दोनो घटना किशोर आयु के बच्चों के बीच पनप रहे हिंसक व्यवहार का सबूत है। यह दोनों घटना पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने बहन की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 19 साल के प्रियांशु ने बहन का गला दबा दिया था।मृतका सीए एनटरेंस के लिए तैयारी कर रही थी।

लेकिन एक मोबाइल बहिन भाई के बीच विवाद और फिर हत्या की वजह बन गया इसके बाद वह मौके से फरार हो गया था। मृतक युवती के पिता ने बताया कि वह पत्नी के साथ उत्तर प्रदेश में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। जब घर लौटकर आए, तो बेटी को मृत हालत में पड़ा देखा। वहीं प्रियांशु घर से गायब था। इसके बाद उन्होंने थाने में एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मालमे की जांच करते हुए आरोपी प्रियांशु को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह इस बात से परेशान रहता था कि उसकी बड़ी बहन लगातार पढ़ाई करने के लिए दबाव बनाती थी। मोबाइल देखने से मना करती थी।बहन ने 24 मई को भी प्रियांशु को मोबाइल छोड़कर पढ़ाई करने को कहा। इस उसे गुस्सा आ गया और आवेश में आकर उसने बहन का गला दबा दिया। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में आरोपी को अदालत में पेश कर 3 दिन के रिमांड पर लिया है, जहां से पूछताछ की जा रही है।

आपको बता दें कि पिछले चार दिन के अंदर इस तरह की यह दूसरी घटना है। इससे पहले एक बड़ी बहन ने अपने नाबालिग छोटे भाई की हत्या कर दी थी।लड़की ने पुलिस को बताया कि उसके मम्मी-पापा छोटे भाई को ज़्यादा प्यार करते थे। गेम खेलने के लिए उसी को मोबाइल देते थे। मैं मोबाइल मांगती तो मुझे डांट देते थे। मैंने अपने भाई से मोबाइल मांगा तो उसने मना कर दिया इसी लिए मैंने उसका गला दबा दिया। पीड़ित परिवार फरीदाबाद के कोलीवाड़ा इलाके में रहता है। गुरुवार की दोपहर बच्चों के माता-पिता कहीं काम से बाहर गए थे हुए थे। घर में सिर्फ 12 साल का बेटा और 15 साल की बेटी थी। बच्चे की मां के अनुसार जब शाम को वह ड्यूटी से लौटकर आई तो देखा कि मेरा बेटा सो रहा है, कुछ देर बाद जब उसे जगाने की तो वो उठा ही नहीं, मैंने उसके गले में निशान देखा इसके बाद पड़ोसियों को मदद के लिए बुलाया मैंने बेटी से पुछा तो उसने कहा- मुझे नहीं मालूम मैं तो छत में थी, मुझे नहीं पता भाई के साथ क्या हुआ?परिवार से पुलिस से कम्प्लेन की। सीसीटीवी चेक किए गए। घर के अंदर कोई बाहरी आता नहीं दिखाई दिया तो पुलिस को बेटी पर शक हुआ। पहले तो वह अपने भाई के कत्ल से इंकार करती रही लेकिन जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो उसने सब सच बता दिया।

ये घटनाएं हतप्रभ करने वाली हैं। इन दोनों परिवारों पर क्या बीत रही होगी उस का अंदाजा लगा सकते हैं एक बच्चा जेल में और दूसरे को हमेशा के लिए खोना पड़ा। क्या हमारे समाज में बालकों में इतनी उत्तेजना क्रूरता गुस्सा और नफरत घर कर रही है कि भाई बहन ही परस्पर खून के प्यासे बन रहे हैं? इस हिंसक व्यवहार के पीछे क्या कारण है?बच्चों की मनोवृत्ति हिंसक क्यों हो रही है? क्या इसके पीछे सामाजिक वैज्ञानिक कारण जिम्मेदार हैं? अथवा भारतीय समाज में बच्चों की परवरिश में कोई लापरवाही बरती जा रही है। बाल मनोविज्ञान पर शोध करने वाले शोधकर्ता तो यहां तक निष्कर्ष निकाल चुके हैं कि बच्चों को बचपन में खेलने के लिए दिए जाने वाले खिलोनों में बंदूक तलवार तीरकमान भी उनके हिंसक होने की बुनियादी शुरूआत कर सकते हैं।

हालांकि हमारे समाज में इस तरह के प्रतीकात्मक हथियार बच्चों के खिलौनों में बहुतायत में शामिल रहे हैं। दूसरी ओर दिन रात सोशल मीडिया पर मनमानी बेबसीरीज और ओटीटी प्लेटफार्म्स पर हिंसा का वीभत्स चित्रण किया जा रहा है जिसे देख कर बाल मन पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है तिस पर यू-ट्यूब पर मनमानी वर्जित संबन्धो की कपोल कल्पित वीभत्स व भौंडी विडिओ बना कर बाल व किशोर मन को खूनी अपराधी बनने के लिए उकसाया जा रहा है इस पर नियंत्रण की कोई कोशिश सरकारी सतर पर भी नहीं हो पा रही है यूं तो बच्चों किशोरों के लिए तमाम कागजी योजनाएं हैं लेकिन वह धरातल पर कितना असरदार है यह भी विचारणीय है।

सोशल मीडिया पर मनमानी मारधाड़ हिंसा और कलुषित व भौडी हरकतों को मनोरंजन के नाम पर बेरोक-टोक वायरल किया जाना खास कर किशोरों व नवयुवक युवतियों के विचार व्यवहार को दूषित कर रहा है। इस तरह एक सभ्य शालीन समाज को असभ्य हिंसक व क्रूर बनाने की साजिश की जा रही है क्या इन हालात पर तत्काल नियंत्रण की कोशिश नहीं की जानी चाहिए?

बहकी बहकी किताबें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वे किताबें नालों में पड़ी लोट रही थीं। पहले लगा हो न उन किताबों में शराब की प्रचार-प्रसार सामग्री छपी होगी। उनमें भी नशा चढ़ गया होगा। इसीलिए उनका यह हाल हो रहा है। बाद में किसी भलमानुस ने बताया कि इन्हें बच्चों तक पहुँचाना था। स्कूल जो शुरु होने वाले हैं। किताबें भी सोचने लगीं - मंज़िल थी कहीं जाना था कहीं तक़दीर कहाँ ले आई है। कहने को तो स्मार्ट सिटी में हैं, फिर यह स्वच्छ भारत अभियान के पोस्टर के साथ इस नाले में क्या कर रही हैं? बाद में उन्हें समझ में आया कि स्मार्ट होने का मतलब शायद यही होता होगा। किताबें आपस में बातें करने लगीं। थोड़ी पतली सी एकदम स्लिम ब्यूटी की तरह लग रही अंग्रेजी की किताब ने कहा – वाट इज हैपिनिंग हिअर? आयम फीलिंग डिस्गस्टिंग। तभी हिंदी की किताब जो थोड़ी सी मोटी लेकिन वाचाल लग रही थी, बीच में कूद पड़ी – अरे-अरे देखिए मैम साहब के नखरे। तुमको डिस्गस्टिंग लग रहा है। तुम्हारे चलते मेरे भीतर से कबीर, तुलसी की आत्मा निकाल दी गई है। बच्चे मुझे पाकर न ठीक से दो दोहे सीख पाते हैं और न कोई नौकरी। तुम हो कि ट्विंकिल-ट्विंकिल लिटिल स्टार, बा बा ब्लाक शिप, रेन रेन गो अवे जैसी बिन सिर टांग की राइम सिखाकर बड़ी बन बैठी हो। तुम्हारी इन राइमों के चक्कर में हमारे बच्चे हिंदी के बालगीत भी नहीं सीख पाते। तुमने तो हमारा जीना हराम कर दिया है। इस पर अंग्रेजी बोली – नाच जाने आंगन टेढ़ा। बच्चों को लुभाना छोड़कर मुझ पर आरोप मढ़ रही हो। बाबा आदम का जमाना लद चुका है। कुछ बदलो। मॉर्डनाइज्ड बनो। चाल-ढाल में बदलाव लाओ। इन सबके बीच सामाजिक अध्ययन की किताबें कूद पड़ी – अरे-अरे! तुम लोगों में थोड़ी भी सामाजिकता नहीं है। मिलजुलकर रहना आता ही नहीं। कुछ सीखो मुझसे। इतना सुनना था कि विज्ञान की किताबें टूट पड़ी – अच्छा बहिन तुम चली हो सामाजिकता सिखाने। तुम्हारी सामाजिकता के चलते लोग आपस में लड़ रहे हैं। कोई नरम दल है तो कोई गरम दल। कोई पूँजीवाद का समर्थक तो कोई किसी और का। तुम तो रहने ही दो। कहाँ की बेकार की बातें लेकर बैठ गई हो। आज न कोई भाषा पढ़ता है न सामाजिक अध्ययन। लोग तो विज्ञान पढ़ते हैं। डॉक्टर बनते हैं। कभी सुना किसी को कि वह कवि या लेखक बनना चाहता है या फिर समाज सुधारक? तभी मोटी और बद्सूररत सी लगने वाली गणित की किताब ने सभी को डाँटते हुए कहा – मेरे बिना किसी की कोई हस्ती नहीं है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा लोग इंजीनियर बन रहे हैं। सबका हिसाब-किताब रखती हूँ। सभी एक-दूसरे से लड़ने लगीं। वहीं एक कोने में कुछ किताबें सिसकियाँ भर रही थीं। यह देख हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान और गणित की किताबें लड़ाई-झगड़ा रोककर कोने में पड़ी किताबों की सिसकियों का कारण पूछने लगीं। उन किताबों ने बताया – हम मूल्य शिक्षा, जीवन कौशल शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा की किताबें हैं। हम छपती तो अवश्य हैं लेकिन बच्चों के लिए नहीं बल्कि कांट्रेक्टरों के लिए। आप सभी सौभाग्यशाली हो कि कम से कम आप लोगों को बच्चों की छुअन का सुख तो मिलता है।

कैसे रुके रेल हादसे और पुलों के टूटने के मामले

आर.के. सिन्हा

पहले उड़ीसा में हुई दर्दनाक रेल दुर्घटना और उसके बाद बिहार में एक पुल का टूटना। इन दोनों घटनाओं के कारण सारा देश उदास भी है और गुस्से में भी है। उदासी मासूमों के मारे जाने पर है और गुस्सा इसलिए है कि ये हादसे थम ही नहीं रहे। पिछली 2 जून को उड़ीसा में 3 ट्रेनें आपस में भिड़ गईं। इनमें लगभग तीन सौ मासूम यात्री मारे गए और ना जाने कितने हजार घायल हो गए। यह दुर्घटना भारत में अब तक की सबसे घातक रेल दुर्घटनाओं में से एक है। ऐसा माना जाता था कि पहली ट्रेन पटरी से उतर गई थी और इसके कुछ डिब्बे पलट गए और विपरीत ट्रैक में गिर गए थे, जहां वे दूसरी ट्रेन से टकरा गए थे। हादसे में एक मालगाड़ी भी चपेट में आ गई। देखिए, यह तो कोई भी मानेगा कि दुनिया भर में हर क्षण कहीं न कहीं कोई न कोई हादसा हो ही रहा है। तेज़ रफ्तार की ज़िंदगी में यह अनहोनी भले हो मगर हो रही है, तो हो रही है। असल में 'ज़ीरो एक्सीडेंट' एक आदर्श है एक गोल है। लेकिन, इसे हासिल करना तो असंभव है। ज़रूरत इस बात की है कि हादसों को न्यूनतम किया जाए। इसके अलावा कितनी जल्दी से जल्दी हादसे के शिकार लोगों तक उचित मदद पहुँचाई जाए। रेल दुर्घटनाओं में प्रायः देखा गया है कि घटनास्थल पर सरकारी मदद, डॉक्टर नर्स, एक्सीडेंट रिलीफ़ ट्रेन, हेलीकाप्टर, नेताओं से पहले वहां पर तमाशबीन खड़े हो जाते हैं। ये बचाव कार्यों को बाधित भी करते हैं। हां, इन्हीं में से समझदार लोग आनन-फानन में कुछ घायलों की मदद को भी आते हैं। दिल से मदद करते भी हैं। अपनी जी-जान लगा देते हैं। जबकि तमाशबीन सिर्फ वहां पर मदद करने वालों के काम में व्यवधान डाल रहे होते हैं और अपने मोबाइल से वीडियो बना रहे होते हैं । इस बीच,एक बात यह भी जान लें कि जीरो एक्सीडेंट की स्थिति तक पहुंचना मुश्किल तो है पर नामुमकिन नहीं है। रेल हादसे कहां नहीं होते। दुनिया के हरेक देश में रेल हादसे होते हैं। पर इन्हें रोका जाना चाहिए। इस लिहाज से कोशिशें भी होती हैं। पर सफलता तो नहीं मिलती। चीन में जुलाई 2011 में हुई रेल दुर्घटना की बात करेंगे। दरअसल, चीन के शहर वेनजुओ में दो हाई-स्पीड ट्रेनों के आमने-सामने से टकराने पर 40 यात्रियों की मौत हो गई थी। इस रेल दुर्घटना में 172 लोग जख्मी भी हुए थे। हादसे के तुरंत बाद चीन के रेल मंत्री को पद से हटा दिया गया। नए रेल मंत्री ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य संभाला। इसके बाद दुर्घटना की जांच की गई। रेल हादसे की जांच में पाया गया कि दुर्घटना रेलवे सिग्नल सिस्टम में खामी की वजह से हुआ। आगे की जांच में पाया गया कि सिग्नल सिस्टम का कॉन्ट्रैक्टर देने के लिए रेल मंत्री और अधिकारियों ने भ्रष्टाचार किया था। इसके लिए ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा से समझौता तक किया गया। इसी कारण यह हादसा हुआ और यात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी। बहरहाल, उड़ीसा रेल हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए सी.बी.आई. जांच शुरू हो गई है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को भी उम्र कैद या मौत की सजा मिलनी चाहिए। जांच पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए। इस लिहाज से किसी भी तरह की किसी को रियायत नहीं मिलनी चाहिए। अब बिहार में भागलपुर जिले में हुए हादसे का रुख कर लेते हैं। सबको पता है कि गंगा नदी के ऊपर बन रहा एक बड़ा पुल गिर गया। इसका एक स्लैब भी एक साल पहले ही टूट कर गिर गया था। उसी समय सख्त कारवाई होनी चाहिये थी, जो किसी कारण से नहीं की गईं I खगड़िया के अगुवानी-सुल्तानगंज के बीच गंगा नदी पर इस पुल का निर्माण हो रहा है। लेकिन पुल निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। इसी का नतीजा है कि यह पुल गंगा नदी में गिर गया। पुल के तीन पिलर भी नदी में समा गए। अब इस केस की भी जांच होगी। यह दूसरी बार है जब पुल गिरा है। बस इतनी सी गनीमत रही कि जिस वक्त हादसा हुआ, उस वक्त काम बंद हो चुका था। इस वजह से पुल पर कोई मजदूर नहीं था। जैसे ही पुल ताश के पत्तों की तरह गंगा में गिरा, नदी के पानी की कई फीट ऊंची लहरें उठीं। इधर भी उसी नियम के तहत दोषियों पर कार्रवाई हो जैसी रेल हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर होगी। देखिए अब देश को करप्शन के मसले पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। करप्शन और काहिली देश को दीमक की तरह से खाए जा रही है। जो भी करप्शन करता पकड़ा जाए या अपने काम में काहिली करे उसे तो सीधे टांग देना चाहिए। आखिर कब तक देश भ्रष्ट और निकम्मे लोगों को लेकर मानवीय रवैया अपनाता रहेगा। यह नहीं चल सकता।

इसका अंत तो होना ही चाहिए। करप्शन के सवाल पर देश को जीरो टोलरेंस की नीति पर चलना ही होगा। दूसरा विकल्प हमारे पास नहीं हैं। पिछले साल गुजरात के मोरबी जिले में पुल टूटा था। हादसे के वक्त पुल पर 300 से अधिक लोग मौजूद थे। 233 मीटर लंबा यह पुल करीब सौ वर्ष पुराना था। हादसे में बहुत से लोगों की जानें चली गईं थीं। जिनमें अधिकांश महिलाएं एवं बच्चे थे।

नंदा देवी मंदिर अल्मोड़ा

नंदा देवी उत्तराखंड की बहुमान्य और बहु पूज्य देवी है। उत्तराखंड के दोनों मंडलों (कुमाऊं और गढ़वाल) में पूज्य देवी है नंदा। उत्तराखंड वासियों का माँ नंदा के साथ ऐसा रिश्ता है , शायद देश में किसी भक्त और उसके आराध्य का हो। कोई इन्हे अपनी बेटी मानता है , कोई बहिन ! मानवीय रिश्तों में बांध कर देवी माँ को प्रेम और स्नेह के बंधन में बांधना भक्ति का एक अलग ही रूप है। यह देवी कत्यूर पंवार और चांद वंशों की कुलदेवी के रूप में पूजित है। कत्यूरी वंश की सभी शाखाओं में जिया रानी को नंदा देवी का अवतार मानते हैं। पर्वतराज हिमालय की पुत्री आदिशक्ति माँ पार्वती के रूप नंदा देवी की हिमवन अर्थात पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में विशेष मान्यता रही है। पौराणिक साहित्य के अनुसार वाराह पुराण नंदा देवी के नाम का अर्थ बताते हुए कहा गया है कि ," देवी के इस रूप का हिमवन में आनंद पूर्ण विचरण करने की वजह से इसे नंदा नाम से उद्घोषित किया गया है। उत्तराखंड के बारे में वर्णित स्कंदपुराण के मानस खंड और केदारखंड में नंदा "दारुमूर्तिसमासीना ' कहा गया है। इसका अर्थ है ,नंदा देवी का प्रतिनिधित्व काष्ठ पर ही किया जाता है। इसी परम्परानुसार अल्मोड़ा और नैनीताल के नंदा महोत्सव में कदली वृक्ष पर नंदा की मूर्ति बनाई जाती है।

अल्मोड़ा नंदादेवी मंदिर का इतिहास –

अल्मोड़ा में की मूर्ति स्थापना के बारे में कहा जाता है ,कि देवी नंदा की यह मूर्ति पहले गढ़वाल के जूनियागढ़ के किले में थी। सन 1617 के आस पास चंद राजा बाजबाहदुर चंद इस किले को जीतने के बाद ,इस मूर्ति को अल्मोड़ा ले आये। वहां मल्ला महल के अंदर एक मंदिर बनाकर इस मूर्ति को स्थापित कर दिया। और यहाँ इसकी रोज पूजा होने लगी और नंदाअष्टमी को इसका वार्षिकोत्सव मनाया जाता था। किन्तु सन 1815 में अंग्रेजों और गोरखों के संघर्ष में ,मल्ला महल के भवनों के साथ माँ नंदा देवी का मंदिर भी शतिग्रस्त हो गया। इस कारण नंदा का वार्षिक उत्सव शने शने कम हो गया। बाद में पूजा मात्र औपचारिकता रह गई। जनता ने अंग्रेजों से माँ नंदा के नए मंदिर के लिए काफी आग्रह किया लेकिन उन्होंने इसकी परवाह किये बिना 1832 में इसे पूर्णतः सिविल अधिकारीयों का केंद्र बना दिया।

कहते हैं कि अंग्रेजों के इस व्यवहार से देवी नंदा रुष्ट थी। तत्कालीन अंग्रेज कमिश्नर ट्रेल साहब ,पिंडारी -मिलम यात्रा पर थे तो, अचानक उनकी आँखों की रौशनी चली गई। पंडितों ने इसे देवी का प्रकोप कहकर ,उन्हें नए मंदिर की स्थापना का सुझाव दिया। इसके बाद नंदा देवी के वर्तमान परिसर में शिव मंदिर के साथ नंदा का मंदिर बनवाकर , मूर्ति को मल्लामहल से यहाँ लाकर प्रतिष्ठित किया गया। कहा जाता है कि ,इसके बाद आश्चर्यजनक रूप से ट्रेलसाहब के आँखों की रोशनी लौट आई थी।

कहते है ,देवी की वर्तमान मूर्ति ,मूल मूर्ति नहीं है , जिसे राजा बाज बाहदुर चंद जूनागढ़ से लाये थे। अष्टधातु से निर्मित वह मूर्ति चोरी हो गई थी। उसके बाद चंदवंशीय आनदं सिंह ने माँ नंदा की नयी मूर्ति का निर्माण करवाया था। उसे यहाँ स्थापित करवाया था। वर्तमान में इसी मूर्ति का पूजन होता है। राज उद्योतचंद द्वारा 1690 -91 में बनाया गया उद्योत डीप चंद्रशेखर मंदिर वर्तमान में अल्मोड़ा का नंदादेवी मंदिर कहलाता है।

नंदा देवी की कथा –उत्तराखंड में नंदा देवी की अनेक कहानियाँ प्रचलित हैं। क्युकी नंदा ,गढ़वाल के परमार वंश ,कुमाऊं के कत्यूर वंश और चंद वंश की कुल देवी मानी जाती है। इसलिए नंदा देवी को राजराजेश्वरी भी कहा जाता है। सभी राजवंशों में नंदादेवी के बारे में अलग अलग कहानियाँ प्रचलित हैं।

नंदा को किसी चंदवंशीय राजा की पुत्री कहा गया है। कहा जाता है कि , यह राजा हिमालय की पुत्री माँ पार्वती का अनन्य भक्त था। उसकी कोई संतान न होने के कारण वह राजा उदास रहने लगा। एक दिन उसकी भक्ति से खुश होकर माँ पार्वती ने उसके स्वप्न में आकर कहा , कि मै तुम्हारी अगाध भक्ति से अति खुश हूँ। मै एक बार तुम्हारे घर में पुत्री के रूप में जन्म लूंगी। राजा की नींद खुली तो ,वह ख़ुशी के मारे रोमांचित हो गया। उसने बात अपनी महारानी को भी बताई। माँ पार्वती ने अपने वचनानुसार ,भाद्रपद मास की शुक्लपक्ष की अष्टमी को एक दिव्यकन्या के रूप में रानी के गर्भ से जन्म लिया। जन्म के ग्यारहवे दिन विधि विधान से उसका नामकरण किया गया। राजा ने उस दिव्य कन्या का नाम अपने राज्य के सबसे ऊँचे शिखर नंदाकोट के नाम पर नंदा रखा। चंद साम्राज्य ने इस दिन को हर्षोउल्लास से मनाया। उसके बाद प्रतिवर्ष नंदाष्टमी को यह उत्सव मनाये जाने लगा। कालान्तर में यह उत्सव अल्मोड़ा का लोकोत्सव या अल्मोड़ा का नंदा देवी का मेला के रूप में मनाये जाने लगा। यधपि यह चंदो और उनकी राजधानी अल्मोड़ा में ही केंद्रित था , लेकिन बाद में इसमें नैनीताल का लोकोत्सव भी जुड़ गया। एक अन्य जनश्रुति के अनुसार ,कत्यूरवंशी राजा कीर्तिवर्मन देव की पत्नी का नाम नंदा था। वह सीता और सावित्री के सामान पवित्र थी। नंदा देवी के बारे में गढ़वाल में प्रचलित लोकगाथाओं में इन्हे चांदपुर के राजा भानुप्रताप की पुत्री तथा धारानगरी के राजा कनकपाल की धर्मपत्नी बताया गया है। कहते हैं यह अपने दैवीयगुणों के कारण देवी के रूप में पूजी जाने लगी। वही नंदा देवी के बारे में गढ़वाल की दूसरी लोकगाथा में नंदा को हिमालय की पुत्री और चांदपुर राजा की पुत्री की सखी व धर्म बहिन होने के कारण इसे गढ़वाल की पुत्री के रूप में पूजा जाने लगा।

मुख्यतः नंदादेवी का सम्बन्ध हिमालय और माँ पार्वती से माना जाता है। हिमालयी क्षेत्र (गढ़वाल कुमाऊं) उसका मायका और ,हिमालय, नंदा पर्वत ,कैलाश पर्वत उसका ससुराल माना जाता है। एशिया की सबसे कठिन व बड़ी पैदल धार्मिक यात्रा नंदा राज जात इसी कहानी के आधार पर होती है। अर्थात नंदा को ससुराल छोड़ने की परम्परा को राज जात के रूप में मनाया जाता है।

सड़क मार्ग से मां नंदा देवी

सड़क मार्ग से मां नंदा देवी का मंदिर की यात्रा आसानी से की जा सकती है। सड़क मार्ग के माध्यम से भीमताल भवाली होते हुए अल्मोड़ा के रास्ते माता के पावन धाम में पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग के माध्यम से मां नंदा देवी मंदिर

प्यारे पाठक को रेल मारे के माध्यम से मां नंदा देवी की यात्रा करना थोड़ा कठिन हो सकता है लेकिन बताना चाहेंगे कि नंदा देवी मंदिर का नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम है यहां से आप अल्मोड़ा पहुंचने के लिए प्राइवेट टैक्सी और बस के माध्यम से भी यात्रा कर सकते हैं।

हवाई मार्ग से नंदा देवी मंदिर

वायु मार्ग के माध्यम से नंदा देवी मंदिर पहुंचने के लिए हम सभी को अपने नजदीकी एयरपोर्ट से पंतनगर हवाई अड्डा पहुंचने की जरूरत है। मां नंदा देवी मंदिर का नजदीकी एयरपोर्ट पंतनगर एयरपोर्ट है जहां से हल्द्वानी की दूरी 27 किलोमीटर है जबकि हल्द्वानी से अल्मोड़ा लगभग 94 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस बचे हुए सफर को आप टैक्सी और बस के माध्यम से भी कर सकते हैं।

बुध ने किया वृषभ राशि में प्रवेश

ग्रह गोचर की चाल बदलते ही उसका असर सभी राशियों पर पड़ता है। कई राशि के ऊपर सकरात्मक प्रभाव पड़ता है तो कुछ के ऊपर नकरात्मक। बैद्यनाथधाम के ज्योतिषाचार्य के अनुसार, ग्रहों के युवराज बुध 7 जून रात्रि 7 बजकर 58 मिनट पर वृषभ राशि में प्रवेश कर चुका है, जिससे बुधादित्य राजयोग का निर्माण होगा। इसके अलावा, इस वक्त मकर राशि में गज केसरी राज योग का निर्माण भी हुआ है, जिसका प्रभाव भी राशियों पड़ रहा है। वहीं बुध ग्रह का वृषभ राशि में 24 जून को दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहने वाले हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित नन्द किशोर मुदगल ने बताया कि शुक्र की राशि वृषभ में बुध व सूर्य की युति से बुधादित्य राजयोग बना है। इससे वृषभ, सिंह, कन्या, कर्क और मीन राशि के ऊपर सकरात्मक प्रभाव पड़ने वाला है।

वृषभ राशिः वृषभ राशि पर बुधादित्य योग बन रहा है, जिसके कारण इस राशि के जातकों पर विशेष कृपा होगी। कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी और नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि, पदोन्नति और धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। कुवारों के विवाह के लिए रिश्ते आ सकते हैं।

सिंह राशिः इस राशि वालों के लिए कर्म भाव में बुधादित्य योग बन रहा है। इससे पिता से लाभ हो सकता है। पिता का स्वास्थ्य भी ठीक रहने वाला है। इस राशि वालों के कर्म स्थान में बुध का गोचर हो रहा है। जातकों को आर्थिक लाभ होने के प्रबल योग हैं। नौकरी-व्यापार में उन्नति और रुका हुआ धन वापस मिलने के भी योग हैं। करियर में प्रमोशन होगा। अटके काम पूरे हो सकते हैं। वहीं कोर्ट-कचहरी के मामलों में कामयाबी मिल सकती है।

कन्या राशिः कन्या राशि के भाग्य स्थान में बुधादित्य योग बन रहा है। इसलिए जातकों के लिए बुध गोचर का समय शुभ रहने वाला है। इस दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग नाम और प्रतिष्ठा हासिल कर सकते हैं। छात्रों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों के लिए लाभ स्थान में बुधादित्य राजयोग बन रहा है। इससे जातकों के आय में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक लाभ पहुंचेगा। कार्यस्थल पर आपके काम की न सिर्फ सराहना होगी, बल्कि आपको नई जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। इस समय आपके परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। माता की सेहत इस दौरान अच्छी रहने वाली है और आपको उनकी ओर से आर्थिक मदद मिल सकती है। करियर और आर्थिक मामलों में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मीन राशिः इस राशि वालों के लिए तृतीय स्थान में बुधादित्य योग बन रहा है। जातकों का भाई से संबंध अच्छा रहने वाला है। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्यों में फैसला आपके पक्ष में होगा।

कालेश्वर महाराज मंदिर में पेड़ों की लकड़ी तोड़ने या काटने से होती है अनहोनी

यूं तो आपने अनेकों धार्मिक स्थान और उनकी मान्यताओं के बारे में देखा और सुना होगा, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे धार्मिक स्थान के बारे में बताते हैं, जहां पर्वत की चोटी पर कालेश्वर महाराज विराजमान हैं। जिस पहाड़ पर ये स्थान है। उसमें लाखों की संख्या में पेड़ लगे हुए हैं और किसी की मजाल नहीं की इस पहाड़ पर लगे पेड़ों की लकड़ी को कोई तोड़ या काट लें, जिसने भी ऐसा करने की जुर्रत की है उसका अनिष्ट ही हुआ है।

यही वजह है कि छतरपुर जिले के गौरिहार तहसील के प्रकाश बमहौरि गांव के बीच में स्थित पहाड़ में चारों ओर लगे लाखों पेड़ों की हरियाली बेहद ही खूबसूरत और लुभावनी नजर आती है। तो वहीं ऊपर चोटी पर कालेश्वर महराज का मंदिर इस खूबसरती को चार चांद लगाता है। इस स्थान को लेकर ग्रामीण रामनरेश यादव ने मान्यताएं और विशेषता बताई कि यहां पर लाखों पेड़ लगे हैं, पर ऐसी यहां पर मान्यता है कि जो भी इस स्थान पर लगे पेड़ों को काटता या तोड़ता है, उसके साथ अनिष्ट या कहें कि बुरा होता है।

वर्षों से चली आ रही मान्यता

जिस व्यक्ति के द्वारा यहां पर पेड़ या उसकी लकड़ियां काटी जाती हैं। उसके साथ कुछ ही समय बाद उसको स्वयं ही आभास होता है कि उसने इस स्थान की लकड़ी तोड़ी या काटी है, जिससे उसे यह परेशानी हो रही है। फिर पूजा अर्चना के बाद दो-चार 10 दिन में सही हो जाता है। अगर ऐसा नहीं करते तो लकड़ी तोड़ने वाले व्यक्ति की मौत तक हो जाती है। यह मान्यता राजा महाराजा और पूर्वजों के समय से चली आ रही है, जो कि आज भी जारी है।

कालेश्वर महाराज के मंदिर में जो भी सच्चे मन से मनोकामना मांगता है उनकी मनोकामना अवश्य ही वह पूर्ण होती है और कोई भी व्यक्ति यहां से खाली हाथ नहीं जाता। वहीं यह क्षेत्र खनिज संपदा के लिए भी जाना जाता है।

हाथ पर गिर गई है छिपकली? घबराएं नहीं, हो सकता है शुभ संकेत

हमारे घर में हमारे अलावा कई ऐसे जीव भी रहते हैं जिनका प्रत्यक्ष रूप से हमारा कोई लेना-देना नहीं होता परंतु वे मौजूद होते हैं।

इन्हीं में से एक है छिपकली। जिसे देखकर कई लोगों को डर लगता है तो कुछ लोगों को घृणा भी होती है। परंतु क्या आप जानते हैं यदि आपके ऊपर छिपकली गिर जाए तो इसके क्या मायने होते हैं। शकुन शास्त्र में इस बात का विस्तार से उल्लेख मिलता है कि यदि आपके हाथ पर छिपकली गिर जाती है तो ये शुभ होता है या अशुभ, इसके क्या मायने हैं?

शरीर पर छिपकली गिरने का महत्व

शकुन शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति के ऊपर छिपकली गिरती है तो इसे शुभता का प्रतीक माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार जब छिपकली गिरती है तो धन लाभ के योग बनते हैं। शरीर पर छिपकली का गिरना मान सम्मान में बढ़ोत्तरी की तरफ भी इशारा करता है। कहा जाता है कि जब शरीर पर छिपकली गिरती है तो नए कपड़े की प्राप्ति हो सकती है।

पुरुष के हाथ पर छिपकली का गिरना

शकुन शास्त्र के अनुसार छिपकली का महिला और पुरुष के ऊपर गिरने के अलग-अलग अर्थ निकलते हैं। यदि किसी पुरुष के बाएं हाथ पर छिपकली गिरती है तो इसका मतलब होता है कि उस व्यक्ति को संपत्ति में हानि हो सकती है या फिर उस व्यक्ति की संपत्ति छिन सकती है। वही यदि उस पुरुष के दाएं हाथ पर छिपकली गिरती है तो यह बेहद शुभ माना जाता है। ये इशारा है अचानक धन प्राप्ति का।

महिला के हाथ पर छिपकली का गिरना

शकुन शास्त्र के अनुसार यदि किसी महिला के बाएं हाथ पर छिपकली गिरती है तो यह एक अशुभ संकेत होता है। इसमें महिला को धन हानि के संकट से गुजरना पड़ता है। वहीं यदि छिपकली किसी महिला के दाएं हाथ पर गिरती है तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। छिपकली का दाएं हाथ पर गिरना माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होने का संकेत माना जाता है। यह संकेत है कि आपको बिजनेस में अच्छा खासा फायदा हो सकता है।

अनमोल वचन

खेल चाहे कितने ही बदल लो लक्ष्य केवल विजय पर ही होना चाहिए।"

2. जिस व्यक्ति के विचार महान हैं , उससे श्रेष्ठ व्यक्ति कोई हो नहीं सकता।"

3." कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए।"

4. " हालात कितने ही खराब क्यों ना हो , जीत की लालसा मन में होनी चाहिए।"

6." बदले की भावना में जीने वालों का चरित्र भी बदल जाता है।"

7." जो समय बर्बाद करते हैं , वह स्वयं को बर्बाद करते हैं।"

8." समस्या जिसकी होती है , समाधान भी उसी के पास होता है।"

9. " छोटी असफलता से जो घबरा जाता है , वह जीवन भर मूक दर्शक बना रहता है।"

10." अपने हृदय को पवित्र रखने के लिए , सदैव दूसरों का उपकार करते रहें।"

भरमौर में यमराज का दरबार? मृत्यु बाद आत्मा की लगती पेशी, 4 दरवाजों से जाते हैं स्वर्ग-नरक

यमराज का नाम सुनते ही मृत्यु का भय मन में आता है। जीवन-मरण के चक्र में यमराज मृत्यु बाद जीवात्मा को लेने के लिए आते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आत्मा को उसके कर्मों के अनुसार स्वर्ग या फिर नरक भोगना पड़ता है। यमराज को काल भी कहते हैं, वे मृत्यु के देवता हैं। चित्रगुप्त सभी मनुष्यों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। हिमाचल प्रदेश में यमराज का एक मंदिर है, जहां पर मृत्यु के बाद आत्माओं की पेशी होती है और उनको कर्म के अनुसार स्वर्ग या नरक में भेजा जाता है। उस मंदिर में 4 दरवाजे हैं, जिससे स्वर्ग और नरक का मार्ग निकलता है। आइए जानते हैं यमराज के इस अनोखे मंदिर के बारे में।

कहां है यमराज का मंदिर?

मृत्यु के देवता यमराज का मंदिर हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भरमौर में है। इस मंदिर में जाने से लोग कतराते हैं। लोक मान्यता है कि मृत्यु होने पर आत्मा पृथ्वी पर सबसे पहले इस मंदिर में आती है। इस वजह से लोग यमराज के मंदिर में जाने से डरते हैं।

यहां लगता है यमराज का दरबार

कहा जाता है कि हिमाचल के इस प्राचीन मंदिर में यमराज का दरबार लगता है। यम के दूत आत्माओं को लाकर यमराज के समक्ष पेश करते हैं। तब उनकी कचहरी में चित्रगुप्त उन आत्माओं के कर्मों का हिसाब करते हैं। लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाता है।

यमराज करते हैं स्वर्ग-नरक का फैसला

कर्मों का लेखा-जोखा देखने के बाद यमराज इस बात का फैसला करते हैं कि कौन सी आत्मा को स्वर्ग का सुख प्राप्त होगा और किस आत्मा को नरक के दुख भोगने होंगे। उनके फैसले के बाद यम के दूत आत्मा को स्वर्ग या नरक में भेजते हैं।

4 दरवाजों से होकर जाता है स्वर्ग-नरक का रास्ता

लोक मान्यताओं के अनुसार, यमराज के इस मंदिर में 4 अदृश्य दरवाजे हैं। ये चारों दरवाजे सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं। उन चार दरवाजों से होकर ही स्वर्ग और नरक का रास्ता

निकलता है। यमराज के फैसले के बाद यम दूत आत्माओं को इन्हीं चार दरवाजों से लेकर स्वर्ग या नरक में जाते हैं। जो पुण्य आत्मा हैं, जिन्होंने अपने जीवन में केवल पुण्य कर्म ही किए होते हैं, उनको सोने से बने दरवाजे से लेकर जाते हैं। जो व्यक्ति पूरे जीवन पाप किया होता है, उसकी आत्मा को लोहे के दरवाजे से लेकर जाते हैं। गरुड़ पुराण में भी यमराज दरबार में चार दिशाओं में स्थित चार दरवाजों के बारे में बताया गया है।

मंदिर में है यमराज और चित्रगुप्त का कमरा

मंदिर में एक खाली कमरा है। लोगों का मानना है कि मृत्यु के देवता यमराज इस कमरे में ही रहते हैं। उस कमरे के बगल में ही एक और कमरा है, जिसमें कर्मों का हिसाब करने वाले चित्रगुप्त निवास करते हैं।

मंदिर में कोई नहीं करता प्रवेश

यम के इस मंदिर में कोई भी प्रवेश नहीं करता है। लोग बाहर से ही यमराज की पूजा करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करके वापस चले जाते हैं।

शिल्पा शेट्टी का विवादों से पुराना नाता

गैर जमानती वारंट से रिचर्ड गेरे के किस करने तक- इन बातों पर मचा बवालबॉलीवुड गैर जमानती वारंट से रिचर्ड गेरे के किस करने तक- इन बातों पर मचा बवालबॉलीवुड

शिल्पा शेट्टी को यह कोई पहला मौका नहीं जब बॉलीवुड अभनेत्री का नाम विवादों से जुड़ा है। पति राज कुंद्रा के अश्लील कंटेंट केस को लेकर चर्चा में हैं शिल्पा शेट्टीअब तक मामले में एक्ट्रेस को बहुत ट्रोल किया गया। पति राज कुंद्रा के पोर्नोग्राफिक कंटेंट के मामले को लेकर शिल्पा शेट्टी की जिंदगी ने एक बड़ा मोड़ लिया है। हंगामा 2 के साथ सिल्वर स्क्रीन धमाका करने वाली अभिनेत्री के रूप में, उन्हें एक बड़े व्यक्तिगत संकट का सामना करना पड़ रहा है।

एक्ट्रेस के पति राज कुंद्रा को मोबाइल ऐप के जरिए अश्लील कंटेंट प्रसारित करने और स्ट्रीमिंग करने के आरोप में गिरफ्तार हुए थे। अभिनेत्री से दो बार पूछताछ की जा चुकी है, एक बार पुलिस थाने में और दूसरी बार 23 जुलाई को उनके घर पर छापेमारी के दौरान। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब शिल्पा विवाद में फंसी हैं, इस तरह की चीजों से एक्ट्रेस का पुराना नाता रहा है।

आइए उन पर एक नजर डालते हैं:

शिल्पा के खिलाफ जारी हुआ था गैर जमानती वारंट

2006 में वापस, मदुरै अदालत ने शिल्पा शेट्टी और अभिनेत्री रीमा सेन के खिलाफ 'अश्लील प्रस्तुति करने' के लिए गैर-जमानती वारंट जारी किया था। याचिकाकर्ता, मदुरै में एक वकील दक्षिणामूर्ति ने दायर किए पेपर में कहा था कि दिसंबर 2005 और जनवरी 2006 में अपने मामलों में एक्ट्रेस की तस्वीरों में बहुत अश्लीलता जोड़ी गई है।'

उस समय, टीओआई के साथ बातचीत में, शिल्पा ने कहा था, 'जहां तक मेरी तस्वीरों की बात है, इसमें अश्लील क्या है? अगर नाभि दिखाना अश्लीलता है, तो हमारे पारंपरिक भारतीय पहनावे- पारंपरिक साड़ी - पर सबसे पहले प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।'

बिग ब्रदर विवाद:

शिल्पा ब्रिटिश रियलिटी टेलीविजन सीरीज सेलिब्रिटी बिग ब्रदर की पांचवीं सीरीज का हिस्सा थीं। इस दौरान, उन्हें शो में उनके साथ शामिल डेनिएल, जेड और जो की ओर से कथित नस्लवादी व्यवहार का सामना करना पड़ा था।

यहां तक कि कई मौकों पर शिल्पा की आंखों में आंसू भी आ गए। बाद में उन्होंने सीजन जीता।

रिचर्ड गेरे चुंबन घटना:

साल 2007 में एक एड्स जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रीटी वुमन स्टार रिचर्ड गेरे शिल्पा शेट्टी को गले लगाकर बार बार गाल पर किस किया था और इस घटना ने एक बड़े विवाद को जन्म दे दिया था। एक बड़े पैमाने पर विरोध का पालन गुस्से में आया।

26 अप्रैल 2007 को, राजस्थान की एक भारतीय अदालत ने शेट्टी और गेरे की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया लेकिन बाद में भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय ने बाद में इस मुकदमे को खारिज कर दिया।

रंगदारी का मामला

2003 में शिल्पा शेट्टी की मां सुनंदा ने कथित तौर पर प्रफुल साड़ी के मालिक, सूरत के शिवनारायण अग्रवाल के साथ विवाद को निपटाने के लिए बैंकॉक स्थित डॉन फजलुर-रहमान को काम पर रखा था। उस समय, अभिनेत्री के माता-पिता पर जबरन वसूली का आरोप लगा था।

आदिपुरुष को देख क्या नितेश तिवारी ने ठंडे बस्ते में डाली 500 करोड़ी रामायण!!

हाल ही में खबर आई है की रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर फिल्म रामायण को होल्ड पर रख दिया है। इस बात की जानकारी खुद फिल्म के डायरेक्टर नितेश तिवारी ने दी है। हाल ही में खबर आई है की रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर फिल्म रामायण को होल्ड पर रख दिया है। इस बात की जानकारी खुद फिल्म के डायरेक्टर नितेश तिवारी ने दी है। टाइम्स नाउ नवभारत की इस खास रिपोर्ट में जानिए क्या है पूरा मामला।

डायरेक्टर नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड फिल्म रामायण इस साल की शुरुआत से सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्मों को लेकर कोई ना कोई खबर सामने आती रहती है। हाल ही में फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है कि फिल्म होल्ड पर चली गई है। इस बात की जानकारी खुद डायरेक्टर के नितेश तिवारी ने दी है। फिल्म के ये खबर सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रही है। इस खास रिपोर्ट में जानिए क्या है पूरा मामला।

नितेश तिवारी निर्देशक में बनने जा रही फिल्म रामायण को होल्ड पर रख दिया है। इस बात की जानकारी देते हुए खुद नितेश ने बताया है की वो इस समय अपनी आने वाली फिल्म बवाल पर फोकस करेंगे। फिल्म बवाल में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर साथ नजर आने वाले हैं। वरुण धवन स्टारर फिल्म 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के बाद नितेश वो रामायण पर फोकस करेंगे। जानकारी के लिए बता दें कि नितेश तिवारी बॉलीवुड इंडस्ट्री को दंगल, बरेली की बर्फी और छिछोरे जैसी फिल्में दे चुके हैं। अब देखना ये होगा की इतनी हिट फिल्में दे कर क्या डायरेक्टर की आने वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर पाएंगी।

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर और साई पल्लवी नजर आने वाले है। जहां एक तरफ रणबीर कपूर राम का किरदार निभांएगे। वहीं दूसरी तरफ साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता का किरदार निभाएगी। 'रामायण' के बारे में पहले यह बताया गया था कि निर्माता सीता की भूमिका निभाने के लिए दीपिका पादुकोण के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी के साथ ऋतिक रोशन को रावण का रोल ऑफर किया जा रहा था। लेकिन अब फिल्म को 2023 की गर्मियों तक बंद कर दिया गया है।

उर्वशी रौतेला ही बनेंगी परवीन बॉबी, अब मेकर्स आये सामने

हाल ही में परवीन बॉबी के मेकर धीरज मिश्रा फिल्म की लीड एक्ट्रेस को खुलासा किया है। मेकर ने बताया है की उर्वशी रौतेला ही इस फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। हाल ही में परवीन बॉबी के मेकर धीरज मिश्रा फिल्म की लीड एक्ट्रेस को खुलासा किया है। मेकर ने बताया है की उर्वशी रौतेला ही इस फिल्म के लिए परफेक्ट हैं। परवीन बॉबी के रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन कुछ समय बाद एक अंग्रेजी न्यूज पोर्टल ने अपनी जांच में इस दावे पर गलत की मोहर लगा दी थी। अब फिल्म के मेकर धीरज मिश्रा ने खबर बयान दिया है।

हाल ही में परवीन बॉबी पर बन रही बायोपिक के मेकर धीरज मिश्रा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया है कि उर्वशी रौतेला से पहले हम लोग सोनाक्षी सिन्हा और श्रद्धा कपूर के नाम पर विचार कर रहे थे। लेकिन जब हम लोगों ने उर्वशी रौतेला का एक म्यूजिक वीडियो 'बिजली की तार' में उन्हें 'जवानी तेरी बिजली की तार है' पर परफॉर्म करते देखा तभी हमने तय कर लिया कि उर्वशी रौतेला ही परवीन बाबी की भूमिका निभाएंगी। उनका लुक परवीन बाबी से काफी हद तक मिलता जुलता है। और फिर, हमें परवीन बाबी की भूमिका के लिए ऐसी लड़की चाहिए थी जिसने ज्यादा फिल्में न की हो।

बायोपिक पर काम करने को लेकर के धीरज मिश्रा ने बताया कि मैं बायोपिक पर कोविड से पहले काम कर रहा हूं। इस फिल्म के लिए मैंने एक्ट्रेस के कई रिश्तेदारों से बात की थी। इसी के साथ बी आर इशारा भी परवीन जी के बारें में कई किस्से सुनाया करते थे। जानकारी के लिए बता दें की इस बायोपिक से पहले पहले महेश भट्ट ने वो लम्हे और फिर तेरी कहानी याद आए जैसी फिल्म बना चुके हैं। दरअसल महेश भट्ट ने एक समय पर परवीन बॉबी को डेट किया था।

आदिपुरुष को मिला 'द कश्मीर फाइल्स' के प्रोड्यूसर का समर्थन, फिल्म की 10,000 टिकट दान करेंगे अभिषेक

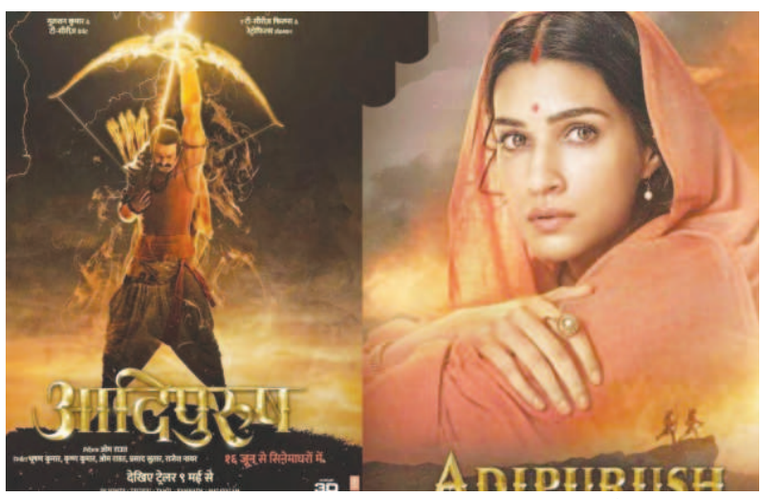

प्रभास की मेगाबजट फिल्म आदिपुरुष इस महीने रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को लेकर मेकर्स और फैंस दोनों एक्साइटेड हैं। प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान की फिल्म 'आदिपुरुष' को रिलीज से पहले 'कार्तिकेय 2' और 'द कश्मीर फाइल्स' के प्रोड्यूसर की ओर से तोहफा मिला है। दरअसल निर्माता ने 'आदिपुरुष' की 10 हजार टिकट खरीदे हैं और श्रीराम के नाम पर दान करने का फैसला लिया है। इस फिल्म को तान्हाजी फेम ओम राउत ने डायरेक्ट किया है।

टिकटें करेंगे दान

कार्तिकेय 2 के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल ने बुधवार को एलान किया कि वह प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' की 10000 टिकट लेकर उनका दान करेंगे। उन्होंने ट्विटर पर इस बारे में ऑफिशियल पोस्ट भी किया है। उन्होंने कहा, आदिपुरुष को सेलिब्रेट करने का मौका है। श्रीराम के प्रति मेरी भक्ति और आस्था के चलते मैंने तय किया है कि मैं आदिपुरुष के दस हजार टिकटें खरीदूंगा और तेलंगाना के सरकारी स्कूल, अनाथालय व वृद्धाश्रम दान करूंगा। अगर आप टिकट पाना चाहते हैं तो कृपा फॉर्म को भरें।'

सराहनीय कदम

अब अभिषेक अग्रवाल के इस कदम की प्रभास ने बहुत सराहना की है। उन्होंने लिखा, 'सर ये वाकई सराहनीय कदम है।' वहीं तमाम फैंस ने भी अभिषेक अग्रवाल का सपोर्ट किया। बता दें कि, आदिपुरुष के मेकर्स ने एलान किया है कि वह हर थिएटर में हनुमान जी के लिए एक सीट खाली रखेंगे।

'विंक गर्ल' प्रिया प्रकाश वारियर की गई याद्दाश्त? डायरेक्टर उमर लुलु ने दवा बता लगाई क्लास

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर की फिल्म 'ओरु अदार लव' की एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई, और देखते ही देखते प्रिया नेशनल क्रश बन गईं। वर्ष 2018 की इस फिल्म के गाने में प्रिया के आंख मारने के तरीके ने लोगों के दिलों पर कहर बरपा दिया। हालांकि, फिल्म रिलीज के पांच वर्ष बाद प्रिया ने सीन को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे इसके डायरेक्टर उमर लुलु भड़क उठे हैं। आइए जान लेते हैं कि पांच वर्ष बाद 'विंक गर्ल' के किस बयान ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया है-

प्रिया प्रकाश वारियर ने अपने हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि फिल्म 'ओरु अदार लव' से वायरल हुए उनके गाने के सीन में विंक करने का आइडिया उन्हीं का था। मूवी के गाने 'माणिक्य मलाराया पूवी' में प्रिया के आंख मारने के अंदाज को लोगों ने इस कदर पसंद किया कि वह नेशनल क्रश बन गईं। वहीं, प्रिया के ताजा बयान ने उन्हें वापस से लाइमलाइट में ला दिया है, और एक्ट्रेस के दावे से मूवी के डायरेक्टर उमर लुलु खासा नाराज हैं।

एक्ट्रेस के बयान से भड़के उमर लुलु

उमर लुलु ने प्रिया प्रकाश वारियर पर तंज कसते हुए उनका एक पुराना वीडियो साझा किया है। इसमें प्रिया कहती नजर आ रही हैं कि उन्हें आंख मारने के लिए कहा गया था। इसे शेयर कर उमर ने प्रिया पर तंज कसते हुए लिखा है, 'बेचारा बच्चा पांच साल बाद भूल गया होगा। वल्ल्यचंदानादि (आयुर्वेदिक दवा) मेमोरी लॉस के लिए बेस्ट है।' प्रिया का बयान और लुलु का पलटवार इस समय जबरदस्त सुर्खियों में है। साथ ही फैंस भी इस पर ताबड़तोड़ रिएक्शन दे रहे हैं।

उमर ने कहा कि उन्हें प्रिया और रोशन की विशेषता वाले अधिक दृश्यों के लिए फिल्म की स्टोरी लाइन बदलनी पड़ी थी और उन्होंने अब उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। उमर के अनुसार, 'जब इन बच्चों को कुछ मिलता है जिसके वे हकदार नहीं हैं, तो वे इसे समझ नहीं पाते हैं।' इसके जवाब में प्रिया ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, 'अगर मैं सच बोलना शुरू कर दूं तो कुछ लोगों को परेशानी होगी।' वर्कफ्रंट की बात करे तो, प्रिया प्रकाश वारियर जल्द ही फिल्म 'कोल्ला' में नजर आएंगी।

कबीर खान की अपकमिंग फिल्म पर काम शुरू कार्तिक आर्यन ने शानदार अंदाज में किया शुभारंभ

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में एक्टर के अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आएंगी। इसी बीच कार्तिक को लेकर खबर आई है कि उन्होंने फिल्म निर्माता कबीर खान के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। इस अनटाइटल्ड एक्शन ड्रामा की शूटिंग बुधवार को फिल्म सिटी, गोरेगांव के जोकर मैदान में शुरू हुई। मूवी को लेकर कई बड़े और अहम अपडेट सामने आए हैं।

एक रिपोर्ट की मानें तो डायरेक्टर ने 10 दिनों का शेड्यूल तैयार किया है, जिसके तहत फिल्म के एक्शन सेट-पीस को लॉक किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'शूटिंग की शुरुआत कार्तिक के हाथ से हाथ मिलाने वाले सीक्वेंस के साथ हुई। शेड्यूल को इस तरह से प्लान किया गया है कि शहर में मानसून आने से पहले प्रमुख आउटडोर फाइट सीन शूट किए जाएंगे। इस फिल्म में दंगल देखने को मिलेगा।'

बहुत सारी अटकलों के बाद, जुलाई 2022 में फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई। यह कार्तिक और कबीर के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। फिल्म कथित तौर पर एक अज्ञात नायक के बारे में एक आकर्षक सच्ची कहानी है।

फिल्म को लेकर बीते दिनों कबीर खान ने कहा था कि यह '83' के विपरीत एक ऐसे नायक की कहानी है, जिसके बारे में लोग नहीं जानते हैं। निर्देशक ने कहा कि जिस बात ने मुझे यह कहानी कहने के लिए मजबूर किया वह यह है कि भारतीय होने के नाते आप चौंक जाएंगे कि हम इस व्यक्ति को आखिर कैसे नहीं जानते? जिसने इतना कुछ किया, आखिर उसे हमने कैसे भुला दिया?

इस बीच, कार्तिक आर्यन फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रहे हैं। इस मूवी में एक्टर के अपोजिट बॉलीवुड डीवा कियारा आडवाणी हैं। इससे पहले दोनों को 'भूल भुलैया 2' में देखा गया था, जो सुपरहिट रही थी। वहीं, अब फैंस और मेकर्स को वापस से इस जोड़ी से काफी उम्मीदें हैं। 'सत्यप्रेम की कथा' 29 जून, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को छोड़ आलिया ने थामा इस शख्स का हाथ, खुद बताई पूरी सच्चाई

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पर्सनल लाइफ बीते की दिनों से सुर्खियों में बनी हुई है। बीते दिनों उनके पत्नी आलिया सिद्दीकी ने एक्टर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद अब आलिया की एक और इंस्टाग्राम पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक शख्स के साथ फोटो शेयर की है, जिसे उनका बॉयफ्रेंड बताया जा रहा है। इस फोटो को शेयर करते हुए आलिया ने जानकारी दी है कि उन्हें एक रिश्ते से निकलने में 19 साल से ज्यादा का समय लग गया है। जिसके बाद अब उनकी पहली प्राथमिकता सिर्फ और सिर्फ उनके बच्चे ही हैं। जिसके साथ ही उन्होंने अपने नए रिलेशनशिप की ओर इशारा किया है, आइए इस फोटो पर एक नजर डालते हैं।

'क्या मुझे खुश रहने का हक नहीं है?'

आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक शख्स के साथ सेल्फी अपलोड की है, जिसके बारे में उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए आलिया ने लिखा, 'मैंने जिस रिश्ते को 19 साल से ज्यादा का समय तक बचा कर रखा, उससे निकलने में मुझे काफी समय लगा है। लेकिन मेरी लाइफ में, मेरे बच्चे हमेशा मेरी प्राथमिकता थे, हैं और रहेंगे भी। लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे भी होते हैं जो दोस्ती से भी बड़े होते हैं और ये रिश्ता वही रिश्ता है और मैं उसी से बहुत खुश हूं इसलिए अपनी खुशी आप सबके साथ बांटी। क्या मुझे खुश रहने का हक नहीं है?' अंकित गुप्ता से चोरी-छिपे रचाई सगाई? फोटो शेयर कर कहा- 'मेरी हां है..'

सोशल मीडिया यूजर्स ने किया रिएक्ट

आलिया की इस फोटो पर यूजर्स के मिक्स रिस्पॉन्स सामने आ रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि आलिया यहां विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रही हैं। वहीं कई लोग यहां आलिया का खुलकर सपोर्ट कर रहे हैं।

दादी शर्मिला टैगोर की तरह क्रिकेटर से शादी करेंगी सारा अली खान? एक्ट्रेस ने दिया कड़क जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही एक्ट्रेस से क्रिकेटर संग शादी को लेकर सवाल किया गया है, जिसपर एक्ट्रेस का जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सारा अली खान से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या वह अपनी दादी शर्मिला टैगोर के नक्शे कदम पर चलते हुए एक क्रिकेटर संग शादी करना चाहेंगी, इसपर सारा अली खान ने बड़ा बेहतरीन जवाब दिया है। कुछ समय पहले सारा और इंडियन क्रिकेटर शुभमन गिल को एक साथ स्पॉट किया गया था। जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप की खबरें भी सामने आ रही थी। हालांकि इसपर सारा और शुभमन की तरह से कोई बयान अभी तक सामने नहीं आया है। आइए अब शादी को लेकर सारा अली खान के बयान पर एक नजर डालते हैं।

सारा अली खान

मेरे लिए प्रोफेशन मायने नहीं रखता है

इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान सारा अली खान ने क्रिकेटर संग शादी करने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मेरे लिए ये मायने नहीं रखता की मेरे पति का क्या प्रोफेशन है। वो बिजनेस मैन हो, क्रिकेटर हो, फिल्मस्टार हो, डॉक्टर हो.. नहीं डॉक्टर नहीं वरना वो भाग जाएगा। मायने ये रखता है कि मेरी और मेरे पार्टनर की सोच एक दूसरे से मिलती है या नहीं। प्रोफेशन से ज्यादा कुछ फर्क नहीं पड़ता है। बता दें कि रिलेशनशिप की खबरों के बीच शुभमन गिल और सारा अली खान ने एक दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है।

सारा तेंदुलकर संग रिलेशन में हैं शुभमन गिल

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शुभमन गिल और सारा तेंदुलकर रिलेशनशिप में हैं। हालांकि दोनों ने रिलेशनशिप को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

अभिषेक से शादी किए बिना ही अमिताभ की 'बहू' बन चुकी हैं पाखी हेगड़े, निरहुआ से भी रहा 'सात जन्मों' का कनेक्शन

कभी भोजपुरी तो बॉलीवुड, तमिल और मराठी इंडस्ट्री में अपने अभिनय से धमाल मचा चुकीं पाखी हेगड़े आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. 7 जून के दिन जन्मी पाखी हेगड़े आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. मूलरूप से कर्नाटक से ताल्लुक रखने वाली पाखी ने अपने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा से की थी, लेकिन कामयाबी नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखा और शोहरत की बुलंदियां हासिल कीं. पाखी अब तक बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ तमिल और मराठी इंडस्ट्री में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं.

अमिताभ-जया की 'बहू' बन चुकी हैं पाखी

पाखी ने भोजपुरी फिल्मों में अपना करियर फिल्म बैरी पिया से शुरू किया था. वहीं, फिल्म 'रिक्शावाला आई लव यू' ने उन्हें शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचा दिया. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि पाखी उन चुनिंदा भोजपुरी एक्ट्रेस में से हैं, जिन्होंने अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के साथ काम किया. दरअसल, फिल्म द ग्रेट लीडर में पाखी हेगड़े के सास-ससुर की भूमिका में जया और अमिताभ बच्चन थे. यह बिग बी की चुनिंदा भोजपुरी फिल्मों में से एक थी.

निरहुआ संग जुड़ चुका नाम

बता दें कि निरहुआ ने पाखी हेगड़े के साथ भोजपुरी फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' बनाई. यह निरहुआ की पहली ऐसी फिल्म थी, जो विदेश में रिलीज हुई. जैसे ही यह फिल्म हिट हुई, पाखी हेगड़े और निरहुआ के अफेयर की चर्चा ने भी जोर पकड़ लिया. फैंस ने तो यहां तक दावा कि अपने पति से तलाक लेने के बाद पाखी हेगड़े ने निरहुआ से शादी कर ली. हालांकि, इस मामले में दोनों ने कभी चुप्पी नहीं तोड़ी. बता दें कि फिल्मों में निरहुआ और पाखी ने पति-पत्नी का किरदार इतनी बार निभाया था कि फैंस उन्हें रियल लाइफ की जोड़ी मान बैठे थे.

अपने बर्थडे की गलत तारीख से रहती हैं परेशान

गौरतलब है कि पाखी अपनी बर्थडे की तारीख को लेकर अक्सर परेशान रहती हैं. दरअसल, गूगल पर उनका बर्थडे पांच मार्च को दिखाया जाता है, जो गलत है. वह कहती हैं कि मैं कई बार गूगल पर अपनी बर्थडे डेट ठीक कराने की कोशिश कर चुकी हूं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. अब फैंस मुझे पांच मार्च को भी बर्थडे विश करने लगते हैं.

मिट गई मीना कुमारी और कमाल अमरोही की मोहब्बत की आखिरी निशानी कमालिस्तान स्टूडियो

मुंबई के उपनगर जोगेश्वरी पूर्व में जोगेश्वरी मुलुंड लिंक पर स्थित कमालिस्तान स्टूडियो एक जमाने में सिनेमा जगत की मशहूर हस्तियों का सबसे लकी स्टूडियो हुआ करता था। यहां पर जितनी भी फिल्मों की शूटिंग हुई है, उनमें से ज्यादातर फिल्में सुपरहिट रही है। लेकिन आज की तारीख में इस स्टूडियो का ऐसा हाल हो गया है कि अब इसका नामोनिशान तक मिट चुका है। अभी भी कुछ लोग इस जगह को एक स्टूडियो के नाम से जानते हैं, लेकिन वह दिन दूर नहीं जब यह स्टूडियो भी बॉम्बे टाकीज की तरह से पूरी तरह से भुला दिया जाएगा। कमालिस्तान स्टूडियो की जगह पर अब भव्य आईटी पार्क का निर्माण शुरू हो गया है। 'अमर उजाला' की टीम ने जब कमालिस्तान स्टूडियो का दौरा किया तो देखा अब यह स्टूडियो मलबे में तब्दील हो चुका है।

कमाल अमरोही ने अपने कैरियर की शुरुआत बतौर लेखक सोहराब मोदी की फिल्म 'जेलर' से की। यह फिल्म साल 1938 में रिलीज हुई थी। 'जेलर' के बाद 'पुकार', 'भरोसा', 'पागल' और 'शहजादा' जैसी फिल्में लिखने के बाद कमाल अमरोही को बॉम्बे टाकीज की फिल्म 'महल' निर्देशित करने का मौका मिला। इस फिल्म में अशोक कुमार और मधुबाला की मुख्य भूमिका थी। उस जमाने में यह फिल्म बॉम्बे स्टूडियो की सबसे महंगी फिल्म थी।

कमाल अमरोही ने साल 1958 में कमालिस्तान स्टुडिओ की स्थापना की जो 15 एकड़ में फैला हुआ था।

कमाल अमरोही ने अपने इसी स्टूडियो में उन्होंने 'पाकीजा' जैसी फिल्म का निर्माण और निर्देशन किया। 4 फरवरी 1972 को रिलीज हुई इस फिल्म के रिलीज के दो महीने के अंदर ही 31 मार्च 1972 को मीना कुमारी की मृत्यु हो गई। कमलिस्तान स्टूडियो में अमिताभ बच्चन की कई सुपर हिट फिल्मों की शूटिंग हुई है,जिसमें 'अमर अकबर एंथोनी', 'कालिया', 'धर्मवीर', 'कुली' जैसी कई हिट फिल्में शामिल है। 'रजिया सुल्तान' की शूटिंग के लिए तो यहां पर एक बड़ा सा गार्डन बनाया गया था। तब से लेकर वह गार्डन अभी तक वहां पर रहा, जिसमे कई फिल्मों के गाने की शूटिंग हो चुकी है। उन दिनों कमलिस्तान ही एक ऐसा स्टूडियो था जहां पर लोग रेलवे स्टेशन की शूटिंग करने जाया करते थे। हैदराबाद के रामोजी राव स्टूडियो से पहले मुंबई में जितनी भी फिल्मों की शूटिंग में रेलवे स्टेशन दिखाया गया है, वह कमालिस्तान स्टूडियो का ही रेलवे स्टेशन रहता है।

कमालिस्तान स्टूडियो को ऐसा बनाया गया था कि आप अपनी पूरी फिल्म की शूटिंग इस स्टूडियो में पूरी कर सकते थे। रेलवे स्टेशन के अलावा पुलिस स्टेशन, हॉस्पिटल, गांव का सेट, कस्बा सब कुछ इस स्टूडियो में मौजूद था। पिछले 61 साल में कमालिस्तान स्टूडियो में हिंदी, भोजपुरी और अन्य भाषाओं की तमाम फिल्मों की शूटिंग हुई । महेश भट्ट और सुभाष घई जैसे निर्माता - निर्देशक के लिए कमालिस्तान स्टूडियो लकी जगह होता था। अपनी हर फिल्म की शूटिंग तो ये लोग करते ही थे। बताते हैं कि स्टूडियो साल 2010 में ही बिक चुका था, लेकिन यहां पर साल 2019 तक शूटिंग चलती रहती। कोरोना महामारी के दौरान अक्षय कुमार ने कोरोना के प्रति जागरूक करने वाला विज्ञापन इसी स्टूडियो में शूट किया था। कोरोना के बाद से इस स्टूडियो का अब नामोनिशान तक मिट गया और यहां पर आईटी पार्क का निर्माण कार्य शुरू हो गया। कमालिस्तान स्टूडियो के नाम से पहले जो बोर्ड था, अब उसे भी हटा दिया गया। कमलिस्तान स्टूडियो के गेट पर कुछ पुराने सुरक्षाकर्मी मिले बातचीत का जब सिलसिला शुरू हुआ तो उन्होंने बताया, 'कोरोना महामारी के बाद से अब यहां शूटिंग नहीं होती होती है। यह स्टूडियो तो कब का बिक चुका है।' बोर्ड की तरफ इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'वो देखिए, वो कंपनी वालों ने ये जगह खरीद ली है। अब वह लोग यहां कुछ बनाने वाले हैं।'

निर्माता -निर्देशक कमाल अमरोही की मृत्यु के बाद उनके बेटे ताजदार अमरोही स्टूडियो का संचालन कर रहे थे। ताजदार अमरोही के मुताबिक कमलिस्तान स्टूडियो चलाना महंगा सौदा था। स्टूडियो के रखरखाव और कर्मचारियों के वेतन देने के बाद बहुत कम पैसे बच रहे थे। काफी समय से कानूनी विवाद और पारिवारिक झगडे बढ़ रहे रहे थे। तकनीकी रूप से स्टूडियो को समृद्ध बनाने के लिए बहुत पैसे की जरूरत थी इसलिए उन्होंने स्टूडियो बेच दिया।

अक्षरा के सामने इसलिए फीके पड़े मोनालिसा के पति विक्रांत, नए चेहरों पर भोजपुरी का नया दांव

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह न सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय से बल्कि अपनी गायकी से भी गर्दा उड़ाती रहती है। अक्षरा सिंह भोजपुरी में रवि किशन, दिनेश लाल यादव निरहुआ, पवन सिंह और खेसारी लाल यादव जैसे बड़े सितारों के साथ फिल्में कर चुकी हैं। लेकिन, पिछले कुछ समय से अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा के बड़े सितारों के साथ काम न करके ज्यादातर ऐसे भोजपुरी सितारों के साथ काम कर रही हैं जिनकी मार्केट वैल्यू बड़े सितारों की अपेक्षा काफी कम है। ऐसी ही एक फिल्म में अब वह मोनालिसा के पति के साथ काम कर रही हैं।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह भोजपुरी फिल्मों में काम करने वाले सितारों से ज्यादा चार्ज करती है। अक्षरा सिंह के पिछली 10 फिल्मों में नजर डाले तो भोजपुरी अभिनेता और सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ की फिल्म 'सबका बाप अंगूठा छाप' के अलावा उन्होंने जितनी भी फिल्में की हैं, उनमें सारे के सारे नायक उनसे जूनियर हैं। और, फीस के मामले में तो उनके सामने कहीं नहीं ठहरते। अक्षरा सिंह ने भोजपुरी फिल्म 'लव मैरिज' में अमरीश सिंह, 'डार्लिंग' में राहुल शर्मा, 'ये कहानी है लैला मजनू की' में प्रदीप पांडे चिंटू, 'रांची के राजा राजकुमार' में रितेश पांडे, 'शुभ घड़ी आए' में अरविंद अकेला कल्लू और 'राजा राजकुमार' में रितेश पांडे के साथ काम किया है।

इन दिनों अक्षरा सिंह उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में भोजपुरी फिल्म 'ज्योति' की शूटिंग कर रही है। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री मोनालिसा के पति विक्रांत सिंह राजपूत काम कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी दादा और पोती के रिश्ते के इर्द गिर्द बुनी गई है। अक्षरा सिंह कहती हैं, 'उम्र के हर एक पड़ाव पर रिश्तों की परिभाषा बदल रही है ऐसे में एक दादा और पोती के रिश्ते को ध्यान में रखकर इस फिल्म की कहानी लिखी गई है। यह फिल्म हमारे समाज के लिए एक नई दिशा भी तय कर सकती है।'

बताते हैं कि इस फिल्म में जितना पारिश्रमिक भोजपुरी अभिनेता विक्रांत सिंह को मिल रहा है, उससे तीन गुना अक्षरा सिंह ले रही हैं। इतना ही नहीं, जब भोजपुरी सिनेमा के निर्माता प्रदीप शर्मा ने अपने बेटे राहुल शर्मा को भोजपुरी फिल्म 'डार्लिंग' में हीरो बनाया था तब भी इस फिल्म में काम करने के लिए अक्षरा सिंह ने तगड़ी फीस वसूली थी। बात करें भोजपुरी फिल्म 'ज्योति' की, तो यह एक महिला प्रधान फिल्म है। लालबाबू पंडित के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अक्षरा सिंह और विक्रांत सिंह राजपूत के अलावा जे नीलम, अमित शुक्ला, बीना पांडे, पुण्य दर्शन गुप्ता, राजेन्द्र मिश्रा, बलराम पांडेय, सोनू पांडेय, धामा वर्मा व निशा तिवारी आदि की मुख्य भूमिकाएं हैं।

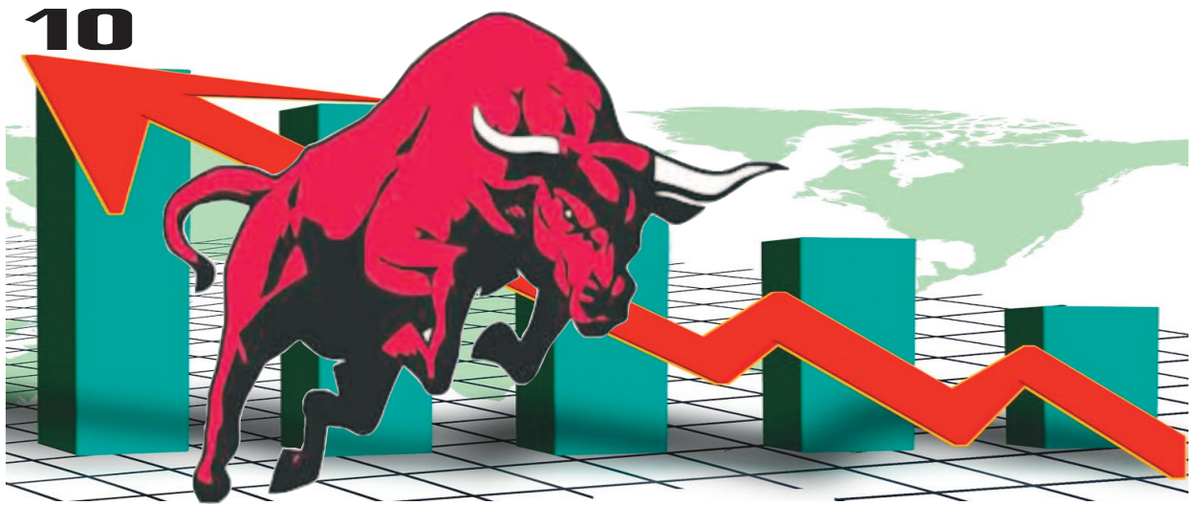

आरबीआई गवर्नर बोले: तीन हफ्ते में 2000 के 50% नोट लौटे

500 के नोट वापस लेने-1000 के नोट फिर लाने की योजना नहीं

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। आरबीआई 500 रुपये के नोटों को वापस लेने या 1,000 रुपये के नोटों को फिर से पेश करने के बारे में नहीं सोच रहा है। आरबीआई गवर्नर जनता से ऐसी अटकलें न लगाने का अनुरोध किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये बातें कही।

1.80 लाख करोड़ के नोट 2000 के नोट बैंकों में वापस आए

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2000 नोटों को चलन से बाहर करने के फैसले के बाद लगभग 50% दो हजार के नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। कुल 3.62 लाख करोड़ के 2000 के नोट 31 मार्च 2023 तक चलन में थे उनमें से 1.80 लाख करोड़ के नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। आने वाले समय में 85% 2000 के नोट बैंकिंग सिस्टम में जमा के जरिए जबकि बाकी नोट एक्सचेंज के जरिए वापस आ जाएंगे।

30 सितंबर 2023 तक 2000 रुपये के नोटों को जमा या एक्सचेंज किया जा सकेगा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 19 मई को अपने मुद्रा प्रबंधन के हिस्से के रूप में 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा की और 23 मई से ऐसे नोटों (एक बार में 20,000 रुपये तक) को बदलने की अनुमति दी। एक्सचेंज या डिपॉजिट 30 सितंबर 2023 तक किया जा सकेगा। आरबीआई गवर्नर ने लोगों से कहा है कि 2000 रुपये के नोटों को बदलने या जमा करने के लिए घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि अंतिम समय में भीड़ से बचना चाहिए।

समयसीमा तक ज्यादातर 2000 के नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस लौटने की उम्मीद

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आरबीआई 500 रुपये के नोटों को वापस लेने या 1000 रुपये के नोटों को फिर से पेश करने के बारे में नहीं सोच रहा है।

उन्होंने जनता से इस पर अटकलें नहीं लगाने का अनुरोध किया। पिछले महीने आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि 2,000 रुपये के ज्यादातर नोट 30 सितंबर की समयसीमा तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ जाने की उम्मीद है।

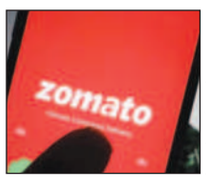

जोमैटो के शेयरहोल्डर्स के लिए राहत की खबर एक साल बाद फिर 76 रुपये के आईपीओ प्राइस लेवल को स्टॉक छूने में हुआ कामयाब

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। फूड डिलिवरी चेन कंपनी जोमैटो के निवेशकों के लिए आज का दिन बेहद खास है। लंबे समय तक की मायूसी जोमैटो के शेयरधारकों के चेहरे पर मुस्कान लौटी है। जोमैटो का शेयर अपने आईपीओ प्राइस 76 रुपये के लेवल को वापस छूने में आज कामयाब हो गया। बीएसई पर जोमैटो के स्टॉक ने 76 रुपये का इंट्राडे हाई बनाया है। फिलहाल स्टॉक 0.56 फीसदी की तेजी के साथ 74.96 रुपये पर कारोबार कर रहा है। जुलाई 2021 में जोमैटो का आईपीओ आया था। कंपनी ने 76 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बाजार से पैसे जुटाये थे। कंपनी की लिस्टिंग भी स्टॉक एक्सचेंज पर शानदार रही। 115 रुपये के भाव पर शेयर लिस्ट हुआ था। 16 नवंबर 2021 को स्टॉक ने 169 रुपये का हाई बनाया। लेकिन इसके बाद तो जोमैटो का स्टॉक दिनोंदिन पतझड़ के समान गिरता चला गया। 26 जुलाई 2022 को स्टॉक 41 रुपये के लेवल तक नीचे जा लुढ़का। यानि अपने हाई से शेयर 76 फीसदी नीचे जा गिरा। 2023 में स्टॉक मार्च महीने में 49 रुपये तक नीचे जा गिरा था।

लेकिन उन स्तरों से जोमैटो के स्टॉक ने निवेशकों को 55 फीसदी का रिटर्न महज ढाई महीने के भीतर दे चुका है। जोमैटो को मार्केट कैप 64,172 करोड़ रुपये के करीब है। हालांकि जब स्टॉक एक्सचेंज पर जोमैटो की लिस्टिंग हुई थी तब कंपनी का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रुपये के करीब था। यानि उस लेवल से अभी भी मार्केट कैप 36000 करोड़ रुपये नीचे है। कई ब्रोकरेज हाउस जोमैटो के स्टॉक को लेकर बेहद पॉजिटिव हैं।

सोने की कीमत में इजाफा, चांदी की चमक भी बढ़ी

जानें आपके शहर में क्या है लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। अगर आप आज सोना और चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। आज यानी गुरुवार 8 जून 2023 को सोना जहां मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। वायदा बाजार यानी मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर सोना शुरुआती वक्त में गिरावट के साथ 59,528 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था। इसके बाद इसमें कुछ बढ़त दर्ज की गई है सुबह 11.30 बजे तक यह 13 रुपये यानी 0.02 फीसदी बढ़त के साथ 59,516 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं बुधवार को सोना 59,503 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

क्या है चांदी की कीमत?

गुरुवार के दिन सोने के अलावा चांदी भी हरे निशान पर कारोबार कर रही है। शुरुआती दौर में मार्केट खुलने के साथ ही चांदी 71,798 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। वहीं सुबह 11.30 मिनट तक चांदी की कीमत में 274 रुपये यानी 0.38 फीसदी की बढ़त प्रति किलोग्राम की बढ़त दर्ज की गई है और यह 71,999 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। बुधवार के दिन यानी 7 जून को चांदी 71,725 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या है सोने-चांदी की कीमत-

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोना हरे निशान पर कारोबार कर रहा है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक आज सोना 0.4 फीसदी की बढ़त के साथ 1,946.47 डॉलर प्रति औंस पर है। वहीं अमेरिका में सोना 0.1 फीसदी की बढ़त के साथ 1,961 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसके दाम में 0.3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 23.53 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।

शहरों के हिसाब से चेक करें सोने-चांदी के रेट्स-

दिल्ली- 24 कैरेट सोना 60,370 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट सोना 60,220 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 24 कैरेट सोना 60,220 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 73,400 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई- 24 कैरेट सोना 60,710 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,700 रुपये प्रति किलोग्राम।

दुनिया के दूसरे सबसे सफल निवेशक थे राकेश झुनझुनवाला

निधन के 10 महीने बाद खुलासा, सालाना 65% रिटर्न के साथ 5 हजार रु. से कमाए 50 हजार करोड़

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। देश के दिग्गज शेयर निवेशक राकेश झुनझुनवाला को निधन के 10 महीने बाद दुनिया का दूसरा सबसे सफल निवेशक बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 37 साल के करिअर में उन्होंने सालाना औसतन 65% रिटर्न के साथ अपनी संपत्ति करीब 50 हजार करोड़ तक पहुंचा दी। झुनझुनवाला ने 1985 में सिर्फ 5,000 रुपए से निवेश शुरू किया था। झुनझुनवाला निधन पिछले साल 14 अगस्त 2022 को कार्डियक अरेस्ट से हुआ था। रिपोर्ट में विश्लेषकों ने कहा है कि 1985 से लेकर 14 अगस्त 2022 को अपने निधन तक झुनझुनवाला ने जो औसत रिटर्न हासिल किया वो सिर्फ जिम सिमंस से कम है। अमेरिकी कैपिटल मार्केट कंपनी रेनेसां टेक्नोलॉजीज के सिमंस 1988 से लेकर 2018 के बीच सालाना औसतन 66% रिटर्न के साथ दुनिया के सबसे सफल निवेशक बताए जाते हैं। झुनझुनवाला का रिटर्न इनसे सिर्फ 1% कम है। इसके मुकाबले दुनियाभर के अन्य दिग्गज निवेशकों जॉर्ज सोरोस, स्टेनली ड्रुकेंमिलर और वॉरेन बफे का सालाना रिटर्न सिर्फ 20% है।रिपोर्ट में विश्लेषकों ने कहा है कि 60-65% छोड़िए, लंबे समय तक सालाना 30% औसत रिटर्न पाने वाले निवेशक भी शायद ही मिलेंगे। रिसर्च एनालिस्ट ने आंका है कि झुनझुनवाला की सफलता सिमंस के मुकाबले बड़ी है, क्योंकि 66% रिटर्न हासिल करने के लिए सिमंस ने अलग-अलग सब्जेक्ट में सैकड़ों पीएचडी प्रोफेशनल्स को काम पर लगाया था। उनका काम भारी उतार-चढ़ाव वाले शेयरों और तुलनात्मक रूप से स्थिर शेयरों के पैटर्न का अध्ययन करना था। झुनझुनवाला ने ऐसा कुछ नहीं किया था। उनकी छोटी सी टीम थी।झुनझुनवाला की तरह ही एक अन्य निवेशक रॉबर्ट विल्सन ने अपने दम पर शेयर बाजार में निवेश से जोरदार कमाई थी।

बैंकिंग स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते नीचे गिरकर बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। तीन दिनों की लगातार तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ है। आरबीआई के रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर यथावत रखने के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली देखी गई। बैंकिंग स्टॉक्स में गिरावट के साथ बाजार नीचे जा गिरा। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 295 अंकों की गिरावट के साथ 62,848 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 92 अंकों की गिरावट के साथ 18,634 अंकों पर बंद हुआ है। आज के कारोबार में बैंकिंग, आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, रियल एस्टेट, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। केवल एनर्जी और मेटल्स सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 11 शेयर तेजी के साथ और 39 नीचे गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 6 शेयर तेजी के साथ तो 24 गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में एनटीपीसी 2.62 फीसदी, पावर ग्रिड 1.30 फीसदी, लार्सन 1.04 फीसदी, एचडीएफसी 0.20 फीसदी, रिलायंस 0.14 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.07 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि सन फार्मा 2.68 फीसदी, कोटक महिंद्रा 2.68 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.99 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.79 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.46 फीसदी टीसीएस 1.27 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

आज के ट्रेड में निवेशकों को बाजार में गिरावट के चलते नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 287.51 लाख करोड़ रुपये रहा है जो बुधवार के 289.07 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 1.56 लाख करोड़ रुपये कम है। यानि आज के कारोबार में निवेशकों की संपत्ति में 1.56 लाख करोड़ रुपये की सेंध लगी है।

विकास से ज्यादा महंगाई पर केंद्रीय बैंक का फोकस

आरबीआई गवर्नर की घोषणाओं पर क्या बोले जानकार

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की दो दिनों तक चली बैठक के बाद गुरुवार को इसमें लिए गए फैसलों का एलान किया गया। एमपीसी के फैसलों की जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। एमपीसी के सभी छह सदस्य इस फैसले के पक्ष में रहे। आरबीआई गवर्नर ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में महंगाई दर चार प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा एफवाई 24 में सीपीआई 5.2 से घटकर 5.1 प्रतिशत रह सकती है। वहीं एफवाई 24 में 6.5% की विकास दर संभव है। इस दौरान तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत विकास दर का अनुमान है। वहीं एफवाई 24 की पहली तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत रह सकती है। वहीं चौथी तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ 5.7% रह सकती है। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण मांग मजबूत बनी हुई है। आइए जानते हैं एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर की घोषणाओं पर आर्थिक जगत के जानकारों की क्या राय है। एचडीएफसी बैंक के चीफ इकोनॉमिस्ट अभीक बरुआ की मानें तो केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर और रुख दोनों को अपरिवर्तित रखते हुए इस बार एमपीसी की बैठक में यथास्थिति बनाए रखा है। आरबीआई ने पहली तिमाही में वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 8 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अपने वार्षिक पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जो हमारे 6-6.2 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। मुद्रास्फीति के बारे में केंद्रीय बैंक ने भविष्य के परिदृश्य को लेकर सतर्क रहते हुए कहा है कि इसके दबाव में निकट भविष्य में कमी आ सकती है। केंद्रीय बैंक ने अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को केवल मामूली रूप से घटाकर 5.1% कर दिया है और मानसून के दौरान मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के कारण महंगाई पर अनुमानित आंकड़े दिए हैं। यदि वास्तव में कोई जोखिम नहीं आता है तो मुद्रास्फीति आरबीआई के अनुमानों से कम रह सकती है, इससे आगे चलकर अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

आज का नीतिगत फैसला बॉन्ड बाजार पर कोई खास असर नहीं डालेगा क्योंकि यह मोटे तौर पर अनुमानों पर आधारित है। 2023 में बाजार में किसी भी दर कटौती की उम्मीद करना फिलहाल सही नहीं है।

मदर डेयरी ने घटाए खाद्य तेल के दाम

धारा ब्रांड में 10 रुपये की कटौती; जानिए नई कीमत

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता कंपनी में से एक मदर डेयरी ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए अपने खाद्य तेल ब्रांड 'धारा' के दामों में कटौती करने का फैसला लिया है। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता है। कंपनी ने धारा खाद्य तेलों के मैक्सिमम रिटेल प्राइस (एमआरपी) में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। कंपनी ने कहा कि ये नई दर बाजार में अगले हफ्ते से उपलब्ध हो जाएगी।

इस वजह से कम हुए दाम

कंपनी ने कहा कि एमआरपी में कमी वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट के अनुरूप की गई है। धारा कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और सरसों जैसी घरेलू फसलों की बेहतर उपलब्धता की वजह से धारा खाद्य तेलों के सभी प्रकारों के एमआरपी में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है।

अब कितने का मिलेगा खाद्य तेल?

कंपनी ने दामों में कटौती के बाद खाद्य तेल के दामों को अपडेट कर दिया है जो अगले हफ्ते से बाजार में आ जाएंगे। धारा रिफाइंड सोयाबीन तेल की नई दर 140 रुपये प्रति लीटर होगी। धारा रिफाइंड राइसब्रान ऑयल के एमआरपी को घटाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। धारा रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल की नई एमआरपी अब 200 रुपये प्रति लीटर होगी। धारा कच्ची घानी सरसों का तेल 160 रुपये प्रति लीटर जबकि धारा सरसों तेल 158 रुपए प्रति लीटर मिलेगा।

बिखर गए अडानी के सारे शेयर, सिर्फ अडानी पावर में आज भी बनी रही तेजी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मुनाफावसूली के बीच आज गुरुवार को अडानी के शेयरों में भी गिरावट देखी गई. इसके चलते अच्छी शुरुआत करने के बाद भी कारोबार समाप्त होते-होते अडानी समूह के लगभग सारे शेयर पूरी तरह से बिखर गए.गुरुवार के कारोबार की शुरुआत में अडानी समूह के ज्यादातर शेयर तेजी में थे. समूह के 10 में से 9 शेयरों ने कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ की थी. शुरुआती कारोबार में सिर्फ एक शेयर अंबुजा सीमेंट ही मामूली नुकसान में था. दिन का कारोबार समाप्त होने पर यह तस्वीर बिलकुल बदली नजर आई और सिर्फ एक शेयर अडानी पावर को छोड़ बाकी के 9 शेयर नुकसान में रहे.दिन का कारोबार समाप्त होने के बाद अडानी पावर करीब डेढ़ फीसदी के फायदे में रहा. अडानी पावर में लगातार अच्छी तेजी देखने को मिल रही है. इससे पहले बुधवार को इसका शेयर करीब 4.50 फीसदी की बढ़त लेकर बंद हुआ था. इस सप्ताह अडानी पावर का शेयर अब तक 10 फीसदी से ज्यादा मजबूत हो चुका है.दूसरी ओर एनडीटीवी के भाव में सबसे ज्यादा करीब 2 फीसदी की गिरावट आई. अडानी टोटल गैस का शेयर एक फीसदी से ज्यादा के नुकसान में रहा. इसके अलावा अडानी ग्रीन , अडानी पोर्ट्स , अडानी ट्रांसमिशन , अडानी विल्मर , एसीसी सीमेंट और अंबुजा सीमेंट के भाव में करीब 1-1 फीसदी की गिरावट आई. फ्लैगशिप शेयर अडानी एंटरप्राइजेज के भाव में भी करीब 0.50 फीसदी की गिरावट आई।

सब्सक्राइबर्स को बेहतर रिटर्न देने के लिए ईपीएफओ बढ़ाएगा शेयर बाजार में निवेश, जल्द ले सकता है सरकार से मंजूरी

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में इन दिनों जोरदार तेजी देखी जा रही है। ऐसे में अपने सब्सक्राइबर्स को बेहतर रिटर्न देने के लिए ईपीएफओ शेयर बाजार में निवेश को अपनी अधिकत्तम सीमा तक बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसके अलावा ईपीएफओ को एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश से जो आय हुई है उसे इक्विटी में फिर से निवेश करने के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। ईपीएफओ जल्द ही वित्त मंत्रालय से शेयर बाजार में निवेश की सीमा को बढ़ाने की मंजूरी लेगा। इस वर्ष मार्च महीने में 2022-23 के लिए ईपीएफ रेट करने को लेकर ईपीएफओ बोर्ड की जो बैठक हुई थी उसमें एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में निवेश से होने वाले आय को इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में फिर से निवेश करने को मंजूरी दी गई थी। इस रकम को निवेश किए जाने पर शेयर बाजार में ईपीएफओ का निवेश बढ़कर 15 फीसदी तक हो जाएगा। मौजूदा समय में शेयर बाजार में ईपीएफओ का निवेश कुल कॉरपस का केवल 10 फीसदी है जबकि 15 फीसदी तक निवेश करने की लिमिट है। ईपीएफओ ने 2015-16 में शेयर बाजार में निवेश करना शुरू किया था। जब उसे कुल कॉरपस का केवल 5 फीसदी निवेश करने की इजाजत थी। ईपीएफओ ने ईटीएफ के जरिये इक्विटी में निवेश करना शुरू किया था। 2016-17 में इक्विटी में निवेश की लिमिट को बढ़ाकर 10 फीसदी और 2017-18 में 15 फीसदी कर दिया गया। आंकड़ों के मुताबिक 31 मार्च 2022 तक ईपीएफओ ने एक्सचेंज ट्रेडेड फंज के जरिए इक्विटी में 1.01 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया हुआ था जो कि उसके कुल कॉरपस 11.01 लाख करोड़ रुपये का 9.24 फीसदी है। लेकिन ईपीएफओ अब शेयर बाजार में निवेश बढ़ाने पर विचार कर रही जिससे ईपीएफ सब्सक्राइबर्स को उनके निवेश पर ज्यादा ब्याज दिया जा सके। ईपीएफओ ईटीएफ से हुए आय को इक्विटी और उससे जुड़े दूसरे इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकती है। ईपीएफओ अपने कुल कॉरपस का फिलहाल 15 फीसदी इक्विटी में निवेश कर सकती है। लेकिन इस लिमिट को भी बढ़ाने पर लंबे समय से विचार चल रहा है। लेकिन बाजार के हालात को देखते हुए इजाजत नहीं मिल रही।

जबकि ईपीएफओ के फाइनैंस ऑडिट एंड इवेस्टमेंट कमिटी पहले ही इस लिमिट को 15 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी किए जाने को मंजूरी दे चुकी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृष	में	मेष--	02-26	बजे
चंद्र-	मकर	में	वृष--	04-10	बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	06-10	बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	08-24	बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	10-35	बजे
शुक्र-	कर्क	में	कन्या..	12-41	बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	14-47	बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	16-57	बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	19-10	बजे
			मकर..	21-16	बजे
			कुंभ...	23-07	बजे
			मीन ..	00-45	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-44
सूर्य अस्त- 18-45
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 16 -20 तक उपरान्त सप्तमी
मास - आषाढ कृष्ण पक्ष , शुक्रवार June 09
नक्षत्र - धनिष्ठा -17- 08 - तक उपरान्त शतभिषा
योग - वैधृति - 15 - 45 - तक उप - विष्कुंभ
करण- वणिज -16 -20 - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:37 से 12:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	05:44 - 07:21	शुभ	रोग.	18:45 - 20:10	अशुभ
लाभ.	07:21 - 08:59	शुभ	काल.	20:10 - 21:32	अशुभ
अमृत	08:59 - 10:37	शुभ	लाभ.	21:32 - 22:54	शुभ
काल.	10:37 - 12:15	अशुभ	उत्पात	22:54 - 00:15	अशुभ
शुभ.	12:15 - 13:54	शुभ	शुभ	00:15 - 01:37	शुभ
रोग	13:54 - 15:32	अशुभ	अमृत	01:37 - 02:59	शुभ
उत्पात	15:32 - 17:10	अशुभ	चंचल	02:59 - 04:21	शुभ
चंचल	17:10 - 18:45	शुभ	रोग	04:21 - 05:44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें ।आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें ।आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे ।आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अरब सागर से उठा बिपरजॉय चक्रवात कितना खतरनाक

8 राज्यों में अलर्ट, क्या इसी ने मानसून का रास्ता रोका

नई दिल्ली, 8 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। केरल में आमतौर पर 1 जून को मानसून दस्तक दे देता है। मौसम विभाग ने 4 जून का अनुमान लगाया था। मानसून तो नहीं आया, लेकिन अरब सागर में बना चक्रवात बिपरजॉय जरूर हमारी तरफ बढ़ रहा है। 8 राज्यों में आंधी के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कितना खतरनाक है ये चक्रवात बिपरजॉय, क्या इसी ने मानसून का रास्ता रोका है और क्या मानसून की देरी से सूखा पड़ने की आशंका है? इसी की पडताल करती रिपोर्ट।

क्या है चक्रवात बिपरजॉय

मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार सुबह ईस्ट-सेंट्रल और इससे सटे साउथ-ईस्ट अरब सागर के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना। 24 घंटे बाद ही ये चक्रवात में तब्दील हो गया। अरब सागर में साल के पहले प्री मानसून तूफान का नाम बिपरजॉय रखा गया है, जिसका नाम बांग्लादेश ने दिया है। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि बुधवार सुबह 5.30 बजे बिपरजॉय चक्रवात की लोकेशन गोवा के पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में लगभग 890 किलोमीटर दूर थी। इसके उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। लक्षद्वीप, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, केरल और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में अगले 5 दिन तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

क्या चक्रवात केरल में मानसून का रास्ता रोक लिया?

मानसून की उत्तरी सीमा बीते 4 दिनों से एक ही स्थान पर अटकी है। अरब सागर में जो बादल पश्चिमी हवा के साथ केरल की ओर बहुत धीमी गति से बढ़ रहे थे, वे अब साइक्लोनिक सर्कुलेशन की ओर खिंच गए हैं। ये बादल केरल की ओर कम हो गए हैं। इसी वजह से मानसून के आने में देरी हो रही है। सीनियर क्लाइमेट एक्सपर्ट राक्सी मैथ्यू कोल के मुताबिक निसर्ग या ताऊ ते चक्रवात की तुलना में बिपरजॉय अभी भारतीय तट से बहुत दूर है। अरब सागर से उठा यह चक्रवात सीधे तौर पर पश्चिमी तट को प्रभावित नहीं करेगा। हालांकि हवाओं के कुछ झोंके यहां तक पहुंच सकते हैं।

चूंकि यह अरब सागर के ऊपर बना है और यह नॉर्थ और नॉर्थ-वेस्ट की ओर बढ़ रहा है, इसलिए यह नमी को भारत से दूर ले जा सकता है। इसी वजह से मानसून के आने में देरी हो सकती है।

अब केरल में कब तक दस्तक देगा मानसून?

मौसम विभाग ने पहले 4 जून तक केरल में मानसून के आने की संभावना जताई थी। आईएमडी के सीनियर साइंटिस्ट डी एस पाई ने बताया कि अगले दो दिनों में केरल में मानसून के दस्तक देने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। वहीं निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट ने बताया कि केरल में मानसून 8 या 9 जून को पहुंच सकता है। इससे पहले स्काईमेट ने केरल में 7 जून तक मानसून के पहुंचने की संभावना जताई थी। आईएमडी के सीनियर साइंटिस्ट डॉ. राजेंद्र कुमार जेनामनी के मुताबिक केरल में मानसून भले देरी से आएगा, लेकिन इसमें चिंता वाली कोई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि मानसून के देरी से आने का मतलब यह नहीं है कि बारिश भी कम होगी। आजादी के बाद से अब तक सिर्फ 6 बार ही मानसून अपनी तय तारीख यानी 1 जून को केरल में पहुंचा है। 11 बार मानसून 25 मई से पहले ही पहुंच गया, जबकि 11 बार मानसून 7 जून के बाद आया। वहीं जिन 8 सालों में सामान्य से 10% ज्यादा बारिश हुई, उनमें 1983 भी शामिल है तब मानसून 13 जून को आया था। जिन 14 सालों में सूखा पड़ा, उनमें से 9 बार मानसून 1 जून से पहले ही आ चुका था।

चक्रवात क्या होते हैं और ये

बनते कैसे हैं?

साइक्लोन शब्द ग्रीक भाषा के साइक्लोस (Cyclos) से लिया गया है, जिसका अर्थ है सांप की कुंडलियां। इसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में ट्रॉपिकल साइक्लोन समुद्र में कुंडली मारे सांपों की तरह दिखाई देते हैं। चक्रवात एक गोलाकार तूफान (सर्कुलर स्टॉर्म) होते हैं, जो गर्म समुद्र के ऊपर बनते हैं। जब ये चक्रवात जमीन पर पहुंचते हैं, तो अपने साथ भारी बारिश और तेज हवाएं लेकर आते हैं। ये हवाएं उनके रास्ते में आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं।

साइक्लोन बनने का प्रोसेस

चक्रवात समुद्र के गर्म पानी के ऊपर बनते हैं। समुद्र का तापमान बढ़ने पर उसके ऊपर मौजूद हवा गर्म और नम होने की वजह से ऊपर उठती है। इससे उस हवा का एरिया खाली हो जाता है और नीचे की तरफ हवा का प्रेशर यानी वायु दाब कम हो जाता है। इस खाली जगह को भरने के लिए आसपास की ठंडी हवा वहां पहुंचती है। इसके बाद ये नई हवा भी गर्म और नम होकर ऊपर उठती है।

इसका एक साइकिल शुरू हो जाता है, जिससे बादल बनने लगते हैं। पानी के भाप में बदलने से और भी बादल बनने लगते हैं। इससे एक स्टोर्म साइकिल या तूफान चक्र बन जाता है, जो धरती के घूमने के साथ ही घूमते रहते हैं। स्टॉर्म सिस्टम के तेजी से घूमने की वजह से उसके सेंटर में एक आई बनता है। तूफान के आई को उसका सबसे शांत इलाका माना जाता है, जहां एयर प्रेशर सबसे कम होता है। ये स्टॉर्म सिस्टम हवा की स्पीड 62 किमी/घंटे होने तक ट्रॉपिकल स्टॉर्म कहलाते हैं। हवा की रफ्तार 120 किमी/घंटे पहुंचने पर ये स्टॉर्म साइक्लोन बन जाते हैं। साइक्लोन आमतौर पर ठंडे इलाकों में नहीं बनते है, क्योंकि इन्हें बनने के लिए गर्म समुद्री पानी की जरूरत होती है। लगभग हर तरह के साइक्लोन बनने के लिए समुद्र के पानी के सरफेस का तापमान 25-26 डिग्री के आसपान होना जरूरी होता है। इसीलिए साइक्लोन को ट्रॉपिकल साइक्लोन भी कहा जाता है। ट्रॉपिकल इलाके आमतौर पर गर्म होते हैं, जहां साल भर औसत तापमान 18 डिग्री से कम नहीं रहता।

बिपरजॉय का नाम बांग्लादेश ने क्यों दिया

18वीं सदी तक साइक्लोन के नाम कैथोलिक संतों के नाम पर रखे जाते थे। 19वीं सदी में साइक्लोन के नाम महिलाओं के नाम पर रखे जाने लगे। 1979 से इन्हें पुरुष नाम भी देने का चलन शुरू हुआ।

2000 से विश्व मौसम संगठन और यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल कमिशन फॉर द एशिया पैसेफिक यानी ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र के तूफानों के नामकरण का मेथड शुरू किया। वर्तमान में साइक्लोन के नाम रखने का काम दुनिया भर में मौजूद छह विशेष मौसम केंद्र यानी रीजनल स्पेशलाइज्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर्स यानी और पांच चक्रवाती चेतावनी केंद्र यानी ट्रॉपिकल साइक्लोन वॉर्निंग सेंटर्स करते हैं। चक्रवात और तूफानों को लेकर अलर्ट जारी करने और नामकरण में भूमिका निभाते हैं।

भारतीय मौसम विभाग के छह सदस्यों में शामिल है, जो चक्रवात और आंधी को लेकर एडवाइजरी जारी करता है। आईएमडी हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर इलाके में आने वाले साइक्लोन के नाम रखने और इस इलाके के 13 अन्य देशों को अलर्ट करने का काम करता है। हिंद महासागर के इलाकों में आने वाले साइक्लोन के नाम रखने के फॉर्मूले पर 2004 में सहमति बनी थी। पहले इसमें आठ देश-भारत, बांग्लादेश, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल थे, 2018 में इसमें ईरान, कतर, सऊदी अरब, यूएई और यमन भी शामिल हुए, जिन्हें मिलाकर इनकी संख्या 13 हो गई। साइक्लोन के नाम इसलिए रखे जाते हैं, ताकि उनकी पहचान करना आसान हो। हर साल साइक्लोन के नाम अल्फाबेटकली क्रम में यानी A से Z तक तय होते हैं। एक नाम का दोबारा इस्तेमाल कम से कम 6 साल बाद ही हो सकता है। साइक्लोन का नाम कौन सा देश रखेगा, इसका फैसला उस देश के नाम से अल्फाबेटकली तय होता है। आने वाले साइक्लोन का नाम सितरंग थाईलैंड ने दिया है। हिंद महासागर इलाके में आने वाले साइक्लोन के हुदहुद, तितली, फेथाई, फानी, वायु और अम्फान जैसे नाम दिए जा चुके हैं। हर साइक्लोन का नाम नहीं रखा जाता है। केवल 65 किमी/घंटे की रफ्तार से ज्यादा वाले साइक्लोन का नाम रखना जरूरी होता है।

भारत में सबसे तेज साइक्लोन 1970 में आया भोला साइक्लोन था। ये भारत ही नहीं दुनिया का सबसे घातक साइक्लोन था। इसने भारत के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश (तब पूर्वी पाकिस्तान) में भारी तबाही मचाई थी, जिसमें 3-5 लाख लोगों की मौत हुई थी।

दुनिया का सबसे लंबा हरिकेन या साइक्लोन 1979 में उत्तर-पश्चिम प्रशांत महासागर में बना था। इसका डायमीटर 2200 किलोमीटर था, जो कि अमेरिका के साइज का लगभग आधा है।

विश्व हिन्दू तख्त का नृत्यगोपाल दास ने किया उदघाटन

अयोध्या, 8 जून (एजेंसियां)। विश्व के संतजनों के आह्वान पर सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए वीरेश शांडिल्य द्वारा गठित विश्व हिन्दू तख्त का आज शुभारंभ किया गया और विश्व हिन्दू तख्त का उद्घाटन अयोध्या की पावन धरती से श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत स्वामी नृत्यगोपाल दास जी महाराज ने विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य की मौजूदगी में मणिराम दास छावनी में किया गया।

इस अवसर पर अयोध्या में संत समाज मौजूद रहा और वीरेश शांडिल्य को विश्व हिन्दू तख्त के गठन पर आशीर्वाद दिया और संतों ने एक सुर में कहा कि शांडिल्य द्वारा विश्व हिन्दू तख्त की शुरुआत एक सराहनीय कार्य है और समय की जरूरत है।

वीरेश शांडिल्य ने बताया कि नृत्य गोपाल दास जिनका श्री राम मंदिर बनाने की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान है उनके द्वारा विश्व हिन्दू तख्त का उद्घाटन एक गौरवमय पल है और निश्चित तौर पर संत समाज को साथ लेकर अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सनातन धर्म को मजबूत करने व आदि गुरु शंकराचार्य की सोच घर-घर तक पहुंचाने का कार्य विश्व हिन्दू तख्त करेगा।

विश्व हिन्दू तख़्त के लोगो को अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि ट्रस्ट के उत्तराधिकारी स्वामी

कमल नयन दास जी महाराज संत शिरोमणि महंत राज कुमार दास, हनुमान गड़ी के महाराज संजय दास, व सुप्रीम कोर्ट तक राम मंदिर की कांनूनी लड़ाई लड़ने वाले दिगंबर अखाड़ा के महंत परमहंस महाराज के उत्तराधिकारी के स्वामी सुरेश दास, हनुमान गढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, बलराम दास महाराज व सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने लांच किया और वीरेश शांडिल्य को इस बीड़े को उठाने पर शुभाशीष एवं आशीर्वाद दिया।

संत समाज ने कहा वीरेश शांडिल्य आतंकवाद के खिलाफ पिछले लंबे समय से लड़ रहे है अब वह उसी ताकत व निर्भीकता से सनातन धर्म को मजबूत करेंगे और जो शक्तियाँ सनातन धर्म को कमजोर करने के लिए आतंक फैला रही है उन आतंकवाद रुपी लोगों को शांडिल्य मुहँतोड़ जवाब देंगे।

विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने बताया कि अयोध्या में सरयू माता घाट पर जहाँ भगवान राम ने जल समाधी ली वहाँ हजारों लोगों के बीच महाआरती कर विश्व हिन्दू तख्त देश में सनातन धर्म को मजबूत करने की भूमिका में आ जायेगा और सबसे पहले भारत के संविधान में जो अनुच्छेद व धाराएं सनातन व हिन्दू विरोधी है उनमे बदलाव के लिए संतों के आह्वान पर काम किया जाएगा और देश के हर राज्य में विश्व हिन्दू तख्त चिंतन शिविर करेगा और सनातनियों को आने वाली समस्याओं को खत्म करने का काम करेगा व विश्व भर के धार्मिक तीर्थ स्थल व मंदिरों का दौरा भी विश्व हिन्दू तख्त करेगा।

वीरेश शांडिल्य ने कहा जो हौंसला आज अयोध्या की धरती पर संत समाज ने दिया है उससे निश्चित तौर पर सनातन धर्म को मजबूत करने की ताकत मिली है और शांडिल्य ने कहा हर माह अयोध्या के संतो के साथ बैठक होगी और विश्व हिन्दू तख्त हर माह की रूपरेखा अयोध्या से संतो से परामर्श के बाद तय करेगा और शांडिल्य ने बताया कि जल्द ही विश्व हिन्दू तख्त का अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में खोला जाएगा। शांडिल्य ने कहा विश्व हिन्दू तख्त में विश्व भर के तमाम संतो को जोड़ा जाएगा और संतो की आवाज को विश्व हिन्दू तख्त जन-जन तक पहुंचाएगा।

बता दें जल्द अयोध्या के बाद वीरेश शांडिल्य की विश्व हिन्दू तख्त में बतौर प्रमुख ताजपोशी कार्यक्रम जल्द चंडीगढ़ में होगा जहां अयोध्या, हरिद्वार, वृंदावन, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ, वैष्णो देवी, ज्वालामुखी देवी जी, कामाख्या देवी जी व अन्य मुख्य धार्मिक स्थानों से संत समाज पहुंचेगा।

अयोध्या में संत समाज के साथ मिलकर शांडिल्य ने तैयार की रूपरेखा

वीरेश शांडिल्य ने कहा संत समाज के साथ अयोध्या में बैठक कर 7 बिन्दुओं पर काम किया जाएगा जिसमे विश्व हिन्दू तख्त सबसे पहले चरण में देश के हर राज्य में जाकर मीडिया से बात करेगा व दुसरे चरण में देश के हिन्दू संगठनो के नेताओं से मुलाकात कर सभी को एकजुट करने को लेकर चर्चा होगी, तीसरे चरण में तमाम धार्मिक तीर्थ स्थलों व मंदिरों के दर्शन किए जायेंगे व चौथे चरण में हिन्दू धर्म के खिलाफ जो भी संविधान व किसी अन्य एक्ट में त्रुटियाँ है उसके लिए वरिष्ठ वकीलों के पैनल का गठन कर कानूनी लड़ाई विश्व हिन्दू तख्त द्वारा लड़ी जाएगी, पांचवे चरण में हिन्दुओं को बदनाम व कमजोर करने की साजिश रचने वाले व धर्मांतरण करवाने वाली ताकतों के खिलाफ कारवाई के लिए कड़े कदम उठाए जायेंगे व सातवें चरण में हिन्दू मंदिरों को सरकारी कब्जे से छुड़वाने की मुहिम छेड़ी जाएगी।

वीरेश शांडिल्य ने कहा 60 दिन के अंदर अन्तराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर विश्व हिन्दू तख्त में नियुक्तिया की जाएँगी और विश्व भर के संतो को भी विश्व हिन्दू तख़्त में संरक्षक पद पर नियुक्त किया जायेगा और शांडिल्य ने एलान किया कि 31 दिसम्बर 2023 तक विश्व हिन्दू तख़्त में देशभर से 1 लाख एक्टिव सदस्य नियुक्त किए जायेंगे और विश्व हिन्दू तख़्त की सदस्यता के लिए ऑनलाइन सदस्यता फॉर्म भी इन्टरनेट पर जल्द उपलब्ध होगा।

'गिरिराज सिंह बता दें किस मंच पर आना है'

सीएम बोले-चुनौती स्वीकार, 15 सालों में जितना धर्मांतरण हुआ, उतना कभी नहीं हुआ, न होगा

रायपुर, 8 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर दिए गए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर पलटवार किया है। सीएम ने कहा कि जितना धर्मांतरण बीजेपी के 15 सालों में हुआ, इससे पहले ना कभी हुआ और ना अब हो रहा है। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश के समय से धर्मांतरण पर कानून बना हुआ है और उसको यहां साल 2000 से जैसे का तैसा अडॉप्ट किया गया है। सीएम ने कहा-प्रदेश में जिस जगह से भी धर्मांतरण की शिकायतें आ रही हैं, उस पर कार्रवाई हो रही है। कुछ फर्जी शिकायतें सामने आई हैं, इनमें कुछ शिकायतें सही भी थी और उस पर कार्रवाई की गई है और जहां तक बात गिरिराज सिंह की है तो वे इससे पहले एक आध बार ही छत्तीसगढ़ आए होंगे। मगर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल के15 सालों में जितने चर्च बने हैं, उससे ना पहले बने हैं ना उसके बाद में। सीएम ने चुनौती देते हुए कहा कि बीजेपी उनके इस दावे का खंडन न करे। चर्च तभी बनेगा या पूजा स्थल तभी बनेगा, जब वहां के मानने वाले लोग रहेंगे, तब इसका मतलब यह है कि जितना धर्मांतरण 15 सालों में हुआ है, उसके पहले कभी नहीं हुआ। एमएसपी के मुद्दे पर बात करने के लिए केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीधे कांग्रेस को चुनौती दी है, जिसे स्वीकार करते हुए सीएम ने कहा कि उनकी चुनौती स्वीकार है, वे

बता दें किस मंच पर आना है। यूपीए सरकार में कितना धान का भाव बढ़ा और एनडीए सरकार में कितना भाव बढ़ा, 10 साल उनके भी हो रहे हैं और 10 साल हमारे भी थे। उसमें कितना प्रतिशत एमएसपी बढ़ा और अभी कितना प्रतिशत बढ़ा है, हम बहस करने के लिए तैयार हैं।

सीएम ने कहा कि उस समय डीजल पेट्रोल के भाव क्या थे और अभी क्या हैं, वे जिस मंच में आना चाहें, कोई भी कार्यकर्ता बैठकर उनसे बहस कर लेगा, कोई भी किसान बात कर लेगा, जो स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट है, उतनी एमएसपी बढ़नी चाहिए। जब 1800 रू. एमएसपी थी, तब हमने 2500 रुपए में खरीदने का फैसला किया था तो यह स्पष्ट होता है कि स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट से हम थोड़ा बढ़ा कर ही दिए थे किसानों को और अब राजीव गांधी किसान न्या योजना लागू कर दी है, तो जितना समर्थन मूल्य बढ़ेगा उतनी राशि भी हमारे किसानों के लिए बढ़ जाएगी। 3 सालों से यही चल रहा है।

सीएम ने इस मुद्दे पर कहा कि मंत्रियों के साथ मीटिंग हो गई है। विधायकों के साथ मीटिंग हो रही है, मुझसे भी कई बार कुमारी सैलजा की मीटिंग हुई है। वे प्रभारी हैं उनका काम ही है कि सब के कार्यों की समीक्षा करते रहना तो उनकी समीक्षा नहीं करेंगे तो निर्णय कैसे लेंगे, इसलिए जरूरी है सभी के कार्यों की समीक्षा करें।

जब अजीत जोगी जी कांग्रेस के भीतर थे तब हम सत्ता से बाहर थे, जैसे ही जोगी कांग्रेस से बाहर हुए, हम सत्ता में आ गए। नतीजों में कांग्रेस को 68 सीट मिली, जबकि भारतीय जनता पार्टी में 3 बार के शासन में रहे चांउर वाले बाबा कभी 60 का आंकडा छू नहीं पाए।

अमित अग्रवाल और दिलीप घोष गये जेल

जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने मांगी थी रिमांड, कोर्ट ने भेजा जेल

रांची, 8 जून (एजेंसियां)। रांची में हुए आर्मी जमीन घोटाला मामले में बुधवार की रात कारोबारी अमित अग्रवाल और जगतबंधू टी-इस्टेट के मालिक दिलीप घोष को ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद आज दोनों को ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया । जहां जस्टिस दिनेश राय की अदालत में सुनवाई हुई ईडी की ओर से दोनों से पूछताछ के लिए 10 दिनों की रिमांड मांगी गयी थी। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया। गिरफ्तारी से पहले अमित अग्रवाल से ईडी ने पूछताछ की थी।

लैंड स्कैम में कई जा चुके जेल

आर्मी लैंड स्कैम मामले में 13 अप्रैल को छापेमारी की गयी। जिसके बाद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उनसे लगभग 12 दिन पूछताछ की गयी। उसके बाद बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन का फर्जी

विक्रेता प्रदीप बागची सहित कुल सात आरोपितों को जेल भेज दिया है। इन पर सेना की जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ करने, फर्जीवाड़ा करने व फर्जी दस्तावेज के आधार पर होल्डिंग नंबर लेने, फर्जी कब्जा दिखाकर जमीन बेचने आदि के आरोपों की पुष्टि हो चुकी है। इस मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन भी जेल में हैं। दरअसल जिस मामले को लेकर ईडी ने छापेमारी की वह आर्मी लैंड स्कैम है। इस स्कैम का आरोपी प्रदीप बागची है। बागची ने ही सेना की जमीन की खरीद बिक्री के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किया था। प्रदीप बागची के पूर्वज प्रफुल्ल बागची ने वर्ष 1932 में सेल डीड संख्या 4369 के सहारे खतियानी रैयत प्रमोद दास गुप्ता से यह जमीन खरीदी थी। फर्जी तरीके से तैयार किये गये इस सेल डीड की रजिस्ट्री पश्चिम बंगाल में दिखायी गयी थी। जबकि 1932 में पश्चिम बंगाल राज्य का गठन ही नहीं हुआ था। पश्चिम बंगाल राज्य का गठन देश के विभाजन के बाद हुआ। इडी ने इस फर्जी सेल डीड को कब्जे में ले लिया है।

पलामू के साथ बिहार के कई इलाकों में एनआईए की रेड

पलामू, 8 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड के पलामू सहित बिहार के कई स्थानों पर रेड की है। मामला प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई के द्वारा नरेश सिंह भोक्ता की नृशंस हत्या से जुड़ा है। जिन जगहों पर छापा पड़ा है, उनमें बिहार के गया और औरंगाबाद के इलाके सामने है। एनआईए ने झारखंड के पलामू में आरोपियों की तलाश में छापेमारी की है। साथ ही एनआईए ऐसी जगहों की भी तलाश कर रही है जहां से माओवादी संगठन चलते हैं। पांच गिरफ्तार कमांडरों और भाकपा के दो संदिग्ध समर्थकों के घरों में यह छापेमारी की गयी है। इस अभियान में इन जगहों से कई मोबाइल फोन, सिमकार्ड सहित कई अहम दस्तावेजों को भी एनआईए ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। यहां मिले उपकरणों की जांच की जायेगी। इनके माध्यम से एनआईए उन लोगों की तलाश करेगी जो इनसे संपर्क में थे। ध्यान रहे कि 2 नवंबर 2018 को जन अदालत लगाकर नरेश भोक्ता की हत्या कर दी गयी थी। माओवादियों ने आरोप लगाया था कि यह पुलिस मुखबिर करता है। शव बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के बधाई बिगहा गांव के पास बरामद किया गया था। इस हत्याकांड के बाद से ही एनआईए इस मामले की जांच के लिए बिहार और झारखंड के कई जगहों पर तलाशी अभियान चला रही है। इस मामले में अबतक नौ लोगों की गिरफ्तारी हुई है। फरवरी 2023 में, एनआईए ने 01 अभियुक्तों अजय सिंह भोक्ता पुत्र जगदीश सिंह भोक्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 121ए, 364, 471 और 302, आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1ए) और 27, धारा 27 के खिलाफ पूरक चार्जशीट दायर की। बिहार एनआईए की टीम ने पलामू जिले के माओवादी स्टेट कमिटी सदस्य अभिजीत यादव और सब जोनल कमांडर राम प्रसाद यादव के घर में छापेमारी की थी।

अनियमित कर्मचारियों ने निकाली रैली

बालोद, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले प्रदेश के 33 जिलों से रथ यात्रा निकली हुई है और इस यात्रा की शुरुआत जांजगीर जिले के शिवरीनारायण से 15 मई को हुई थी। आज यह नियमितीकरण रथ बालोद पहुंची तो नियमितीकरण की मांग को हवा मिली तो सैंकड़ों की संख्या में बालोद नया बस स्टैंड में अनियमित कर्मचारी पहुंचे हैं। सरकार को जमकर कोसा। संविदा कर्मचारी के सहायक कार्यक्रम अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि संविदा हमे कहते हैं पर असल में संविदा तो वो सरकारें हैं जो 5 साल के लिए आती हैं, उन्हें नियमित सरकार में रहना है तो हमें नियमित करना होगा।

अनियमित कर्मचारियों ने शहर में रथ के साथ रैली निकाली और मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। बालोद जिले के सचिव रितेश गंगबेर ने बताया कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जन घोषणा पत्र बनाकर हम सभी संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा किया था।

एस्मा पर भड़के पटवारी आदेश की प्रतियां जलाईं

कहा- हम डरने वाले नहीं, सीएम हाउस घेरने की तैयारी

बालोद/बीजापुर, 8 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में चल रही पटवारियों की हड़ताल के बीच भूपेश बघेल सरकार ने एस्मा लगा दिया है। इसके बाद पटवारी संघ भड़क गया है। बालोद और बीजापुर में हड़ताल पर बैठे पटवारियों ने गुरुवार को एस्मा आदेश की प्रतियां जलाईं। कहा कि सरकार ने बिना बात किए ही कार्रवाई की है। हम इससे डरने वाले नहीं हैं। शहर के नया बस स्टैंड परिसर में धरने पर बैठे पटवारियों ने अपना आंदोलन और तेज कर दिया है। अब वे सीएम हाउस घेरने की तैयारी में हैं। बालोद जिला पटवारी संघ के अध्यक्ष लोकेश कुमार साहू ने बताया कि प्रदेश की सरकार अब दमनकारी नीतियां अपनाने पर उतारू हो गई है। यहां पर हमसे बिना कोई चर्चा किए एस्मा लगा दिया गया है। एक बार सरकार को हमसे बात तो करनी चाहिए। आखिर हम उन्हीं के ही तो

कर्मचारी हैं। सरकार के इस आदेश के बाद पटवारियों में काफी आक्रोश है और हम एस्मा संबंधी आदेश की प्रतियां जला रहे हैं।

बीजापुर के पटवारी बीरा राजा बाबू ने बताया कि शासन प्रशासन की तानाशाही रवैया का विरोध करते हुए एस्मा की प्रतियां जलाई गई। उन्होंने बताया कि आंदोलन को आगे धार देने के लिए आगामी दिनों में आमरण अनशन, भूख हड़ताल व सीएम हाउस घेराव की तैयारी चल रही हैं। लेकिन अभी तारीख और दिन तय नहीं किया गया हैं। प्रांतीय निर्देश का इंतजार हैं। बीरा राजा बाबू ने बताया कि उनका अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा।

'सिखों के लिए किसी पीएम ने इतना नहीं किया, जितना मोदी ने किया'

अमेरिका के सिख समुदाय के नेता का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 8 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे की खूब चर्चा है। इस बीच अमेरिका में रहने वाले एक सिख नेता ने पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले सिख समुदाय की मांगों को पीएम मोदी ने पूरा किया है। बता दें कि सिख ऑफ अमेरिका संगठन के चेयरमैन जस्सी सिंह ने यह बात कही है। जस्सी सिंह अमेरिका में सिख समुदाय के एक बड़े नेता हैं।

पीएम मोदी का अमेरिका दौरा ऐतिहासिक पल

जस्सी सिंह ने पीएम मोदी के आगामी अमेरिका दौरे को ऐतिहासिक पल करार दिया। बता दें कि पीएम मोदी 21 जून से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह अमेरिका की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। जस्सी सिंह ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका आ रहे हैं और यह एक ऐतिहासिक पल है। सिंह ने कहा कि सिख प्रतिनिधिमंडल ने जब भी पीएम मोदी के सामने अपनी मांगें रखी हैं, हर बार पीएम मोदी ने उन मांगों को पूरा करने की कोशिश की है। जस्सी सिंह ने कहा कि इस बार भी सिख प्रतिनिधिमंडल पीएम मोदी से मिलेगा और उन्हें धन्यवाद देगा।

'सिख समुदाय से प्यार करते हैं पीएम मोदी'

जस्सी सिंह ने कहा कि 'पीएम मोदी सिखों की समस्याओं को समझते हैं और वह दिल से समुदाय से प्यार करते हैं। जब वह सिख समुदाय के लोगों से मिलते हैं और बात करते हैं, तब भी उनका यह प्यार दिखाई देता है। हाल के सालों में किसी और प्रधानमंत्री ने सिख समुदाय के लिए इतना नहीं किया, जितना पीएम मोदी ने किया है।' सिख ऑफ अमेरिका संगठन के चेयरमैन ने ये भी बताया कि पीएम मोदी ने उनके समुदाय के लिए क्या क्या किया है।

जस्सी सिंह ने बताया कि 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाने की मांग हो या फिर गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को मनाने की, 1984 दंगे की जांच के लिए एसआईटी के गठन की या फिर विदेश में रहने वाले कई सिखों को ब्लैकलिस्ट से हटाने की, ताकि वह अपनी जन्मभूमि फिर से जा सकें या फिर कृषि कानून वापस लेने की मांग, पीएम मोदी हमेशा सिखों के साथ रहे हैं।

ऑनलाइन चैलेंज को पूरा करने में जा रहीं जानें

जो दे रहे बढ़ावा, उन्हीं की मौत

बीजिंग, 8 जून (एजेंसियां)। आजकल दुनिया में लोग अजीबो-गरीब प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते दिखाई देते हैं। कई बार ये बहादूरी उनकी जान पर महंगी पड़ जाती है। दरअसल, डॉयिन पर एक नया तरह का ट्रेंड बना हुआ है, जिसमें लाइव स्ट्रीमिंग में शराब पीते देखा जा सकता है। इसी का हिस्सा बनने के लिए लोग इसका नुकसान जाने बिना हिस्सा लिए जा रहे हैं। ऐसे में, एक महीने के अंदर दो लोगों की जान चुकी है। पिछले महीने जहां 34 वर्षीय इन्फ्लुएंसर ब्रदर श्री थाउजेंड की अधिक मात्रा में शराब सेवन करने से मौत हुई थी, वहीं अब 27 वर्षीय झोंग युआन हुआंग की मौत हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 16 मई को वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म डॉयिन पर अपनी अंतिम स्ट्रीम में थाउजेंड को अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन करते हुए देखा गया था। कहा जा रहा था कि उसने कम से कम सात बोतल बाईजी की पी थी। उसके 12 घंटे के बाद ही

खबर आई थी कि उसकी मौत हो गई है। ब्रदर श्री थाउजेंड का असली नाम वांग बताया गया था। वहीं, अब एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि वांग को हराने के चक्कर में हुआंग ने अपनी मौत को बुलावा दे दिया।

वीडियो से सामने आई सच्चाई

दरअसल, हुआंग के डॉयिन पर एक लाख 76 हजार फॉलोवर्स हैं। उसने एक वीडियो बनाई थी, जिसमें बाईजी से भीगे टिश्यू पेपर को जलाते हुए दिखाया था। वहीं, एक अन्य क्लिप में दर्जनों बोतलों का ढेर दिखाया गया था। न्यूयॉर्क पोस्ट ने बताया कि बोलचाल की भाषा में हुआंग ने जिस शराब का सेवन किया था, उसे चीनी फायरवाटर कहा जाता है। इसमें 35 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच अल्कोहल की मात्रा होगी है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि हुआंग कैसे एक-एक कर शराब की बोतलों को खाली करते हुए उसका पिरामिड बना रहा है।

उनकी पत्नी एमएस ली का कहना कि हुआंग ने बहुत कर्ज लेकर रखा है, जिसकी वजह से उसे जीवनभर काम करना पड़ेगा। बता दें, दंपति का एक बेटा है, जो इस साल किंडरगार्टन जाने वाला है। हुआंग ने इसी साल एक नया घर बनाया था।

वांग के अंतिम संस्कार में गया था हुआंग

गौरतलब है, बाईजी में 60 फीसदी तक अल्कोहल होता है। हुआंग और वांग अपने प्रसारण के दौरान चीनी शराब पीने के लिए जाने जाते थे। ये दोनों एक दूसरे को जानते भी थी। वांग के अंतिम संस्कार में हुआंग ने हिस्सा लिया था और कम शराब पीने का संकल्प लिया था।

नियमों को सख्त करने की जरूरत

इन दोनों की मौत को लेकर चीन में चर्चा बनी हुई है। सोशल मीडिया पर लगातार लाइवस्ट्रीमिंग उद्योग के जुड़े नियमों को लेकर निंदा की जा रही है। लोगों ने मांग की है कि इस नियमों को कड़ा और सख्त बनाया जाए।

अफगानिस्तान में फिदायीन हमला, तालिबान कमांडर समेत 16 लोगों की मौत

डिप्टी गवर्नर को अंतिम विदाई देने जुटे थे लोग

काबुल, 8 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के बदख्शान राज्य की राजधानी फैजाबाद में गुरुवार को एक फिदायीन हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। हमला तब हुआ जब लोग यहां के डिप्टी गवर्नर को सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए जुटे थे। लोकल हॉस्पिटल के इंचार्ज ने कहा- अब तक 16 डेडबॉडीज रिसीव कर चुके हैं।

मरने वालों का आंकड़ा काफी ज्यादा हो सकता है, क्योंकि वहां काफी लोग मौजूद थे। मारे गए लोगों में तालिबान का एक बड़ा कमांडर भी शामिल है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के खोरासान ग्रुप (आईएसआईएस-के) ने अंजाम दिया है।

तालिबान ने कहा- जांच करेंगे

बदख्शान में मौजूद एक तालिबान नेता ने कहा- यह फिदायीन हमला बदख्शान की राजधानी फैजाबाद में गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। कुछ दिन पहले मौलवी निसार अहमद की एक हमले में मौत हो गई थी। वो बदख्शान राज्य के डिप्टी गवर्नर थे। उनकी अंतिम विदाई के लिए कई तालिबान लीडर्स फैजाबाद आए थे। हमें शक है कि भीड़ का फायदा उठाकर फिदायीन अंदर वाले हिस्से तक पहुंचा और उसने खुद को उड़ा लिया। इस मामले की जांच की जाएगी। पहली नजर में लगता है कि यह सिक्योरिटी में खामी का मामला है। इस नेता ने आगे कहा- 50 से ज्यादा लोग गंभीर तौर पर जख्मी हैं। हो सकता है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ जाए। फिलहाल, पूरा फोकस घायलों को बेहतर इलाज देने पर है। इलाके में आवाजाही बंद कर दी गई है।

तालिबान कमांडर भी मारा गया

गुरुवार को फिदायीन हमले में मारे गए लोगों में एक तालिबान कमांडर भी शामिल है। इसका नाम मुल्ला सैफुल्ला शमीम बताया गया है। वो तालिबान हुकूमत में इस राज्य का पुलिस चीफ था। शमीम पर 6 जून को भी कातिलाना हमला हुआ था, उसमें वो बच गया था। कुछ खबरों में कहा गया है कि गुरुवार को फिदायीन हमला फातिहा के दौरान मस्जिद में हुआ। पिछले महीने एक और ब्लास्ट में तालिबान के दो कमांडर मारे गए थे। ये दोनों अफगान सिक्योरिटी फोर्स के पूर्व सैनिक भी थे। बाद में इन्होंने नौकरी छोड़कर तालिबान फोर्स ज्वॉइन कर ली थी।

तालिबान के एक नेता ने कहा- गुरुवार का हमला भी इस्लामिक स्टेट के खोरासान ग्रुप ने कराया है। वो इसी तरह के मौकों पर हमले करने में यकीन करते हैं, क्योंकि उस वक्त वहां काफी लोग मौजूद रहते हैं।

आईएसआईएस-के का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान और उत्तरी अफगानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ। यहां से इसने बेरहमी और क्रूरता की पहचान बनाई। पाकिस्तान के सैकड़ों तालिबानी इस संगठन के साथ जुड़े और हमलों को अंजाम दिया। जब सेना की मदद से इन्हें निकाला गया तो ये अफगानिस्तान की सीमा पर आ गए और फिर यहीं से ऑपरेट करने लगे। ताकत इसलिए बढ़ती गई, क्योंकि तालिबान पश्चिमी देशों और सोच के प्रति नरम होता गया। ऐसे में तालिबान के नाराज आतंकी आईएसआईएस-के में शामिल होने लगे। अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स के मुताबिक- आईएसआईएस-के में सीरिया और दूसरे विदेशी संगठनों के आतंकी भी शामिल हैं। अमेरिका ने अफगानिस्तान में इस समूह के 10 से 15 प्रमुख आतंकियों की पहचान की है। आईएसआईएस-के में अफगानियों समेत दूसरे आतंकी समूहों से पाकिस्तानी और उज्बेकिस्तान के आतंकी शामिल हैं। इस गुट ने हाल के कुछ वर्षों में पूर्वी अफगानिस्तान में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। खासतौर से अफगानिस्तान के नंगरहार और कुनार प्रांतों में इसकी अच्छी ग्रिप मानी जाती है। इस संगठन ने काबुल में भी कई हमले किए हैं।

आईएसआईएस और तालिबान दोनों ही कट्टर सुन्नी इस्लामिक आतंकी हैं, फिर भी दोनों एक दूसरे का विरोध करते हैं। आईएसआईएस-के और तालिबान के बीच कई मुद्दों पर असहमति है। आईएसआईएस ने तालिबान पर आरोप लगाया है कि उसने जिहाद और युद्ध का मैदान छोड़कर दोहा और कतर के बड़े होटलों में बैठकर शांति के समझौते किए और अमेरिका को अफगानिस्तान से सुरक्षित निकलने का मौका दिया।

इंदिरा गांधी की हत्या का खालिस्तानियों ने मनाया जश्न

शर्मनाक करतूत पर उच्चायुक्त ने कही बड़ी बात

ओंटारियो, 8 जून (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानियों की एक और शर्मनाक करतूत सामने आई है। दरअसल कनाडा के ब्रैम्पटन इलाके में एक झांकी निकाली गई। इस झांकी में एक झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या वाली घटना को भी शामिल किया गया था। झांकी में इसे बदला बताया गया था। इस झांकी का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और भारतीय यूजर्स इसकी जमकर आलोचना कर रहे हैं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में की गई थी इंदिरा गांधी की हत्या

बता दें कि देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 में नई दिल्ली स्थित आवास पर गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर से आतंकियों को निकालने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था। इसी ऑपरेशन के विरोध में इंदिरा

गांधी की उन्हीं के गार्ड्स द्वारा हत्या कर दी गई थी। अब कनाडा में खालिस्तानी उस घटना को बदले का नाम देकर सेलिब्रेट करते दिखाई दिए।

कनाडा के उच्चायुक्त ने की निंदा

वहीं खालिस्तानियों की इस करतूत पर भारत में कनाडा के उच्चायुक्त ने नाराजगी जाहिर की है। कनाडा के उच्चायुक्त कैमरून मैके ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'कनाडा में हुए एक इवेंट के दौरान भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को सेलिब्रेट करने की घटना में से मैं हैरान-परेशान हूं। कनाडा में नफरत और नफरत का महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है। मैं इस तरह की घटनाओं की निंदा करता हूं।'

जयशंकर बोले- दुनिया भारत को सुनना चाहती है

राहुल पर कहा- उनकी बुनी कहानियां देश में नहीं चलतीं, तो वो विदेश चले जाते हैं

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 9 साल की फॉरेन पॉलिसी की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा- आज लोग भारत को सुनना चाहते हैं और उन्हें लगता है कि भारत के साथ काम करने से उनका प्रभाव तेज होगा। उन्होंने कहा- दुनिया, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ, भारत को एक विकास के भागीदार के रूप में देखता है।

वहीं, जब एक पत्रकार ने उनसे राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल किया तो जयशंकर ने कहा- जब उनकी बुनी हुई कहानियां देश में नहीं चल पाती तो वो समर्थन के लिए विदेश चले जाते हैं। उनकी(राहुल गांधी) आदत है कि जब वो बाहर जाते हैं तो वे देश की आलोचना करते हैं, हमारी राजनीति के बारे में टिप्पणी करते हैं।

जयशंकर ने विदेशों में राहुल गांधी के भारतीय लोकतंत्र पर दिए बयानों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा- दुनिया देख रही है कि इस देश में चुनाव होते हैं और चुनाव में कभी एक पार्टी जीतती है, कभी दूसरी पार्टी। अगर देश में लोकतंत्र नहीं है तो ऐसा परिवर्तन

नहीं आता। ये कहने के बाद जयशंकर ने मुस्कुराते हुए कहा- हमें पता है कि 2024 के चुनाव का नतीजा तो वही होगा।

भाजपा की शासन में भारत की विदेश नीति पर जयशंकर के 5 बड़े बयान

1) कोविड में भारतीयों को वापस लाने पर

कोविड के दौरान बहुत से देशों ने अपने नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। हम कोविड के दौरान फंसे हुए कम से कम 70 लाख लोगों को वापस लाए।

2) कनाडा में खालिस्तानियों पर

कनाडा में खालिस्तानियों के इंदिरा गांधी की हत्या पर किए जश्न पर जयशंकर ने कहा- हमें समझ नहीं आ पा रहा है वहां ऐसा क्यों होने दिया जा रहा है। वोटबैंक की राजनीति के अलावा कुछ इसके पीछे कोई दूसरी वजह नहीं दिख रही है। इन अलगाववादियों को छूट देना सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि कनाडा के लिए भी अच्छा नहीं होगा।

3) चीन से भारत के रिश्तों पर

चीन के रिश्ते रूस से कितने भी अच्छे हो जाएं। इसका भारत और रूस के रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राहुल के चीन के भारत के बड़े भू-भाग पर कब्जा करने के बयान पर जयशंकर ने कहा- चीन 1950 से भारत की जमीन पर कब्जा कर चुका है। हमारी फौज एलएसी से पैट्रोलिंग कर बेस पर वापस चली जाती है। 2020 के बाद ये नहीं हुआ, क्योंकि चीन ने 1993 और 1996 के समझौतों का उल्लंघन कर बहुत बड़ी मात्रा में फौज लाए तो पैट्रोलिंग कर वापस जाने की बजाए हमें फॉरवर्ड डिप्लोएमेंट करना पड़ा। अभी दोनों देशों की सेनाएं फॉरवर्ड डिपालोएमेंट पर हैं। इसी से दिक्कत आती है।

4) कुलभूषण जाधव पर

पाकिस्तानी की जेल में कुलभुषण जाधव और कतर की जेल में भारतीय नौसैनिकों पर जयशंकर ने कहा- कुलभूषण और कतर की जेल में कैद नौसैनिकों का मामला एक दूसरे से अलग है। पाकिस्तान ने कुलभुषण को किडनैप किया था। ये इस सरकार के डीएनए में है कि हम अपने लोगों को बचाने के लिए हरसंभव कोशिश करते हैं।

5) भारत और नाटो के रिश्तों पर

भारत को नाटो प्लस देशों में शामिल कराने की अमेरिकी सांसदों की मांग पर जयशंकर ने कहा- हम किसी टेम्पलेट में नहीं रहना चाहते हैं। ये भारत की पॉलिसी नहीं है। ये अच्छा है कि वो हमें किसी संगठन में भागीदार बनाना चाहते हैं।

वहीं, भारत और अमेरिका के रिश्तों पर कहा कि अगर अमेरिका को किसी से दिक्कत है तो वो अमेरिका की दिक्कत है। उनके लिए हम किसी देश से अपने रिश्ते नहीं बिगाड़ सकते।

ट्रम्प पर हो सकता है एक और क्रिमिनल केस

सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स मामले में टारगेट पर, 2020 में ले गए थे ईरान-चीन से जुड़ी खुफिया फाइल्स

वॉशिंगटन, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक और केस में फंसते नजर आ रहे हैं। 2021 में राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद ट्रम्प पर कई क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स अपने घर ले जाने का आरोप है। इस केस की जांच कर रही जस्टिस डिपार्टमेंट की स्पेशल काउंसिल के प्रॉसिक्यूटर्स ने ट्रम्प के वकीलों को जानकारी दी है कि वो इस केस में जांच का टारगेट हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, स्पेशल काउंसिल ने अपनी जांच पूरी कर ली है और वो जल्द ही ट्रम्प पर क्रिमिनल चार्ज लगाने की तैयार कर रहे हैं।

वहीं जांच को लेकर ट्रम्प ने कहा- मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है कि मुझ पर क्रिमिनल चार्जेस लगाए जाएंगे। ऐसा होना भी नहीं चाहिए क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया है। ट्रम्प इससे पहले भी कई बार अपने ऊपर चल रहे सभी केस को राजनीतिक साजिश बता चुके हैं। उनके मुताबिक, उन्हें 2024 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से रोकने के

लिए ऐसा किया जा रहा है।

रॉयटर्स के मुताबिक, जस्टिस डिपार्टमेंट किसी को जांच का टारगेट होने का नोटिस जारी कर उसे ज्यूरी के सामने अपना पक्ष और सबूत रखने का मौका देता है। वहीं 2 दिन पहले ही ट्रम्प के वकीलों ने केस पर चर्चा के लिए जस्टिस डिपार्टमेंट के अधिकारियों से मुलाकात की थी। इसके अलावा कैपिटल हिल हिंसा मामले में भी ट्रम्प और उनके सहयोगी सहित कई लोग जांच के दायरे में है। इस केस में भी आरोपी साबित होने पर ट्रम्प पर क्रिमिनल चार्ज लग सकते हैं।

जनवरी 2021 में व्हाइट हाउस छोड़ने पर ट्रम्प पर अपने फ्लोरिडा स्थित आलीशान घर मार-ए-लेगो में कई क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स ले जाने के आरोप लगे थे। ट्रम्प ने इन डॉक्यूमेंट्स को नेशनल आर्काइव्स को सौंपने से भी इनकार कर दिया था। इसके बाद मामला एफबीआई के पास पहुंचा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, एफबीआई को छानबीन में ट्रम्प के घर मार-ए-लागो और उनके प्राइवेट क्लब से 300 से ज्यादा खुफिया दस्तावेज बरामद हुए थे। वहीं कुछ दिन पहले सीएनएन ने एक ऐसी ऑडियो रिकॉर्डिंग मिलने का दावा किया था, जिसमें ट्रम्प ये खुद कबूल करते हैं कि चुनाव हारने के बाद वो सीक्रेट फाइल्स अपने घर ले गए थे। ऑडियो में ट्रम्प कह रहे हैं कि उन्होंने ईरान पर हमले की जानकारी वाली रक्षा विभाग की फाइल अपने पास रखी थी।

बच्चों पर चाकूबाज ने किया हमला

कई गंभीर रूप से घायल

अनेसी, 8 जून (एजेंसियां)। फ्रांस के अनेसी शहर में एक पार्क में कुछ बच्चों पर चाकूबाज ने हमला कर दिया। बताया गया है कि घटना में पांच लोग जख्मी हुए हैं, इनमें चार बच्चे शामिल हैं। फ्रांस पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना अमानवीय है और इसकी जांच की जा रही है। इस बीच फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। इससे पहले जनवरी में पेरिस के एक रेलवे स्टेशन पर हुई चाकूबाजी की घटना में कई लोग घायल हुए थे।

इस दौरान पुलिस को फायरिंग भी करनी पड़ी थी, जिसमें हमलावर घायल हो गया था। पुलिस ने बताया था कि हमले में कई लोग घायल हुए थे। फ्रांस के आतंरिक मंत्री गेरार्ड डरमेनिन ने बताया था कि हमलावर को मार गिराया गया है।

कनाडा के जंगलों की आग का धुआं अमेरिका पहुंचा

10 करोड़ लोगों के लिए प्रदूषण का अलर्ट जारी, बाइडेन ने आग बुझाने भेजे 600 फायरफाइटर्स

ओटावा, 8 जून (एजेंसियां)। कनाडा के जंगलों में लगी आग का धुआं अमेरिका पहुंच गया है। इसकी वजह से अमेरिका के ईस्ट कोस्ट पर सभी स्कूल ने स्टूडेंट्स के बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। यहां आसमान में पीले रंग की धुंध छा गई है। धुएं की वजह से न्यूयॉर्क सहित अमेरिका के कई राज्यों में प्रदूषण को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिकागो से लेकर एटलांटा तक करीब 10 करोड़ लोग प्रदूषण की जद में हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को आग से निपटने के लिए 600 फायरफाइटर्स को कनाडा भेजा। हालात का जायजा लेने के लिए

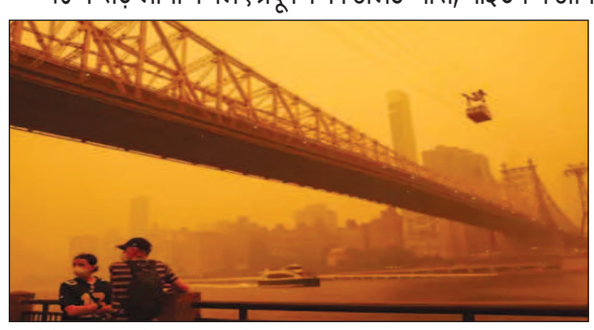

उन्होंने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो से फोन पर बात की। उन्होंने कनाडा को हर संभव मदद का भरोसा दिया।

आग के चलते 1 लाख 20 हजार से ज्यादा लोगों ने घर छोड़ा

दरअसल, कनाडा के जंगलों में अब तक की सबसे भयानक आग लगी है। यहां सभी 10 प्रांतों और शहरों में इसका असर देखा जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, अगस्त तक स्थिति और खराब होने की आशंका है। अब तक करीब 38 हजार स्क्वायर किमी का क्षेत्र जल चुका है। ये पिछले 10 साल के औसत से 13 गुना ज्यादा और बेल्जियम के कुल क्षेत्रफल से भी बड़ा है। इसकी वजह से 1 लाख 20 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है। कनाडा के जंगलों में लगी आग का अमेरिका पर कितना असर हुआ इसका अंदाजा न्यूयॉर्क के एयर क्वालिटी इंडेक्स से लगाया जा सकता है। वहां बुधवार को एयर क्वालिटी सबसे ज्यादा बुरी हो गई। बुधवार दोपहर न्यूयॉर्क का एयर क्वालिटी इंडेक्स 342 पहुंच गया था। जो दिल्ली के एयर क्वालिटी इंडेक्स 164 और दुबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स 168 से दोगुना है।

फारूक अब्दुल्ला-महबूबा के लिए कश्मीर सिर्फ रोजगार

पाकिस्तानी पत्रकार ने कहा- कोई अपने पेट पर लात क्यों मारेगा, हमारा मुल्क सिर्फ इंडस्ट्री

इस्लामाबाद, 8 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बीबीसी के पत्रकार वुसुतुल्लाह खान के एक बयान पर बवाल मचा हुआ है। पिछले दिनों एक लिट्रेचर फेस्टिवल में सीनियर जर्नलिस्ट खान ने कहा- पाकिस्तान को किसी गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। हमारा मुल्क एक इंडस्ट्री की तरह है। इसकी वजह से फारूक अबदुल्ला, महबूबा मुफ्ती और कश्मीर कमेटी को रोजगार मिलता है। कोई अपने पेट पर लात क्यों मारेगा? खान ने आगे भी कुछ बातें कहीं, जो हॉल में मौजूद कुछ लोगों को बेहद नागवार गुजरीं और उन्होंने हंगामा कर दिया। इस पर वुतुतुल्लाह उठकर जाने लगे, बाद में होस्ट असमा शिराजी ने किसी तरह उन्हें मनाया। यह लिट्रेचर फेस्टिवल पिछले दिनों पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुजफ्फराबाद में ऑर्गनाइज किया गया था।

इसमें पाकिस्तान के नामचीन और सीनियर जर्नलिस्ट्स मौजूद थे। इनमें वुसुतुल्लाह खान, हामिद मीर, असमा शिराजी और फखर यूसुफजई भी शामिल थे। प्रोग्राम की एंकर असमा थीं। उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर वुसुतुल्लाह खान से उनका नजरिया जानना चाहा। इस पर खान ने वो बातें कह दीं, जो पाकिस्तान की सरकार, फौज और आम अवाम को पसंद नहीं आतीं, क्योंकि ये कड़वा सच हैं।

बीजेपी ने ढूंढा गहलोत सरकार की योजनाओं का तोड़

चुनाव से पहले बदली रणनीति, कांग्रेस के 'कर्नाटक प्लान' से राजस्थान जीतने की कोशिश

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में जो मुद्दे कांग्रेस की जीत का कारण बने, अब राजस्थान में उन्हीं मुद्दों के सहारे बीजेपी ने सत्ता में वापसी का रोडमैप तैयार किया है। कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार को बनाया था। वहां 40 प्रतिशत कमीशन का नारा देकर कांग्रेस ने बीजेपी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया।

अब राजस्थान में बीजेपी ने अपनी रणनीति में बदलाव करके भ्रष्टाचार को ही सबसे बड़ा मुद्दा बनाकर कांग्रेस के खिलाफ जनाक्रोश पैदा करने की तैयारी की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का कहना है कि कांग्रेस के शासन में 50 प्रतिशत कमीशनखोरी है। भ्रष्टाचार चरम पर है। यह ऐसा मुद्दा है जो आम जन से जुड़ा है। इस मुद्दे को लेकर हम चुनाव में उतरेंगे।

वहीं डायरेक्ट बेनिफिट वाली योजनाओं से जनता में बन रहे कांग्रेस माहौल का असर कम करने के लिए बीजेपी सरकार की खामियों को जनता में ले जाने पर फोकस कर रही है।

बीजेपी का दावा है कि कांग्रेस जिन योजनाओं के भरोसे सरकार रिपीट करने के दावे कर रही है, असल में वे चुनावी छलावे के सिवा कुछ नहीं है।

इसके अलावा राजस्थान में बीजेपी मोदी सरकार के नौ साल के काम को घर-घर पहुंचाने के लिए बीजेपी हर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र में अभियान चला रही है। वहीं, गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था को भुनाने पर उसका पूरा जोर है।

सरकार को घेरने वाले इन्हीं मुद्दों को आगे रखकर बीजेपी ने 13 जून को जयपुर में सचिवालय के घेराव की घोषणा की है।

भाजपा मुख्यालय पर सभा के बाद बीजेपी के बड़े नेताओं के नेतृत्व में सचिवालय को घेरा जाएगा। बीजेपी का मानना है कि राजधानी में होने वाले इस घेराव से पूरे प्रदेश में कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनेगा।

बड़े नेताओं को लोकसभावार जिम्मेदारी

बीजेपी की सेंट्रल लीडरशिप की ओर से राजस्थान में जिन नेताओं को लोकसभा वार जिम्मेदारी दी गई है, उनको भी कांग्रेस के भ्रष्टाचार और आमजन से जुड़े मुद्दों को ज्यादा से ज्यादा उठाने के लिए कहा गया है।

सभी लोकसभा क्षेत्रों में चल रहे कार्यक्रमों में कांग्रेस सरकार के खिलाफ महिला अपराध, किसानों की कर्जमाफी, युवाओं से जुड़े पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधली जैसे मुद्दे खासकर फोकस किए जा रहे हैं। बिजली उत्पादन के लिए कोयला खरीद में गड़बड़ी, आईटी के ठेकों में भ्रष्टाचार और पेयजल प्रोजेक्ट्स में धांधली के मुद्दों पर कांग्रेस सरकार को बीजेपी घेर रही है।

गहलोत सरकार की योजनाओं ने बढ़ाई चिंता

भाजपा के जानकार नेता अंदरखाने यह मानते हैं कि कांग्रेस सरकार की फ्री बिजली, 25 लाख तक मुफ्त इलाज और सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन सहित कई योजनाओं से प्रदेश में माहौल बदला है। कुछ नेता यह भी कहते हैं कि जिस तरह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी साल में एक के बाद एक घोषणाएं की हैं, उनसे भाजपा में अंदरुनी खलबली मची हुई है।

इस स्थिति में बीजेपी की रणनीति अब सरकार के खिलाफ माहौल बनाने के लिए ऐसे मुद्दों को हवा देना है जो गहलोत की योजनाओं का असर कम करे।

चुनाव से पहले भ्रष्टाचार, परीक्षाओं में धांधली, किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को बीजेपी अपने प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगी।

राजनीतिक विश्लेषक लक्ष्मण बोलिया कहते हैं- इस बार कांग्रेस की योजनाओं का लोगों में असर है। सरकार के खिलाफ एंटीइन्कमबेंसी की जिस संभावित स्थिति से हर बार चुनाव से पहले विपक्षी पार्टी को जीत की राह आसान दिखाई देती थी, वो इस बार उतनी आसान नहीं है। गहलोत की फ्री बिजली और 500 रुपए में सिलेंडर जैसी योजनाओं से लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। बोलिया कहते हैं- सरकार के खिलाफ ओवरऑल ऐसा कोई बड़ा मुद्दा नहीं है जो बीजेपी के पक्ष में जाता दिखाई दे।

इंटेलीजेंस की टिप पर 4 कॉल सेंटर पर एक्शन

40 से अधिक युवक-युवतियां गिरफ्तार

अमेरिका के लोगों के साथ किया करते थे साइबर फ्रॉड

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। राजस्थान इंटेलिजेंस की सूचना पर जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने देर रात 4 जगहों पर दबिश देकर 40 से अधिक युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी लोग कॉल सेंटरों में बैठकर अमेरिका फोन किया करते थे। इंटेलिजेंस अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ माह से निरंतर अमेरिका फोन जाने की जानकारी मिल रही थी। जिसके बाद आईपी ऐड्रेस और फोन कॉल को ट्रेस किया गया। जिससे पता चला की अलग-अलग लोकेशन से बड़ी संख्या में फोन कॉल अमेरिका जा रहे हैं। इन फोन कॉल्स पर जब काम किया गया तो इंटेलिजेंस के अधिकारियों को पता चला कि ये फ्रॉड कॉल हैं। इस पर इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने जयपुर कमिश्नरेट की टीम के साथ मिलकर सिरसी रोड, भांकरोटा, जगतपुरा और चित्रकूट में बने इन कॉल सेंटर पर दबिश दी। रात 8 बजे इंटेलिजेंस के अधिकारी जयपुर कमिश्नरेट पहुंचे और जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम को अपने साथ में लेकर इन जगहों पर दबिश दी। देर रात 12 बजे से सभी सेंटरों पर पुलिस ने दबिश देना शुरू किया। इस दौरान पुलिस के हाथ बड़ी संख्या में लैपटॉप, डोंगल, फाइबर और 40 से अधिक युवक और युवतियां मिली हैं। इन सभी के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

इंटेलिजेंस टीम की छापेमारी के बाद अब रामनगरिया, करणी विहार,भांकरोटा और चित्रकूट में इन सेंटरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना शुरू हो रहा हैं। एडीजी इंटेलीजेंस एस.सिंगाथिर ने बताया कि पिछले कुछ माह से इंटेलीजेंस के पास सूचना मिल रही थी की रात को कुछ इलाकों से इंटरनेट और सामान्य कॉल अमेरिका जा रही हैं। इस पर कॉल को ट्रेस कर लोकेशन देखी गई।

क्या मुश्किल सियासी हालात में उलझ गए पायलट ?

नई पार्टी बनाने की राह आसान नहीं, जानिए- सचिन के पास क्या रास्ता

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। क्या पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट नई राजनीतिक पार्टी बना रहे हैं? राजस्थान ही नहीं पूरे देश की राजनीति में आज ये सबसे बड़ा सवाल है। दो दिन पहले कुछ न्यूज पोर्टल पर एक न्यूज चली- सचिन पायलट प्रगतिशील कांग्रेस नाम से बनाएंगे नई पार्टी, 11 जून को करेंगे घोषणा। इसके बाद से हर कोई जानना चाहता है कि क्या पायलट कांग्रेस से अलग होकर राजनीतिक की नई राह चुनने वाले हैं?

पायलट का नई पार्टी बनाना क्यों है मुश्किल...

मुश्किल 1 : अब तक आवेदन ही नहीं

राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (आईएएस) डॉ. प्रवीण कुमार गुप्ता बताया कि आवेदन कोई भी कर सकता है, लेकिन आम तौर पर आवेदन के बाद चुनाव आयोग 3 से 4 महीने का समय लेकर ही रजिस्ट्रेशन करता है। ऐसे में फिलहाल कोई नई पार्टी सामने नहीं आई है।

जिन राजनीतिक पार्टियों के रजिस्ट्रेशन को एक वर्ष पूरा हो जाता है, उनकी ऑडिट रिपोर्ट चुनाव आयोग संबंधित राज्य से लेता है। राजस्थान के निर्वाचन आयोग से विगत एक वर्ष में एक भी नई राजनीतिक पार्टी की ऑडिट रिपोर्ट नहीं मांगी गई है। अक्सर चुनावी वर्ष में राजनीतिक पार्टियां बनती है, लेकिन इस बार ऐसा अब तक नहीं हुआ है।

मुश्किल 2 : कांग्रेस से देना होगा इस्तीफा

भाजपा से वर्तमान राज्यसभा सांसद और 2018 में दीनदयाल वाहिनी नामक पार्टी बना चुके घनश्याम तिवाड़ी का कहना है कि किसी भी नई राजनीतिक पार्टी के लिए चुनाव आयोग के पास

आवेदन करने के लिए किसी भी संगठन के पास 100 सदस्य होना जरूरी है।

आवेदनकर्ताओं को नियमानुसार शपथ पत्र देना पड़ता है कि वे किसी भी अन्य राजनीतिक पार्टी के सदस्य नहीं हैं। सचिन पायलट या कोई और नेता हो, नई पार्टी के लिए तब तक आवेदन नहीं किया जा सकता है, जब तक कि वे किसी राजनीतिक पार्टी के सदस्य बने हुए हैं।

सचिन पायलट की बात करें तो उन्होंने और उनके समर्थकों ने न अब तक कांग्रेस से इस्तीफा दिया है और न ही ऐसी कोई घोषणा की है।

मुश्किल 3 : 4-12 महीने लगते हैं नई पार्टी बनने में

भाजपा से अलग होकर अपनी स्वयं की राजनीतिक पार्टी बनाकर राज्य स्तर पर मान्यता लेने वाले सांसद हनुमान बेनीवाल ने बताया राजनीतिक पार्टी बनाने की एक पूरी प्रक्रिया और नियम हैं।

उसके तहत कोई भी व्यक्ति तब तक किसी नई पार्टी का सदस्य नहीं हो सकता जब तक वो किसी अन्य पार्टी में भी सदस्य बना हुआ हो।

मैं पहले जब भाजपा में था तो पूरी तरह से अलग होने के बाद ही रालोपा का गठन किया था। आवेदन के बाद संगठन का राजनीतिक दल के तौर पर रजिस्ट्रेशन होने में कम से कम 4-12 महीने का समय लग जाता है। जबकि...विधानसभा चुनाव में अब 6 महीने का ही वक्त बचा है।

20 जून तक सोनिया, राहुल और प्रियंका हैं विदेश में

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि 11 जून को सचिन पायलट अपने पिता राजेश पायलट की पुण्यतिथि के अवसर पर दौसा में नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान करेंगे।

दौसा में ही एक सड़क दुर्घटना में राजेश पायलट का देहांत हुआ था। वहीं उनकी एक आदमकद प्रतिमा भी लगी हुई है।

पायलट प्रत्येक वर्ष 11 जून को दौसा जाते हैं। इस बीच 19 जून को राहुल गांधी का जन्मदिन है और वे 20 जून तक लंदन में हैं। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी अमेरिका हैं। ऐसे में संभावना कम ही है कि तीनों के विदेश में होने के दौरान पायलट का इतना बड़ा व महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाएंगे।

आईपीएस के काम पर भड़के मुख्यमंत्री गहलोत

नए 15 जिलों में पुलिस के स्पेशल ऑफिसर्स को नियुक्ति, एसपी की तरह काम करेंगे

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस मुख्यालय में क्राइम मीटिंग लेने के बाद देर रात 20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इन 20 आईपीएस अधिकारियों में 5 सीनियर आईपीएस अधिकारी हैं।

इनमें वीके सिंह, हवा सिंह घुमरिया, रूपिन्दर सिंह,राहुल प्रकाश और डॉ.रामेश्वर सिंह हैं। वहीं, 15 आईपीएस अधिकारियों को नए जिलों में ओएसडी लगाया गया हैं। सूत्रों की मानें तो बुधवार को हुई क्राइम मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री ने डीजीपी के साथ उनके चैम्बर में 15 मिनट की मीटिंग की।

इस चर्चा के बाद 4 सीनियर अधिकारियों के तबादले किए गए और आईपीएस राहुल प्रकाश का ट्रांसफर भरतपुर रेंज से कैंसिल कर जयपुर कमिश्नरेट में किया गया। चर्चा यह है कि क्राइम मीटिंग के बाद कुछ अधिकारियों से सीएम ने उनके काम को लेकर बात की जिससे सीएम नाराज हुए।

क्राइम मीटिंग के दौरान सीएम ने इन अधिकारियों के काम को लेकर कई सवाल डीजीपी से भी पूछे। क्राइम मीटिंग खत्म होने के बाद सीएम ने 20 मिनट प्रेस को दिया और सीएमआर चले गए।

महज आधे घंटे बाद पुलिस मुख्यालय में तैनात वीके सिंह और हवा सिंह घुमरिया का तबादला कर दिया गया। वहीं सीएम ने 15 जिलों में 15 आईपीएस को पुलिस विशेषाधिकारी लगाया गया है। ये एसपी की तरह काम करेंगे। इससे पहले इन जिलों में 15 आईएएस को ओएसडी के तौर पर लगाया जा चुका हैं।

5 दिन बाद ही फिर जयपुर में पोस्टिंग

भरतपुर रेंज आईजी के पद पर लगाए गए डीआईजी राहुल प्रकाश का तबादला कैंसिल कर जयपुर कमिश्नरेट में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात व प्रशासन लगाया है। कमिश्नरेट में दो साल बाद उनकी वापसी हुई है। रूपिन्दर सिंह भरतपुर रेंज आईजी होंगे।

पिता ने 3 साल के बेटे को काट डाला

चूरू, 8 जून (एजेंसियां)। पत्नी से हुए झगड़े के बाद एक पिता ने अपने 3 साल के बेटे की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। मां ने जब मासूम बेटे को खून से लथपथ देखा तो वह चिल्लाई। इस पर पड़ोस में रहने वाला देवर दौड़कर आया और भतीजे को अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। मामला चूरू जिले के राजलदेसर का है।

थानाधिकारी रतनलाल ने बताया कि प्रेमनगर निवासी किशोर कुमार पुत्र सुगनाराम जाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने बताया कि उसका बड़ा भाई प्रहलाद (25) अपने परिवार के साथ ढाणी में अलग से मकान बनाकर रहता है। बाकी भाई एक साथ रहते हैं। प्रहलाद के 2 बेटे लोकेश (3) और भरत (1) थे। मंगलवार को किसी काम से प्रहलाद घर से बाहर गया था। बुधवार सुबह 7 बजे लौटा। घर आने पर भाभी रजनी ने बड़े भाई से कहा कि आप थोड़ा भी ध्यान नहीं रखते की ढाणी में आपके बच्चे अकेले हैं। रात भर घर से बाहर क्यों रहते हो। इस बात पर दोनों में झगड़ा हो गया।

किशोर ने बताया कि झगड़ा होने पर प्रहलाद गुस्से में आ गया और घर में रखी कुल्हाड़ी उठाकर अपने 3 साल के बेटे लोकेश की गर्दन पर वार कर दिया। लोकेश मौके पर ही ढेर हो गया। उसकी भाभी जोर से चिल्लाई तो वह दौड़कर भाई के घर पहुंचा। लोकेश खून से लथपथ पड़ा था। प्रहलाद के हाथ में कुल्हाड़ी थी। लोकेश को गोद में उठाया और रतनगढ़ अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। एसपी राजेश कुमार मीना ने बताया कि पिता को डिटेन कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

थानाधिकारी रतनलाल ने बताया कि प्रहलाद और उसके 2 छोटे भाइयों की शादी सुजानगढ़ तहसील की कालेरा की ढाणी में करीब 4 साल पहले हुई थी।

प्रेमी जोड़े ने सुसाइड से पहले ली सेल्फी

मौत से वॉट्सऐप स्टेट्स पर एक साथ शेयर की फोटो

बाड़मेर, 8 जून (एजेंसियां)। लव अफेयर में एक प्रेमी जोड़े ने फंदा लगाकर गांव की स्कूल में सुसाइड कर लिया। सुबह जब दोनों नहीं मिले तो परिजन ढूंढते हुए गांव में पहुंचे। यहां स्कूल में दोनों के शव लटके हुए मिले थे। मामला बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थाने के मांगता गांव में गुरुवार सुबह 5 बजे का है। बताया जा रहा है कि सुसाइड से पहले दोनों ने वॉट्सऐप पर एक-दूसरे की फोटो भी शेयर की। धोरीमन्ना थाने के एएसआई और जांच अधिकारी लाखाराम ने बताया कि मांगता निवासी खुशी (19) पुत्री नरेश कुमार और ओमप्रकाश (21) पुत्र बाबुलाल दोनों के बीच लव अफेयर चल रहा था। दोनों के घर की दूरी करीब आधा किलोमीटर ही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों बुधवार रात को ही अपने घर से निकल कर गांव में बनी सरकारी प्राइमरी स्कूल में आ गए थे। यहां दोनों कई देर बैठे रहे और इसके बाद साथ में सेल्फी लेकर अपने-अपने वॉट्सऐप स्टेट्स पर शेयर की थी।

झगड़े के बाद पति ने पत्नी को मारी गोली

लाश को नहला कपड़े दफनाए, घर में छुपाया, पंचायत में 20 लाख का ऑफर दिया

भरतपुर, 8 जून (एजेंसियां)। पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पत्नी को गोली मारकर हत्या कर दी। इस मर्डर के बारे में किसी को पता नहीं चले इसके लिए उसके शव को नहलाया और कपड़े जमीन में दफना कर लाश को छिपा दिया।

इधर, जब पड़ोसियों को इसके बारे में पता चला तो रात में ही पंचायत बुला दी। यहां बेशर्म पति अपनी पत्नी की हत्या के बाद मामला रफा-दफा करने के नाम 20 लाख का ऑफर दे दिया।

मामला भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके के इखनाका गांव में बुधवार रात 9 बजे का है। हत्या के बाद आरोपी पति फरार चल रहा है। थाना अधिकारी शिवलहरी ने बताया कि वाहिद (35) किराए पर बोलेरो चलाता है। बुधवार रात को वह गाड़ी लेकर 8 बजे अपने घर पहुंचा था। उसके तीन बच्चे हैं। जब वह घर पहुंचा तो बच्चे सो चुके थे। इसी बीच पत्नी शहनाज (30) के साथ उसका झगड़ा हो गया। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि वाहिद गुस्से में घर से कट्टा निकाल लाया और शहनाज के सीने में गोली मार दी। सीने में गोली लगते ही उसकी मौत हो गई। इधर, फायरिंग की आवाज सुन पड़ोसियों को शक हुआ तो उसके घर पहुंचे। लेकिन, उसने फायरिंग का मना कर दिया। इसके बाद पत्नी की लाश को नहलाया उसके खून से सने कपड़े बदल घर में दफना दिए और एक कपड़े में लाश को बांध पलंग के नीचे छिपा दिया। थाना अधिकारी ने बताया कि पुलिस को गुरुवार सुबह इसकी जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ लगी थी। ग्रामीणों से पूछताछ की तो पता चला कि पड़ोसियों ने गोली की आवाज सुनी तो पता चला कि वाहिद ने शहनाज की हत्या कर दी है।

इस पर शहनाज के घरवालों को सूचना दी गई और पंचायत बुलाई गई। पंचायत में इस मामले को रफा-दफा करने के लिए वाहिद ने शहनाज के घरवालों को 20 लाख रुपए तक देने का कहा लेकिन वे नहीं माने। रातभर पंचायत में बात नहीं बनी तो सुबह पुलिस को सूचना दी गई।

उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची तो वाहिद फरार हो चुका था। इसके बाद घर के आंगन को खोदा गया तो उसमें से खून से सने कपड़े मिले। अभी शहनाज के परिजनों की रिपोर्ट पर पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमार्टम के बाद शव भी सौंप दिया गया है।

दो महिलाएं छिपाकर लाई 43 लाख का गोल्ड

बैंकॉक से जयपुर फ्लाइट में आई थी, 350-350 ग्राम के कैप्सूल मिले

जयपुर, 8 जून (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर गोल्ड तस्करी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। 7 दिन में दूसरी बार गोल्ड तस्करी करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। जब इनकी जांच की तो इनके रेक्टम से करीब 43 लाख का गोल्ड मिला।

मामला जयपुर एयरपोर्ट पर बुधवार दोपहर करीब 2 बजे का है। इन्हें SMS हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां सर्जरी 350-350 ग्राम के दो कैप्सूल निकाले गए। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि ये

कैप्सूल दिल्ली में सप्लाई करने थे।

बैंकॉक से आई थी दोनों महिलाएं, एक्स-रे से पकड़ी गई

जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने बताया कि दोनों महिलाएं बैंकॉक की रहने वाली है। 7 जून बुधवार दोपहर 2 बजे बैंकॉक से फ्लाइट एफडी130 से महिलाएं जयपुर आई थी। एयरपोर्ट पर डिटेन कर उन्हें गोल्ड के बारे में पूछताछ की गई।

इस पर उन्होंने किसी तरह का गोल्ड होने से मना कर दिया। कस्टम अधिकारियों ने जांच की तो उन्हें गोल्ड नहीं मिला। शक होने पर कस्टम अधिकारियों ने कोर्ट से महिलाओं के एक्स-रे की परमीशन मांगी। परमिशन मिलने के बाद दोनों महिलाओं को शाम करीब 5 बजे एसएमएस हॉस्पिटल लाया गया। यहां सीनियर सर्जन की मौजदूगी में जब एक्स-रे किया गया तो दोनों के रेक्टम में गोल्ड का कैप्सूल दिखाई दिया। करीब 2 घंटे में दोनों के रेक्टम से गोल्ड के कैप्सूल बाहर निकाले गए। गुरुवार को सुबह करीब 10 बजे इन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

कस्टम अधिकारियों ने बताया कि एक कैप्सूल का वजन करीब 350 ग्राम है। कुल 700 ग्राम गोल्ड मिला है, जिसकी कीमत करीब 43 लाख 12 हजार रुपए है।

हनी ट्रैप में महिला समेत तीन गिरफ्तार

व्यापारी को कपड़े खरीदने के बहाने बुलाया, अश्लील वीडियो बना 1 लाख मांगे

कोटा, 8 जून (एजेंसियां)। कोटा में एक व्यापारी से हनीट्रैप का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों कपड़ा व्यापारी के अश्लील वीडियो शेयर करने की धमकी देकर 1 लाख रुपए मांग रहे थे।

मामला शहर के बोरखेड़ा थाना पुलिस का है। पीड़ित की ओर से दी शिकायत के आधार पर डीएसपी धर्मवीर चौधरी के निर्देश पर टीम गठित की गई थी। इस पर

पुलिस ने अलका शर्मा (40) निवासी तलवंडी, महेंद्र सिंह (45)निवासी रश्मि विहार, बोरखेड़ा व कमल उर्फ देवरिया (37) निवासी सब्जीमंडी, थाना रामपुरा को गिरफ्तार किया है।

बोरखेड़ा थाना सीआई बाबूलाल ने बताया रॉयल टाउनशिप थेगड़ा निवासी व्यापारी ने 5 जून को शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि उसकी छावनी इलाके में कपड़े की होलसेल दुकान है। कपड़े खरीदने के लिए अल्का नाम की महिला का फोन आया था। इस पर 3 जून को दोपहर को बुलाया और कपड़े उतारने को कहा। ऐसा नहीं करने पर वह धमकी देने लगी। इस पर जैसे ही कपड़े उतारे दो लोग वहां आकर वीडियो बनाने लगे।

श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ कल से, विभिन्न समाजों को भाग लेने का निवेदन

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगती समाज हैदराबाद के तत्वावधान मे काचीगुडा स्थित पटेल घनश्याम भवन में आगामी शनिवार 10 जून 2023 से शुक्रवार 16 जून तक श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ आयोजन किया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष महेश पटेल, मानद्मंत्री घनश्याम पटेल, भारतीबेन पटेल तथा लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने आज विभिन्न समाजो के पदाधिकारीयों को कथा में भाग लेने हेतु निवेदन किया। आज गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, श्री जगन्नाथ मठ के श्रीश्री श्री श्रीनिवासा रामानुजा व्रतधरा जीयर स्वामी एवं उत्तराधिकारी अच्युत रामानुजाचार्य, स्वामीनारायण गुरूकुल के विवेक स्वामी, धर्मानंद स्वामी, प्रियदर्शन स्वामी एवं हरिदर्शन स्वामी, पू. रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला के जीवरामभाई पटेल, नीलकंठ विद्यापीठ के सुरेश पटेल, श्री उमिया पाटीदार समाज के किरण पटेल, हरजीवन पटेल, एकल विद्यापीठ के कैलाश नारायण बांगडीया, महेश्वरी समाज के लक्ष्मीनारायण राठी,राजस्थानी सैनिक क्षत्रीय माली समाज के रामवल्लभ भाटी, समाजसेवी वेणुगोपाल लोया, आप और हम संस्था के जुगलकिशोर जाजु, भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सचीव डा. भगवंत राव, जीयागुडा पार्षद दर्शन बोहिनी तथा अनेक धार्मिक, सामाजिक संस्थाओ के पदाधिकारीयो से भेटकर उन्हे भागवत कथा मे अवश्य भाग लेने का निवेदन किया गया।

जसमत पटेल ने कहा कि शनिवार 10 जून को सायं 4 बजे से भव्य पोथी यात्रा निकाली जायेगी, जिसमें समाज की 108 युवतियों द्वारा कलश धारण कर शोभा यात्रा मे चलेंगी। पोथी यात्रा पटेल घनस्याम पटेल हॉल से प्रारंभ होकर काचीगुडा क्षेत्र के विभिन्न मार्गो से होते हुए वापस सायं 5 बजे पटेल घनश्याम भवन पहुंचेगी।

उन्होने आगे कहा कि 11 जून को परिक्षित जन्म, 12 जून को ध्रुवजी की कथा, 13 जून को भगवान राम एवं कृष्ण जन्म, 14 जून को गोवर्धन लीला (अन्नकुट), 15 जून को रूकमीणी विवाह, 16 जून को कृष्ण सुदामा मिलन प्रसंग विशेष रहेंगे।

उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा निःशुल्क भोजन वितरण शिविर शुरू

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नुमाईश मैदान में मछली प्रसादम वितरण के तहत उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा लगाये गये मुफ्त भोजन वितरण शिविर का शुभारंभ किया गया। इसमें अस्थमा के रोगी और आमलोगों को बिस्कुट, केला, छाछ, ठंडा पानी बांटा गया। दसमे काफी सांखिया में लोगों ने लाभ उठाया। कल 9 जून को सुबह 6.00 बजे से उपमा, पूरी सब्जी और पुलिहारा का वितरण शुरू होगा, जो 24 घंटे चालू रहेगा। उत्तर भारती नागरिक संघ पिछले 25 साल से अस्थमा के मरीज और अन्य लोगों के लिए मुफ्त भोजन की व्यवस्था करा आ रहा है। इस अवसर पर उत्तर भारती नागरिक संघ के युवा अध्यक्ष अमरजीत सिंह, डॉ. सूर्यप्रकाश जायसवाल, प्रशांत, सुमित व अन्य उपस्थित रहे।

नुमाईश मैदान में अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा लगाये गये मछली प्रसादम शिविर में जलसेवा करते हुए राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संघ, तेलंगाना के अध्यक्ष अशोक कुमार सेन, महावीर प्रसाद डाकोतिया, प्यारेलाल गुप्ता, पवन टिबरेवाल।

सिडबी सीवीओ की हैदराबाद में निवारक सतर्कता पर बैठक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एमएसएमई के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास हेतु तथा इसी प्रकार की गतिविधियों में लगे हुए विभिन्न संस्थानों के कार्यों के समन्वय के लिए के लिए देश का प्रमुख वित्तीय संस्थान भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), दिलीप कुमार सिंह ने आज हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय और उसके अंतर्गत शाखा कार्यालयों के अधिकारियों के साथ निवारक सतर्कता पर बैठक की और बैंक के कामकाज में सतर्कता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने निवारक सतर्कता पर ज़ोर देते हुए कहा कि प्रधान कार्यालय द्वारा दिए गए ऋण संवितरण के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए शाखाओं को वर्ष के शुरुआती दिनों में ही योजना बना लेनी चाहिए और उसे पूरा करने के लिए समीक्षा करते रहना चाहिए ताकि अंतिम महीनों में लक्ष्य पूरा करने की हड़बड़ी में ऋण प्रस्तावों की गुणवत्ता से समझौता ना करना पड़े और एनपीए तथा धोखाधड़ी से बचा जा सके। सभी को ऋण नियमों और प्रक्रियाओं का सही ज्ञान, प्रशिक्षण एवं डेस्क पर अभ्यास और अधीनस्थ स्टाफ की सही तरह से मेंटरिंग आदि ऋण गुणवत्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही, अधीनस्थ स्टाफ की लगन और उत्सुकता उन्हें सक्षम व आत्मविश्वासी बनाती है जिससे चूक होने की संभावना काफी कम हो जाती है।

श्री सिंह ने विश्वास दिलाया कि सतर्कता विभाग से बेवजह डरने की जरूरत नहीं है। यह विभाग बैंक के कामकाज में पारदर्शिता और ईमानदारी को सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए है। साथ ही, यह विभाग अच्छी नीयत से काम करनेवाले उन अधिकारियों की सुरक्षा के लिए भी है जिनका भ्रष्टाचारी अपने फायदे के लिए दुरुपयोग कर सकते हैं। उन्होंने ज़ोर दिया कि, सबको अपनी ज़िम्मेदारी निभानी चाहिए और जनता के पैसे की सुरक्षा ध्यान में रखनी चाहिए। जैसे हम अपने पैसे कहीं लगाते समय ठीक से छानबीन करते हैं और सभी जानकारियों को गंभीरता से लेते हैं उसी तरह की गंभीरता और सक्रियता बैंक से ऋण देते समय तथा उसकी निगरानी एवं वसूली में भी दिखानी चाहिए और अपने कामकाज में पारदर्शिता रखनी चाहिए । उन्होंने सिडबी में किए जा रहे ऋण प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को भी निवारक सतर्कता में सहायक बताया। अंत में, श्री सिंह ने अधिकारियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

इस अवसर पर हिमांशु अस्थाना, महा प्रबंधक (क्षेत्रीय-प्रभारी) सुश्री आर. प्रभावती, उप महा प्रबंधक, टी. विद्यासागर, उप महाप्रबंधक तथा पी.वी.एस. लक्ष्मीनारायणा, उप महाप्रबंधक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे और विजयवाड़ा , विशाखापटनम तथा तिरुपति शाखाओं के अधिकारीगण ऑनलाइन जुड़े थे। हिमांशु अस्थाना, महा प्रबंधक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

एनसीसी कैडेट्स को समाज सेवा हेतु जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 1-तेलंगाना बटालियन एनसीसी द्वारा चलाए जा रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में आज अग्निशमन एवं साईबर धोखाधड़ी पर जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शिविर के कमान अधिकारी कर्नल प्रसून नाथ ने बताया कि साईबर धोखाधड़ी पर साइबराबाद, साईबर क्राइम के एसीपी श्रीधर एवं साईबर सिक्योरिटी विभाग के मैनेजर भानु प्रसाद व स्वयंसेवी साईनाथ चारी ने शिविर में कैडेट्स को जागरुक किया। साथ ही मलकाजगिरी अग्निशमन केंद्र से पधारे अधिकारी ने कैडेट्स को कहीं आग लगने पर हमारी क्या प्रतिक्रिया होनी चाहिए और उन्होंने अग्निशमन वाहन का कैसे इस्तेमाल किया जाता है इसका उदाहरण दिखाया। कार्यक्रम में कमान अधिकारी कर्नल प्रसून नाथ, एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह, सूबेदार मेजर सत्यपाल सिंह, अन्य एनसीसी अधिकारी, जेसीओ एवं कैडेट्स ने भाग लिया।

सेस ने राजन्ना-सिरिसिल्ला में भूमिगत बिजली केबल की योजना बनाई

राजन्ना सिरिसिल्ला, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरसिल्ला को-ऑपरेटिव इलेक्ट्रिक सप्लाई सोसाइटी (सेस) के अंडरग्राउंड पावर केबल बिछाने के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के साथ एक फलता-फूलता हरित क्षेत्र बनने की ओर अग्रसर है। ओवरहेड बिजली के तारों के संपर्क से बचने के लिए पूरी तरह से विकसित पेड़ों को काटने की आम प्रथा राज्य सरकार के हरित क्षेत्र को बढ़ाने के मिशन में बाधा रही है। इसके आलोक में सेस ने संचरण हानियों, तेज़ हवाओं के दौरान रुकावटों और ऊपरी तारों के संपर्क में आने से होने वाली दुर्भाग्यपूर्ण मौतों को कम करने के लिए भूमिगत बिजली केबल बिछाने के लिए अभिनव विचार प्रस्तुत किया।

अंडरग्राउंड केबल लगाने के अलावा सीईएसएस ने स्मार्ट मीटर लगाने के लिए केंद्र की पहल में हिस्सा लेने का भी फैसला किया है। राज्य सरकार और आईटी मंत्री के टी रामाराव को प्रस्ताव पेश करने के बाद, सेस को एक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसमें सरकार ने अधिकारियों को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया। इन निर्देशों के बाद, सीईएसएस और नगरपालिका अधिकारियों ने चरणबद्ध तरीके से परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए एक सर्वेक्षण और योजना आयोजित की है। प्रारंभ में, परियोजना को जिले के अन्य भागों में विस्तार करने से पहले सिरसिला और वेमुलावाड़ा नगर पालिकाओं में एक पायलट आधार पर लागू किया जाएगा।

225 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सिरसिला शहर में एक भूमिगत जल निकासी प्रणाली विकसित करने का भी प्रस्ताव है। नतीजतन, अधिकारियों ने भूमिगत जल निकासी प्रणाली के साथ-साथ बिजली के केबल बिछाने की योजना बनाई है। प्रारंभ में, कारगिल झील से चंद्रमपेट तक और अंबेडकर चौक से मनैर ब्रिज तक के हिस्से सहित चयनित क्षेत्रों में भूमिगत तार लगाए जाएंगे।

तेलंगाना टुडे से बात करते हुए, सीईएसएस के अध्यक्ष चिक्कल रामा राव ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य ट्रांसमिशन नुकसान, तेज हवाओं के दौरान रुकावट और ओवरहेड तारों के संपर्क से होने वाली मौतों को कम करना है। इससे लगातार पेड़ों की छंटाई की आवश्यकता भी कम होगी, जिससे क्षेत्र की हरियाली बढ़ेगी।

"हमारी जिन्दगियां दांव पर..."

कनाडा में भारतीय विद्यार्थी कर रहे डीपोर्टेशन के जोखिम का सामना

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। कनाडा में सैकड़ों भारतीय छात्र संकट में फंस गए हैं। इन छात्रों पर कनाडा से डीपोर्टेशन की तलवार लटक रही है। ऐसे में ये छात्र विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। इनमें ज्यादातर छात्र पंजाब से हैं। छात्रों का कहना है कि कनाडा के अधिकारियों ने उन पर कनाडा के विश्वविद्यालयों के लिए फर्जी प्रवेश पत्रों के आधार पर वीजा प्राप्त करने का आरोप लगाया है। बता दें कि कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) ने हाल ही में करीब 700 भारतीय छात्रों को डीपोर्टेशन पत्र जारी किया है। पत्र तब जारी किए गए जब सीबीएसए ने पाया कि छात्रों के प्रवेश प्रस्ताव पत्र फर्जी हैं।

विरोध करने वाले कई छात्रों का दावा है कि वे 2018 में कनाडा पहुंचे थे, लेकिन फर्जी पत्र अब सामने आए, पांच साल बाद, जब उन्होंने स्थायी निवास के लिए आवेदन किया। एक प्रदर्शनकारी छात्र चमनदीप सिंह ने कहा, जब हम कनाडा पहुंचे, तो हमारे एजेंट ने हमें बताया कि जिन कॉलेजों के लिए हमें प्रवेश पत्र प्राप्त हुए थे, उनमें सीटें भरी हुई थीं। उन्होंने हमें बताया कि विश्वविद्यालयों में ओवरबुकिंग हो रही है, इसलिए वह हमें दूसरे कॉलेज में स्थानांतरित कर सकते हैं। चूंकि हम मौका खोना नहीं चाहते थे, इसलिए सहमत हो गए।

उन्होंने कहा, हमने कॉलेज बदला और अपनी पढ़ाई पूरी की, लेकिन तीन-चार साल बाद, हमें सीबीएसए द्वारा बताया गया कि जिस प्रवेश पत्र के आधार पर हमें वीजा मिला था, वह फर्जी था।

एक अन्य प्रदर्शनकारी छात्र लवप्रीत सिंह ने दावा किया कि डेपोर्टेशन के डर ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग आत्महत्या करने पर भी विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम भारत सरकार से कनाडा सरकार के साथ इस मुद्दे को उठाने का अनुरोध करते हैं। हम निर्दोष हैं और हमारे साथ घोटाला किया गया है। हमारा जीवन दांव पर है, कई लोग इसके कारण आत्महत्या तक कर सकते हैं। 700 एक अनुमान है, प्रभावित छात्रों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है। दरअसल, कई पीड़ित चुप हैं और आगे नहीं आ रहे हैं। मुझे 30 जून के लिए डीपोर्टेशन का नोटिस मिला है। हमने कनाडा आने के लिए अपनी जीवन भर की बचत लगा दी और अब हमें वापस जाने के लिए कहा गया है।

पंजाब के एनआरआई मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने धोखाधड़ी को हाल के इतिहास में सबसे बड़े आव्रजन घोटालों में से एक करार दिया। धालीवाल ने कहा, छात्रों ने कनाडा जाने के लिए बहुत पैसा खर्च किया है।

विप्र फाउंडेशन द्वारा अस्थमा मरीजों में नि:शुल्क दवा का वितरण

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के सुल्तान बाजार में स्थित गांधी ज्ञान मंदिर में विप्र फाउंडेशन द्वारा अस्थमा मरीजों में नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर अतिथि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस पार्टी प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल ने किया। कार्यक्रम में डॉक्टर एमपी शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए बताया के वह पिछले 38 वर्षों से "अस्थमा के मरीजों में नि:शुल्क दवा का वितरण कर रहे हैं। यह दवा शुद्ध शाकाहारी है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में अस्थमा के मरीजों ने नि:शुल्क दवा लिया।

इस दौरान मौके से श्रीमाली समाज के अध्यक्ष सागर त्रिवेदी, नरेश व्यास, साईराम सहित बीआरएस के कार्यकर्ता व अन्य लोग मौजूद थे।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में मिधानि के कर्मचारियों के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला चार सत्रों में संपन्न हुई।

प्रथम सत्र में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद केंद्र के डॉ. ऋषभदेव शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (से.नि.), उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान ने राजभाषा के रूप में हिंदी का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान भारत की प्रगति में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों से चर्चा के दौरान हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में चुनने के औचित्य और उसके इतिहास के संबंध में रोचक जानकारी दी। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि हिंदी के माध्यम से हम आपसी द्वेष-क्लेश मिटानकर भाईचारे की भावना उत्पन्न कर सकते हैं। हिंदी भारतीय जनता के रचनात्मक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हिंदी आत्मनिर्भर भारत के लिए अति महत्वपूर्ण उपकरण साबित हो सकती है। उन्होंने प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी के संबंध में संविधान में दर्ज विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए राजभाषा कार्यान्वयन में सरकारी कर्मचारियों के दायित्वों से अवगत कराया। द्वितीय सत्र में ईएसआई हैदराबाद के सहायक निदेशक (रा.भा.) (से. नि.) दिनेश सिंह ने कार्यालय में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली एवं संक्षिप्त टिप्पण विषय पर अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों से प्रतिभागियों को प्रशासनिक टिप्पणी को याद रखने और उनके प्रयोग का अभ्यास कराया।

तृतीय सत्र में इस्कॉन हैदराबाद के गीता संदेश प्रबंधक श्रीहर्ष वैद्य ने अपने मन के साथ बेहतर संबंध बनाएँ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान जीवन में एक साथ खुश रहने, शांति प्राप्त करने, सफल और समृद्ध होने जैसे विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि हमारे जीवन में जब अतीत के घटी विपरीत / हानिकारक चीजें सूक्ष्मतम रूप धारण कर लेती हैं और हम अन्यों के साथ प्रतियोगिता, तुलना करने लगते हैं, गलत दिशा-निर्देश/स्व-थोपा/अवास्तविक उम्मीदें पालने लगते हैं तो दुखी होने के रास्त स्वयं बनाने लगते हैं। सोशल मीडिया और गैजेट्स, गलत धारणाएं इत्यादि के कारण अपने प्रियजनों के बीच संचार में विशाल अंतराल आने लगता है तब हम एक शुभचिंतक और एक निम्न स्तरीय सोच वाले व्यक्ति में अंतर करना हमारे लिए मुश्किल होने लगती है। गीता के विभिन्न श्लोकों के माध्यम से उन्होंने यह समझाने का प्रयास किया कि खुश रहने के लिए हमें मन के बारे में जानना बेहद जरूरी है। अपने मन के साथ एक स्वस्थ संबंध बनाने पर ध्यान देना की आवश्यकता है। जीवन के कुछ कौशल/अभ्यास/गुण जो हमारे मन को दोस्त बनाने के लिए विकसित किए जाने चाहिए ताकि हम सभी अच्छे और बुरे समय में स्वयं की मदद कर सकें। इसके लिए हमें कृतज्ञता, तन्यकता, लचीलापन जैसे गुणों को विकसित करना चाहिए और साथ ही ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में शामिल होना चाहिए। अपने संग-साथी चुनने में सतर्कता बरतनी चाहिए और अपने अतिइंद्रियों की ताकत को पहचानी चाहिए। इसके लिए साधना-सतत प्रयास की आवश्यकता होगी। चतुर्थ सत्र में उद्यम के उप प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने हिंदी कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य किया। उन्होंने कहा कि हिंदी कार्यशाला का एक उद्देश्य जहाँ कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर्मचारियों में व्याप्त हिंदी के प्रयोग संबंधी झिझक दूर करके दैनिक काम-काज में हिंदी के प्रयोग बढ़ाने के लिए प्रेरित करना और इसके प्रोयग में आने वाली कठिनाइयाँ का समाधान करना है तो दूसरी ओर इसके प्रयोग के सरल तरीकें सूझाना भी है। डॉ. बालाजी ने राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यालय के कामकाज में हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। डॉ. बालाजी ने राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में उल्लेखित राजभाषा संबंधी लक्ष्यों की जानकारी दी। कार्यालय में लागू हिंदी की विभिन्न योजनाओं का परिचय देकर प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों को राजभाषा में काम करने हेतु शपथ भी दिलाई। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस) का सक्रिय सहयोग रहा।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा शिक्षा सहायता हेतु आवेदन आमंत्रित

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा शिक्षा सहायता हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। ललिता सत्यनारायण धानुका चारीटेबल ट्रस्ट, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, पी. सत्यनारायण मेहदीपट्टनम, हैदराबाद एवं श्री ललिताप्रसाद हनुमंतराय संघी चेरीटेबल ट्रस्ट, हैदरगुडा, हैदराबाद के सौजन्य से स्वजातीय अग्रबंधु छात्र एवं छात्राओं द्वारा कक्षा 6 से कालेज की पढ़ाई के लिए शिक्षा सहायता हेतु आवेदन पत्र प्राप्त किया जा रहे हैं। आवेदन पत्र मंगलवार 13 जून को प्रातः 11 बजे से पहले आओ पहले पाओ के अधार पर आवेदन पत्र की उपलब्धता तक दिये जायेंगे।

आवेदक को अपना तथा विद्यार्थी का आधार कार्ड एवं कक्षा में प्राप्त अंक तालिका (65% से अधिक अंक वाले) लाना जरूरी है। आवेदन पत्र 19 जून सोमवार को सुबह 11.00 बजे से 3.00 बजे तक जमा करवायें जा सकते हैं।

जामबाग डिवीजन में आयोजित जनसंपर्क अभियान में विधायक टी. राजा सिंह के साथ शामिल पार्षद राकेश जायसवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित, मोहनसिंह राजपुरोहित, के. रामकृष्णा व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टीपू सुल्तान का...

इंटरनेट सेवा रहेगी बंद

एसपी ने कहा कि बुधवार को शिवाजी चौक पर हुई हिंसा के संबंध में 300-400 लोगों के खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए हैं और 36 लोगों को राउंड अप किया गया है, जबकि तीन किशोरों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि पथराव में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी क्लिप की जांच की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि आंदोलन के दौरान भड़काऊ भाषण दिए गए थे या नहीं। एसपी ने बताया कि एहतियात के तौर पर लगाई गई इंटरनेट सेवा आधी रात (गुरुवार-शुक्रवार) तक बंद रहेगी।

नाबालिग पहलवान के ...

वहीं केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मीटिंग के बाद पहलवान 15 जून तक का इंतजार कर रहे हैं। ठाकुर ने भरोसा दिया कि 15 जून तक दिल्ली पुलिस इस केस की चार्जशीट कोर्ट में पेश कर देगी। पहलवान भले ही बृजभूषण की गिरफ्तारी पर अड़े हों लेकिन ये अब दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर निर्भर करेंगा।

उधर, अयोध्या में जनचेतना रैली के रद्द होने के बाद अब बृजभूषण 11 जून को कैसरगंज में एक बड़ी जनसभा करेंगे। मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर बृजभूषण शरण सिंह ये विशाल रैली कर रहे हैं। जिसमें 11 लाख लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद लगाई जा रहा है।

डब्ल्यूटीसी की मेस क्रिकेट में शामिल होने का न्योता है

चैंपियनशिप की मेस के हैंडल के चारों ओर लगा चांदी का छल्ला सफलता का प्रतीक है

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। ओवल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 के विजेता को मिलने वाले मेस के बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। यह पूरी तरह हाथ से बनाई गई है और थॉमस लिटे के लंदन स्थित सिल्वर वर्कशॉप में तैयार हुई है। स्टंप की तरह दिखने वाले मेस के लंबे हैंडल के चारों ओर लगे चांदी के छल्ले को सफलता का प्रतीक माना जाता है। लेकिन इस मेस में जो सबसे ज्यादा आकर्षित करती है वह ऊपर लगी सोने की गेंद है, जो विश्व के मानचित्र के बीचोबीच लगाई गई है। पूरे संसार को बेल्ट से बांधे हुए दिखाया गया है। जिनमें टेस्ट खेलने वाले 12 देशों की पहचान है और दुनिया के दूसरे देशों के शामिल होने के लिए खाली जगह छोड़ी गई है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने से पहले यह मेस आईसीसी टेस्ट विजेता न्यूजीलैंड के पास

थी। मेस का आधार लकड़ी का है। उसके ऊपर चांदी-सोने की प्लेट लगी है। हैंडल के चारों ओर लगा चांदी का छल्ला सफलता का प्रतीक माना जाता है इसे सिल्वरस्मिथ राबर्टसन ने तैयार किया है। इसे ग्लोब की शक्ल देने के लिए 700 डिग्री सेल्सियस पर गर्म किया गया।

दुनिया में क्रिकेट की पहुंच बताती है

ट्रॉफी बनाने वाली कंपनी थॉमस लिटे के संस्थापक सीईओ केविन बेकर कहते हैं कि यह मेस क्रिकेट और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंतर्राष्ट्रीय पहुंच का प्रतीक है। वे कहते हैं- किसी मैच के यादगार के तौर पर खिलाड़ियों को स्टंप रखते देखा है, विजेता के तौर पर इसे लहराते देखा है। वही देखकर इसके डिजाइन का ख्याल आया। यह कप से बिल्कुल अलग है।

ट्रॉफी सिर्फ जीत का प्रतीक थी, मेस क्रिकेट की है

मेस तैयार करने वाली टीम के प्रमुख ली बुल कहते हैं- ट्रॉफी में दो हैंडल होते हैं, वे चाहे कितने भी जटिल या कारीगरी से बनाए गए हों, वे मेस के आसपास भी नहीं है।

मेस का सबसे जटिल हिस्सा दुनिया के नक्शे पर बीचोबीच गेंद दिखाना है। ट्रॉफी सिर्फ जीत का प्रतीक है, लेकिन मेस अपने आप में क्रिकेट की प्रतिनिधि की तरह हो गई है।

अल्कारेज और जोकोविच के बीच होगी सेमीफाइनल में जंग

कार्लोस ने तोड़ा सितसिपास का सपना

पेरिस, 8 जून (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने यूनान के स्टेफनोस सितसिपास को 6-2, 6-1, 7-6 से हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनकी टक्कर 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच से होगी। उन्होंने सिर्फ एक गेम में ब्रेकप्वाइंट दिया और छठे मैच प्वाइंट को भुनाते हुए दो घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अल्कारेज ने बेसलाइन पर अच्छा खेल दिखाते हुए सितसिपास के खिलाफ शुरुआत में ही पकड़ बना ली थी। वह अक्सर अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ इसी शैली का खेल दिखाते हैं। ऐसे में यूनानी खिलाड़ी स्टेफनोस दबाव में आ गए और उन्होंने कुछ ड्रॉप शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन अल्कारेज ने उनसे सही ढंग से निपटते हुए अंक बना लिए।

सितसिपास को समझ नहीं आ रहा था कि वह अल्कारेज को कैसे दबाव में लाएं क्योंकि वह कोर्ट को पूरी तरह कवर कर रहे थे। दर्शकों का समर्थन भी सितसिपास के काम नहीं आया। दूसरे सेट में 1-2 से पिछड़ने के बाद यूनानी खिलाड़ी ने लगातार सात गेम गंवाए। सितसिपास ने फाइनल सेट के टाईब्रेकर में कुछ ऊर्जा दिखाई लेकिन अल्कारेज ने छठे मैच प्वाइंट को भुना लिया, जबकि पहला मैच प्वाइंट तीस मिनट पहले मिला था।

नंबर एक की कुर्सी की होड़

यदि अल्कारेज सेमीफाइनल मैच जीतने में सफल रहते हैं तो अपने दूसरे ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचेंगे और एटीपी रैंकिंग में नंबर एक का रुतबा भी कायम रखने में सफल रहेंगे। यदि जोकोविच तीसरी बार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने में सफल रहेंगे तो वह फिर से नंबर एक की कुर्सी पर पहुंच जाएंगे। सितसिपास के खिलाफ मुकाबले में जीत से अल्कारेज पहली बार क्लेकोर्ट ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल हुए हैं। बीस साल के खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर ही इतिहास रच दिया था। वह जोकोविच के 2006-07 के बाद रोलां गैरो में अंतिम-8 में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

भारत अंडर-20 एथलेटिक्स में तीसरे स्थान पर

लक्षिता और महिला रिले टीम ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारत की लक्षिता विनोद संडीला ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन बुधवार को यहां महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में चार मिनट 24.23 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम और 1500 मीटर में लक्षिता विनोद संडिला के स्वर्ण से भारत एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने छह स्वर्ण, सात रजत और छह कांस्य पदक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। जापान (14 स्वर्ण, 4 रजत

और पांच कांस्य) और चीन (11 स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य) के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

लक्षिता ने किया दो सेकंड का सुधार

भारत की लक्षिता विनोद संडीला ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन बुधवार को यहां महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में चार मिनट 24.23 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

संडीला का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चार मिनट 26.48 सेकंड था जिसमें उन्होंने लगभग दो सेकंड के अंतर से सुधार करके भारत को चैंपियनशिप में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। बाद में रेजोना मलिक हीना की अगुवाई में महिला चौकड़ी ने 3:40.49 के साथ स्वर्ण जीता। कजाखस्तान (3 : 46.19) ने रजत और कोरिया (3 : 47.46) के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की रिले टीम ने 3: 08.78 के साथ रजत पदक हासिल किया।

मेहदी हसन ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ तीन मिनट 56.01 सेकंड में पूरी करके कांस्य पदक जीता। शिवाजी परशु मदप्पागौद्रा ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14 मिनट 49.05 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता। रविवार को प्रतियोगिता के पहले दिन रेजोआना मल्लिक हीना और भरतप्रीत सिंह ने क्रमशः महिलाओं की 400 मीटर और पुरुषों की चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीता था। गोला फेंक के एथलीट सिद्धार्थ चौधरी ने सोमवार को स्वर्ण पदक जीता जबकि सुनील कुमार ने मंगलवार को डेकाथलॉन में सोने का तमगा हासिल किया था। भारत की 45 सदस्यीय टीम ने चार दिवसीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें 19 महिला खिलाड़ी शामिल थीं।

कोच गोपीचंद बोले- सिंधू की फॉर्म चिंता का विषय नहीं

सिंगापुर ओपन के पहले राउंड से ही हुई थीं बाहर

कोलकाता, 8 जून (एजेंसियां)। रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को पिछले साल टखने में चोट लगी थी जिससे वह बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गई थी। भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।

सिंधू को मंगलवार को फिर

पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा जब वह सिंगापुर ओपन में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से हारकर बाहर हो गईं। इससे पहले थाईलैंड ओपन में भी वह पहले दौर में बाहर हो गईं थी।

गोपीचंद ने कहा- वह काफी युवा खिलाड़ी है, वह महज 26-27 साल की है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए। वह अच्छा खेलना शुरु कर रही है। मुझे भविष्य में उसके अच्छे खेलने की उम्मीद है।

रियो ओलंपिक 2016 में रजत पदक और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को पिछले साल टखने में चोट लगी थी जिससे वह बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गई थी। इस चोट के कारण वह चार महीने तक खेल से दूर रहीं।

मोइन अली ने टेस्ट से रिटायरमेंट वापस लिया

जैक लीच की जगह इंग्लैंड की एशेज टीम में शामिल; सीरीज 16 जून से

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोईन अली ने टेस्ट क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया है। उन्होंने टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम और इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉबर्ट कीसे से बातचीत के बाद यह फैसला किया। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है।

मोईन अली ने साल 2021 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि वनडे और टी-20 में खेलना जारी रखा। अब एशेज सीरीज से पहले उन्होंने अपनी वापसी कर ली है। मोईन अली को स्पिनर जैक लीच के जगह पर टीम में शामिल किया

गया है।

16 जून से शुरू होगी एशेज सीरीज

इंग्लैंड के गेंदबाज जैक लीच पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेच फ्रैक्चर के कारण एशेज से बाहर हो गए हैं। लीच की जगह मोईन अली को एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम शामिल किया गया है। एशेज सीरीज की शुरुआत 16 जून से होगी और 31 जुलाई तक यह खेला जाएगा।

मोईन अली का टेस्ट करियर

मोईन अली ने इंग्लैंड के लिए साल 2014 में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद सितंबर 2021 में भारत के खिलाफ उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने इंग्लैंड के लिए कुल 64 टेस्ट मैच खेले जिसमें 5 शतक और 14 अर्धशतक के साथ 2914 रन बनाए। टेस्ट में उनके नाम 195 विकेट हैं।

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, मोईन अली, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली पॉप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जोश टैंग, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

बेकहम की टीम के साथ मेसी का करार

अमेरिका के मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी में शामिल

वाशिंगटन, 8 जून (एजेंसियां)। लियोनल मेसी अमेरिका की फुटबॉल लीग मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी में शामिल हो गए हैं। मेसी ने स्वयं इसकी पुष्टि की है। मेसी का अनुबंध फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मन के साथ 30 जून को खत्म हो जाएगा। मेसी ने शनिवार को लीग वन में क्लेरमोंट फुटबॉल क्लब के खिलाफ पीएसजी (पेरिस सेंट जर्मन) के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, मेसी को सऊदी लीग से इतिहास में सबसे ज्यादा रुपए का ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने वो ऑफर स्वीकार नहीं किया। बार्सिलोना क्लब भी मेसी की वापसी की राह तलाश रहा था। हालांकि, डेविड बेकहम की

टीम इंटर मियामी और मेसी ने करार को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

फुटबॉल जगत में बुधवार को कई और ट्रांसफर हुए। रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद बेंजेमा ने अल-इतिहाद के साथ 2 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। 2 साल के दौरान उन्हें एक सीजन के लिए अल इतिहास 1,768 करोड़ रुपए देगा। माना जा रहा है कि फ्रांस के एनगोलो कांटे के साथ भी अल इतिहाद ने करार कर लिया है। उन्हें अल इतिहाद ने 883 करोड़ रु. में खरीदा है। वहीं, बेंजेमा की गैरमौजूदगी को पूरा करने के लिए रियल मैड्रिड ने डॉर्टमंड के साथ 910 करोड़ रुपए का करार किया।

नया कॉन्ट्रैक्ट नहीं किया साइन

दरअसल, लियोनल मेसी का पेरिस सेंट जर्मन के साथ करार 30 जून को खत्म हो रहा है। पीएसजी ने मेसी के सामने नया कॉन्ट्रैक्ट पेश किया था, लेकिन मेसी ने उसे साइन नहीं किया। मेसी ने पीएसजी के लिए इस सीजन में 21 गोल और 20 असिस्ट किए।

मेसी और पीएसजी के बीच आ रही थीं अनबन की खबरें

पिछले काफी समय से उनके और पीएसजी क्लब के बीच अनबन की खबरें भी सामने आ रही थीं। कुछ दिन पहले ही मेसी के सऊदी अरब के यात्रा करने पर क्लब ने उन पर दो हफ्ते का बैन लगा दिया था। बाद में मेसी ने क्लब से माफी मांगी थी।

ओलिंपिक चैंपियन ज्वेरेव लगातार तीसरी बार फ्रेंच-ओपन के सेमीफाइनल में

पिछले साल अंतिम-4 में चोटिल हुए थे, बैसाखियों के सहारे छोड़ना पड़ा था कोर्ट

पेरिस, 8 जून (एजेंसियां)। जर्मनी के ओलिंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन 2023 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के 22वीं सीड टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। वे लगातार तीसरी बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर गए हैं। ज्वेरेव का यह छठा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है। ज्वेरेव पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में राफेल नडाल के खिलाफ चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। सेमीफाइनल में ओलिंपिक चैंपियन ज्वेरेव का सामना नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगा।

नडाल के खिलाफ चोटिल हो गए थे ज्वेरेव

पिछले साल सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे सेट के 12वें गेम में नडाल के शॉट पर ज्वेरेव

रिटर्न करते समय गिर पड़े थे। जहां उन्हें काफी ज्यादा चोट आई थी, बाद में उन्हें बैसाखी के सहारे कोर्ट से बाहर जाना पड़ा था।

ज्वेरेव कोर्ट छोड़ते वक्त भावुक भी हो गए थे, उनकी आंखों में आंसू थे। ज्वेरेव उस चोट के बाद इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन से वापसी किए थे, जहां उन्हें दूसरे दौर में हार मिली थी।

जोकोविच ग्रैंड स्लैम के 45वें सेमीफाइनल में

सर्बिया के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रूस के करेन खाचानोव को हराया। इस जीत के साथ जोकोविच अपने करियर के 45वें सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। जोकोविच को करेन ने बराबर की टक्कर दी। मैच के पहले सेट को करेन ने 6-4 से जीत लिया। जिसके बाद जोकोविच ने मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगाया और अंतिम तीन सेट 7-6, 6-2, 6-4 से जीत लिए। अब वो फ्रेंच ओपन जीतने से केवल 2 मैच दूर हैं। अगर जोकोविच चैम्पियन बनने में कामयाब होते हैं तो वो रिकॉर्ड 23 ग्रैंड स्लैम के साथ सारे ग्रैंड स्लैम को कम से कम 3 बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

ऋतुराज गायकवाड़ के बाद इस भारतीय क्रिकेटर ने रचाई शादी

चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ के बाद अब एक और भारतीय क्रिकेटर ने शादी कर ली है। इस खिलाड़ी का नाम है प्रसिद्ध कृष्णा, जिन्होंने अपनी अपनी गर्लफ्रेंड रचना से शादी रचाई है। दोनों एक दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे थे।

प्रसिद्ध कृष्णा और रचना कृष्णा ने साउथ इंडिया ट्रेडिशनल में शादी की है। फोटोज में साफ दिख रहा है कि प्रसिद्ध एक धोती लपेटे हुए हैं और वहीं रचना लाल कलर की साड़ी पहने हुए है। प्रसिद्ध बैंगलोर के रहने वाले है।

हाल ही में मनाई थी हल्दी सेरेमनी

प्रसिद्ध और रचना कृष्णा ने हाल ही में हल्दी सेरेमनी की थी। जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। हल्दी सेरेमनी के 2 दिन बाद दोनों ने 7 फेरे लिए हैं। रचना और प्रसिद्ध दोनों ही काफी लंबे समय से एक दूसरे को अच्छे से जानते थे। रचना सोशल मीडिया पर

ज्यादा नहीं दिखतीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उन्होंने प्राइवेट कर रखा है।

चोट के चलते नहीं खेल पाए आईपीएल 2023

आपको बता दें कि राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध चोट के चलते आईपीएल 2023 में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह संदीप शर्मा को टीम में शामिल किया गया था।

प्रसिद्ध कृष्णा का इंटरनेशल क्रिकेट करियर

प्रसिद्ध कृष्णा टीम इंडिया के लिए खेल चुके हैं। इस तेज गेंदबाज ने भारत के लिए 14 वनडे मैचों की 14 पारियों में 5.32 की इकॉनमी से 25 विकेट झटके हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा का आईपीएल करियर

प्रसिद्ध कृष्णा ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सबसे पहले खेला था। फिर वह राजस्थान रॉयल्स में चले गए थे। इस लीग में उन्होंने 51 मैचों में 8.92 की इकॉनमी से 49 विकेट अपने नाम किए हैं।

तेलंगाना में उद्योगपतियों के लिए लालफीताशाही खत्म : केटीआर

आईटी मंत्री ने रूरल माइक्रो स्किल डेवलपमेंट सेंटर की नींव रखी

महबूबनगर, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि 2014 से पहले, उद्योगपतियों को यहां अवपी कंपनी स्थापित करने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, क्योंकि तत्कालीन राज्य में लालफीताशाही व्याप्त थी। किंतु यह अब बदल गया है, यहां उद्योगों को अपनी इकाइयां खोलने के लिए स्वागत करने के लिए रेड कार्पेट बिछाया जा रहा है।

गुरुवार को यहां कस्बे में साइएंट फाउंडेशन के रूरल माइक्रो स्किल डेवलपमेंट सेंटर की नींव रखने और साइएंट में प्रशिक्षण लेने के बाद नौकरी हासिल करने वाली 120 युवतियों को जॉब ऑफर लेटर सौंपने के बाद बोलते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के गठन से पहले कुछ दिन थे जब उद्योगपतियों ने सरकार से बिजली की आपूर्ति के लिए इंदिरा पार्क, हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन किया।

नौ साल के अंतराल में कहानी बदल गई है। उन्होंने कहा कि राज्य अब औद्योगिक, कृषि और घरेलू क्षेत्रों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व और दूरदृष्टि से प्रभावित होकर उद्योगपति राज्य में इकाइयां लगा रहे हैं और रोजगार सृजित हो रहे हैं।

रामा राव ने कहा कि मैं युवाओं और छात्रों से विशेष रूप से सरकार द्वारा बनाए जा रहे रोजगार के अवसरों का सदुपयोग करने की अपील करता हूं। उद्योगपतियों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए राजी करने में बहुत प्रयास किए जाते हैं। दूसरे राज्यों से कई युवा हैदराबाद आ रहे थे और नौकरी हासिल कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यदि राज्य के युवा अवसरों का उपयोग नहीं करते हैं, तो यह सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के साथ अन्याय होगा, उन्होंने कहा कि केवल नौकरी हासिल करना पर्याप्त नहीं होगा। साथ ही लगातार स्किल्स को अपग्रेड करना होगा। तत्कालीन महबूबनगर की परिस्थितियों की याद दिलाते हुए मंत्री ने कहा कि महबूबनगर कभी प्रवासन के लिए जाना जाता था लेकिन आज यह सिंचाई के लिए जाना जाता है। राज्य सरकार उद्दंडपुर, कारिवेना और अन्य स्थानों पर 67 टीएमसीएफटी की भंडारण क्षमता वाले जलाशयों का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि ये काम अगस्त या सितंबर तक पूरे हो जाएंगे और महबूबनगर और भी उपजाऊ हो जाएगा।

क्लाइंट फाउंडेशन के अध्यक्ष बीवीआर मोहन रेड्डी, जिनका जन्म महबूबनगर में हुआ था, ने कहा कि जिले में एक ग्रामीण सूक्ष्म कौशल विकास केंद्र स्थापित करना एक सम्मान की बात है। साइंट महबूबनगर में आईटीआई केंद्र को भी गोद लेगा और गुणवत्तापूर्ण फैकल्टी और नौकरियां प्रदान करने के अलावा केंद्र में बुनियादी ढांचे में सुधार करेगा।

उन्होंने कहा कि आईटीआई केंद्र में लड़कियों की मौजूदा संख्या दो साल के लिए 116 है और इसे बढ़ाकर प्रति वर्ष 116 छात्रों तक किया जाएगा। युवाओं के बीच कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर जोर देते हुए, अध्यक्ष ने प्रत्येक जिले में एक ग्रामीण सूक्ष्म कौशल विकास केंद्र स्थापित करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड,श्रम मंत्री च मल्ला रेड्डी और अन्य लोगों ने भी बात की।

मानव तस्करी पर काबू पाने के लिए मुहीम तेज

साइबर अपराध विशेषज्ञों और आईटी सेल कर रहे हैं पुलिस की मदद

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महिला तस्करी के खिलाफ लड़ाई तेज करते हुए, राचकोंडा पुलिस अब मानव तस्करी इकाइयों को चलाने में शामिल व्यक्तियों पर तकनीकी जानकारी इकट्ठा करने के लिए साइबर अपराध विशेषज्ञों और आईटी सेल का समर्थन मांग रही है।

जासूस अब वेश्यावृत्ति सिंडिकेट की पहचान करने के लिए वेबसाइटों और ऑनलाइन विज्ञापन पोर्टलों को स्कैन कर रहे हैं, जो अपने अवैध व्यापार के लिए जल्दी से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्विच करने में माहिर हो गए हैं। एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की टीमें साइबर क्राइम पुलिस स्टेशनों से भी सहायता मांग रही हैं, जहां जब्त किए गए गैजेट्स का विश्लेषण करने और डेटा को पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता है। टीमें अब सोशल मीडिया खातों को स्कैन करती हैं और उन आयोजकों की पहचान करती हैं जो ज्यादातर कुछ अन्य शहरों में स्थित हैं। एएचटीयू, इंस्पेक्टर, एन. चंद्रबाबू ने कहा कि लीड के माध्यम से, हम उनकी सहायता करने वाले स्थानीय लोगों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और आयोजकों, उप-आयोजकों को गिरफ्तार करने और पीड़ितों को बचाने के लिए अभियान चलाते हैं।

वन्यजीवों के संरक्षण और हरियाली के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : इंद्रकरण

वन मंत्री ने हरितवनम में ओपन टॉप वाहनों में सफारी की सवारी शुरू की

निर्मल, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण, न्याय और कानून विभाग मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि सीएम केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार वनों की सुरक्षा, वन्यजीव संरक्षण और हरियाली के विकास के लिए विशेष प्रयास कर रही है। मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने निर्मल जिला मुख्यालय में चिंचोली-बी के पास गांधीरमन्ना हरितावनम में नव व्यवस्थित जंगल सफारी का उद्घाटन किया। विशेष रूप से व्यवस्थित सफारी वाहन को मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने स्वयं 5 किलोमीटर तक चलाया।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के तहत हम हरितहरम कार्यक्रम को अपनाकर पौधारोपण कर रहे हैं, हमने पहले ही लक्ष्य को पार कर लिया है और यह एक सतत प्रक्रिया के रूप में जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हर ग्राम पंचायत और नगर पालिका में नर्सरी लगाई जा रही है और पौधे लगाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, तेलंगाना सरकार द्वारा की गई वन संरक्षण गतिविधियों के कारण जंगली जानवरों की संख्या में वृद्धि हुई है और बाघ महाराष्ट्र के ताडोबा टाइगर रिजर्व से कव्वाल टाइगर रिजर्व क्षेत्र में पलायन कर रहे हैं और अपना निवास स्थान स्थापित कर रहे हैं।

निर्मल ने कहा कि हम पर्यटन की दृष्टि से जिले के केन्द्र का विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वनों की विशिष्टता को बचाते हुए हम पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन का विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी रमन्ना हरितावनम में आगंतुकों को एक नया अनुभव देने के लिए दो विशेष ओपन-टॉप सफारी वाहन और एक गश्ती वाहन उपलब्ध कराया गया है। इनके लिए उन्होंने कहा कि 39 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

शहरी पार्क में जंगल सफारी का आयोजन अद्भुत है। उन्होंने कहा कि पार्क में साहसिक कार्यक्रमों के साथ-साथ बच्चों और बड़ों सभी के मनोरंजन और मनोरंजन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि बंदर संरक्षण, पुनर्वास केंद्र, मुशिका डियर पार्क, चेन लिंक, ईको हट्स, साइकिलिंग, वाच टावर, छोटे बच्चों के खेलने का क्षेत्र जैसी सुविधाएं आगंतुकों के लिए पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पार्क को और विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे।

बाद में, मंत्री ने तेलंगाना दशक महोत्सव के हिस्से के रूप में इस महीने की 19 तारीख को आयोजित होने वाले हरितोत्सव के पोस्टर का अनावरण किया। कार्यक्रम में पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आरएम डोबरियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष विजयलक्ष्मी रेड्डी, कव्वाल टाइगर रिजर्व जोन के फील्ड डायरेक्टर विनोद कुमार, कलेक्टर वरुण रेड्डी, एसपी प्रवीण कुमार, बसरा सर्कल के मुख्य सरक्षक शरवनन, जिला वन अधिकारी हीरामठ आदि ने भाग लिया।

आदिलाबाद के सांसद सोयम बापूराव ने गुरुवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात कर अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

कर्नल संतोष बाबू का बलिदान भारतीयों के दिलों में हमेशा अंकित रहेगा : सांसद

कर्नल संतोष बाबू की प्रतिमा का अनावरण

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद उत्तम कुमार रेड्डी ने आज सूर्यापेट जिले के कोडाद कस्बे में गलवान घाटी युद्ध के नायक स्व. कर्नल संतोष बाबू की प्रतिमा का अनावरण संतोष बाबू के माता-पिता बिक्कुमल्ला उपेंद्र और मंजुला और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया।

16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संतोष बाबू उन 20 भारतीय सैनिकों में से एक थे, जो 15 जून, 2020 को लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ भीषण आमने-सामने की लड़ाई में शहीद हो गए थे। कर्नल संतोष बाबू ने असाधारण साहस और नेतृत्व का परिचय देते हुए भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उनकी असाधारण बहादुरी का सम्मान करने के लिए, उन्हें मरणोपरांत प्रतिष्ठित वीरता पदक, महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने गर्व के साथ अपनी गहरी भावना व्यक्त की, क्योंकि वह और स्वर्गीय कर्नल संतोष बाबू दोनों सम्मानित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र थे। संतोष बाबू के माता-पिता को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नल संतोष बाबू और 20 जवानों का बलिदान सभी भारतीयों के दिलों में हमेशा अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि आक्रामकता के खिलाफ देश की सीमाओं की रक्षा करने में उनके वीरतापूर्ण कार्यों को अत्यंत सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा।

उत्तम कुमार रेड्डी ने भारतीय क्षेत्र में निरंतर घुसपैठ पर चिंता जताते हुए चीन के साथ चल रहे सीमा तनाव को भी रेखांकित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन ने लगभग 1500 वर्ग किमी भूमि पर कब्जा कर लिया है, जो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है। पिछले चार वर्षों में भारत-चीन सीमा मामलों (डब्ल्यूएमसीसी) पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 27 बैठकों के बावजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध अनसुलझा है। सबसे हालिया बैठक 31 मई को आयोजित की गई थी, जिसमें चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से निपटने में दृढ़ता की आवश्यकता को रेखांकित किया गया था।

उत्तम कुमार रेड्डी ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के दुस्साहसी प्रयासों की ओर ध्यान आकर्षित किया, जो उन्हें अपने क्षेत्र का हिस्सा होने का झूठा दावा करता है। इस तरह की कार्रवाइयाँ न केवल भारत की संप्रभुता को चुनौती देती हैं, बल्कि इस क्षेत्र में तनाव भी बढ़ाती हैं।

कांग्रेस सांसद ने संसदीय रक्षा समिति के माध्यम से सूर्यापेट में एक सैन्य संग्रहालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा जिसका नाम कर्नल संतोष बाबू के नाम पर रखा जाना चाहिए।

संग्रहालय को देश में सभी परम वीर चक्र और महावीर चक्र पुरस्कार विजेताओं की वीरता और बलिदान को प्रदर्शित करते हुए उनकी प्रेरक जीवन गाथाओं के भंडार के रूप में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल और कॉलेज के छात्रों को देशभक्ति की गहरी भावना पैदा करने के लिए संग्रहालय का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और सशस्त्र बलों द्वारा किए गए बलिदानों के लिए राष्ट्रीय गौरव और प्रशंसा की एक मजबूत भावना को बढ़ावा देना चाहिए।

स्वच्छ आंध्र प्रदेश अभियान : मुख्यमंत्री ने 516 ई-ऑटो लॉन्च किया

विजयवाड़ा, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने स्वच्छ आंध्र प्रदेश अभियान के तहत गुरुवार को 516 इलेक्ट्रिक ऑटो लॉन्च किए। ई-ऑटो महिलाओं द्वारा चलाए जाएंगे, जिन्हें कचरे को इकट्ठा करने और अलग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे महिलाओं को सशक्त बनाने और स्वच्छ, अधिक टिकाऊ वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

79 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में घरों से कचरा अलग करने के लिए, सरकार ने ग्रेड II और नीचे ग्रेड यूएलबी में ई-ऑटो उपलब्ध कराने का सुझाव दिया है। अपर्याप्त वित्तीय स्थिति वाले और उपयोगकर्ता शुल्क से सीएनजी/डीजल वाहनों के संचालन और रखरखाव की लागत को कवर करने में असमर्थ स्थानीय अधिकारियों के लिए ई-ऑटो की तैनाती का सुझाव दिया गया है। पांच साल के वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) के साथ मिलकर ई-ऑटो की खरीद बोलियों के लिए कॉल का विषय रही है और एक आदेश दिया गया है।

"ई-ऑटो" के नाम से जाने जाने वाले ऑटोमोबाइल एक या अधिक इलेक्ट्रिक मोटरों द्वारा संचालित होते हैं और उनके मुख्य ऊर्जा स्रोत के रूप में बैटरी में संग्रहीत बिजली पर निर्भर होते हैं। काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अब तक 516 कारें प्रदान की हैं। वाहन की क्षमता 500 किलोग्राम है। 4,10,395 रुपये एक कार की औसत कीमत है। कार का औसत माइलेज 85 किलोमीटर है और चार्जिंग में 4 घंटे लगते हैं।

युवती का न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणगुड़ा पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने कथित तौर पर एक छात्रा का नग्न वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की मुलाकात सात महीने पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से एक व्यक्ति पूर्णेश यादव से हुई थी, जो चेन्नई के एक कॉलेज से बी.टेक कोर्स कर रहा है। पिछले महीने पूर्णेश ने लड़की से पैसे मांगे क्योंकि उसे किसी काम के लिए इसकी जरूरत थी।

नारायणगुडा इंस्पेक्टर, एम. गुरुशिव ने कहा कि पीड़िता के पास पैसे नहीं होने पर उसने अपने दोस्त असलम से इसके लिए कहा। असलम ने कहा कि उसके पास भी पैसे नहीं हैं और उसने पीड़ित लड़की को एक साईं चरण के साथ निजी पल बिताने के लिए मना लिया, जो उसे पैसे देगा। वे दोनों नारायणगुडा के एक ओयो रूम में गए, जहां साईं चरण की मौजूदगी में, असलम ने लड़की का एक नग्न वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे उसके दोस्त पूर्णेश और उसके व्हाट्सएप नंबर पर भेज दिया।

इस घटनाक्रम से घबराई पीड़िता ने पुलिस से संपर्क किया जिसने मामला दर्ज किया। हैदराबाद पुलिस ने असलम और साईं चरण को गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन जब्त कर लिया।

दंपत्ति को जान से मारने की कोशिश, हालत नाजुक

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मेडिपल्ली में बुधवार रात एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने घर में कुछ पारिवारिक मुद्दों के बाद अपने ससुराल वालों को मारने का प्रयास किया। दंपती की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, अनिल कुमार मेडिपल्ली थाना क्षेत्र की अन्नपूर्णा कॉलोनी स्थित अपनी ससुराल गया और ससुराल वालों से कहासुनी कर दी। बाद में, उसने उनकी गर्दन काटकर जान से मारने की कोशिश की और मौके से भागने से पहले उन पर बोल्डर भी फेंके। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया जिन्होंने 108 एम्बुलेंस में कॉल किया और उन्हें इलाज के लिए गांधी अस्पतालमें स्थानांतरित कर दिया। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर लिया गया है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अनिल और उसके ससुराल वालों के बीच कुछ अनबन चल रही थी, जिसके चलते यह घटना हुई। पुलिस जांच कर रही है।

बाहानगा बाजार स्टेशन पर जीर्णोद्धार कार्य के कारण आज ट्रेन रद्द

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोरोमंडल ट्रेन दुर्घटना के बाद खड़गपुर मंडल के बाहानगा बाज़ार स्टेशन पर ट्रैक बहाली के काम के कारण, 9 जून को चलने वाली शालीमार-हैदराबाद (18045) ट्रेन और हैदराबाद-शालीमार (18046) ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं और सहयोग करें।

एचएमडीए ने नरसिंगी-कोकापेट खंड पर सौंदर्यीकरण शुरू किया

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी-कोकपेट मार्ग पर यात्रा करना अब पहले जैसा नहीं रहा है, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ने हरे-भरे हरियाली के साथ कला से सजी सड़क को सजाया है और पूरे खंड और इसकी कनेक्टिंग सड़कों को आकर्षक बना दिया है। इन कलाकृतियों पर लोग उनके पास विकसित रास्तों पर भी चल सकते हैं और कला के अंश को भी करीब से देख सकते हैं।

एक स्वागत योग्य मेहराब, 2 पैसे और 5 पैसे के सिक्कों को प्रदर्शित करने वाली एक कलाकृति जो दशकों पहले ढाली गई थी, एक बंड पर चलते बच्चे, गहरे विचारों में खोए हुए व्यक्ति कुछ ऐसी कलाकृतियाँ हैं जिन्होंने सड़क को खूबसूरती से बदल दिया है।

कलाकृति के बारे में बोलते हुए, वास्तुकार, कुमार स्वामी गौड़ ने कहा कि उन्होंने अपनी कला के माध्यम से तेलंगाना की समृद्धि दिखाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि पानी की पाइपलाइन/बांध पर चलने वाले बच्चे हमारे जलाशयों सहित राज्य के समृद्ध संसाधनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि, राज्य सरकार की दूरदर्शिता के कारण, हैदराबाद देश के अन्य शहरों के लिए एक रोल मॉडल बन गया है और कलाकृति जो एक व्यक्ति को लीक से हटकर सोचने का चित्रण करती है, राज्य सरकार की दूरदर्शी विचार प्रक्रिया और भविष्यवादी दृष्टिकोण को चित्रित करती है।

इस जगह को अलंकृत करने वाली अन्य कलाकृतियों में बुद्ध की मूर्ति, चारमीनारका प्रतिनिधित्व और हैदराबाद के विरासत स्थल शामिल हैं। इस बीच, एचएमडीए के अधिकारियों ने कहा कि, स्वागत मेहराब बनाने के लिए, उपयोग की जाने वाली स्टेनलेस स्टील सामग्री का ग्रेड/गुणवत्ता तेलंगाना शहीद स्मारक के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री के समान है।

आंध्र प्रदेश में अगले 3 दिनों तक भीषण गर्मी की सूचना

हैदराबाद, 8 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के लोगों को अगले तीन दिनों तक भीषण गर्मी का अनुभव होने की संभावना है, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा के अलग-अलग स्थानों पर लू चलने का अनुमान लगाया है।

आईएमडी ने उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने की भी भविष्यवाणी की है। दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेशऔर रायलसीमा के अलग-अलग स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की भी संभावना है। पिछले कुछ हफ्तों से राज्य में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण लू चलने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि 11 जून के बाद से लू की स्थिति में कमी आने की संभावना है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.